फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 82 प्रभात जयपुर, गुरूवार 22 अक्टूबर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

The legend of the white gibbon of Tinting...

Buja took the stone, woke up from his dream and walked away, and the white gibbon seemed to have disappeared. This is how the ridge that Buja went hunting is named as Tinting Empeliau

A kid's school project turned into a national story

'3897 एसबीआई बैंक खातों की निजी जानकारी डार्क वैब पर एक्सपोज़ हुई'

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने दावा किया कि यह सब एक सायबर अटैक की वजह से हुआ है

- **बैंक की प्रारम्भिक जाँच में पता चला है कि खाता धारकों के नाम, मोबाइल नंबर, आधार, जन्म तारीख, ईमेल आईडी, घर का पता, ब्रांड व ग्राहक पहचान संबंधी विवरण डार्क वैब पर उजागर हो गए हैं। बैंक ने पूरी जाँच के लिए एक स्वतंत्र सायबर सुरक्षा एजेंसी की सुविधाएं ली हैं।**
- **बैंक ने कहा कि इस घटना से अभी तक बैंक के कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ा है, पर स्थिति पर कड़ी नज़र रखी जा रहा है।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने बुधवार को साइबर हमले की जानकारी दी। इस अटैक की वजह से 3,897 ग्राहकों के रिकॉर्ड से जुड़ी व्यक्तिगत पहचान संबंधी जानकारी डार्क वेब पर उजागर हो गई। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने यह खबर दी है।

बैंक के अनुसार, शुरुआती आकलन में पता चला कि लीक हुए डेटा में ग्राहकों के नाम, मोबाइल नंबर, जन्मतिथि, ईमेल पते, आवासीय पते, ब्रांड और ग्राहक पहचान संबंधी विवरण तथा ऋण से जुड़े रिकॉर्ड शामिल थे।

एसबीआई ने कहा कि उसने डेटा लीक की प्रकृति और उसके दायरे का पता लगाने तथा पूरे मामले की जांच के लिए एक स्वतंत्र साइबर सुरक्षा एजेंसी नियुक्त की है।

बैंक ने यह भी कहा कि इस घटना से उसके मुख्य कारोबारी कामकाज, वित्तीय प्रदर्शन या कारोबार की निरंतरता पर कोई बड़ा असर पड़ने की आशंका नहीं है।

भारतीय स्टेट बैंक के मुताबिक, उजागर हो चुके डेटा की प्रामाणिकता और संपूर्णता की पुष्टि करने के लिए व्यापक जांच की जरुरत है। इसके साथ ही डेटा लीक के संभावित स्रोत का पता लगाया जाएगा, घटना के दायरे का आकलन किया जाएगा और ग्राहकों तथा बैंक के लिए संभावित जोखिमों की जांच की जाएगी।

बैंक ने कहा कि वह स्थिति पर लगातार नज़र रख रहा है और 3,897 ग्राहकों के चिन्हित रिकॉर्ड से जुड़े मामले की जांच जारी रहने के दौरान लागू नियामकीय नियमों के अनुसार उचित कदम उठाएगा।

यह डेटा लीक ऐसे समय सामने आया है, जब बैंकिंग क्षेत्र में नियामकीय निगरानी बढ़ रही है। भारत का बैंकिंग नियामक पिछले कुछ वर्षों से वित्तीय संस्थानों को निशाना बनाने वाले साइबर खतरों में वृद्धि के बीच बैंकों से अपनी साइबर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने को कहता रहा है। जुलाई में बैंक ऑफ बड़ौदा ने भी डेटा लीक की पुष्टि की थी, जिसमें एक टेराबाइट ग्राहक डेटा उजागर हुआ था।

लिखित माफीनामे के बाद सीजेपी नेताओं को जमानत मिली

- **सौरव दास व आशुतोष रांका सात दिन से तिहाड़ जेल में बंद थे।**

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सौरव दास और आशुतोष रांका के लिए बुधवार का दिन बेहद अहम रहा। बीते सात दिनों से तिहाड़ जेल में बंद दोनों सीजेपी नेताओं को जमानत मिल गई।

सौरव दास और आशुतोष रांका से लिखित में माफीनामा और शपथ पत्र लेने के बाद इनको जमानत पर छोड़ा गया है।

करीब डेढ़ घंटे तक चली सुनवाई के बाद स्पेशल एग्ज़ीक्यूटिव मजिस्ट्रेट कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया और फिर दोनों को जमानत का फैसला सुनाया। इसके लिए कड़ी सुरक्षा घेरे के बीच सीजेपी के दोनों सह-संयोजक सौरव दास और आशुतोष रांका को पेशी के लिए मंदिर मार्ग स्थित स्पेशल एग्ज़ीक्यूटिव मजिस्ट्रेट की कोर्ट में लाया गया था।

इन दोनों की इस कोर्ट में यह तीसरी पेशी है। पिछली दो पेशियों में दोनों की जमानत खारिज कर दी गई थी।

यहां तीसरी बार बेल बॉन्ड भरवाने के बाद सुनवाई शुरू हो गई है। आज अगर दोनों के जमानती से कोर्ट संतुष्ट हो जाएगी, तब इन्हें जमानत पर छोड़ा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एप्स्टीन फाइल्स के फोटो मीडिया में आए, हरदीप पुरी फिर से विवादों में

अमेरिका के न्याय विभाग ने एप्स्टीन फाइल्स की कुछ और तस्वीरें जारी की हैं, जिनमें हरदीप पुरी, कुख्यात यौन अपराधी जैफ्री एप्स्टीन के साथ अकेले बैठे दिख रहे हैं

- **गौरतलब है कि पूर्व में जब हरदीप पुरी का नाम एप्स्टीन फाइल्स में आया था, तब उन्होंने दावा किया था कि वे कभी एप्स्टीन से अकेले नहीं मिले। उन्होंने कहा था, सिर्फ तीन-चार बार मुलाकात हुई थी, तब मैं एक प्रतिनिधिमंडल में शामिल था।**
- **अमेरिका द्वारा हाल ही में जारी तस्वीरों को देखकर विपक्ष ने पुरी पर कटाक्ष किया, क्या इन तस्वीरों में प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्य अदृश्य हो गए हैं?**

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जारी एपस्टीन फाइलों की तस्वीरों ने भारत में नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। इन तस्वीरों में केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, यौन अपराधों में दोषी ठहराए गए दिवंगत जैफ्री एपस्टीन के साथ एक मेज के आमने-सामने बैठे दिखाई दे रहे हैं।

ये तस्वीरें इस साल की शुरुआत में जारी किए गए डेटासेट-9 का हिस्सा हैं और मंगलवार से सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं। तस्वीरों में दोनों व्यक्ति कुर्सियों पर बैठे नज़र आ रहे हैं। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेताओं ने इन तस्वीरों को लेकर पुरी पर निशाना साधा है। उनका कहना है कि ये तस्वीरें फरवरी 2026 में पुरी के दिए गए बयानों के विपरीत हैं।

उस समय पुरी ने कहा था कि उनकी एपस्टीन से "तीन या ज्यादा से ज्यादा चार बार" मुलाकात हुई थी। उनके मुताबिक, ये मुलाकातें उनके तत्कालीन बॉस टेर्जे रोड-लार्सन के नेतृत्व वाले "इंटरनेशनल पीस इंस्टीट्यूट" या इसके "इंडिपेंडेंट कमीशन ऑन मल्टीलेटरलिज़्म" के प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में हुई थीं। रोड-लार्सन एपस्टीन को जानते थे।

पुरी ने जोर देकर कहा था कि ये मुलाकातें पूरी तरह से प्रौफेशनल थीं, जो बहुपक्षवाद या 'मेक इन इंडिया' तथा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सर्दी आने से पहले ही दिल्ली में हवा की गुणवत्ता खराब हुई

बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण दिल्ली-एनसीआर में ग्रेप-वन लागू किया गया है

- **ग्रेप-वन यानि ग्रेडेड ए रैस्पॉन्स एक्शन प्लान तब लागू किया जाता है, जब ए.क्यू.आई. 201 से 300 के बीच होता है।**
- **दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, हम 11 सूत्रीय एक्शन प्लान लागू कर रहे हैं हमारी योजना धूल-मिट्टी पर रोक लगाने के साथ ई-वाहनों को प्रमोट करने की है।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। दिल्ली में सर्दियों के मौसम में प्रदूषण और धुंध बढ़ने की शुरुआत के संकेत मिलने लगे हैं। इस सीजन में पहली बार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (नैशनल केपिटल रीजन एनसीआर) में ग्रेडेड रैस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) के पहले चरण के तहत, प्रदूषण नियंत्रण के उपाय लागू किए गए हैं।

जब वायु गुणवत्ता सूचकांक (एयर क्वालिटी इन्डैक्स-एक्यूआई) 201 से 300 के बीच पहुंच जाता है, तब ग्रैप-1 लागू किया जाता है।

दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में प्रदूषण नियंत्रण की जिम्मेदारी संभालने वाले वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेटमेन्ट-सीएक्यूएम) ने बताया कि बुधवार दोपहर दो बजे दिल्ली का एक्यूआई 244 दर्ज किया गया।

सीएक्यूएम ने अपने बयान में कहा, "20 अक्टूबर, 2026 को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 179 यानी 'मध्यम' श्रेणी में था। इसमें तेज वृद्धि हुई और 21 अक्टूबर, 2026 को दोपहर दो बजे एक्यूआई 244 पर पहुंच गया, जो 'खराब' श्रेणी में आता है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के पूर्वानुमान के अनुसार, आने वाले दिनों में भी वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में बने रहने की संभावना है।"

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दावा किया कि कई वर्षों में यह पहली बार है, जब मौसम के अपेक्षाकृत बाद के चरण में ग्रैप लागू किया गया है।

उन्होंने कहा, "दिल्ली कई वर्षों से गंभीर वायु प्रदूषण की समस्या से जूझ रही है। पिछली सरकार बहाने बनाती रही, जबकि हमने प्रदूषण से निपटने के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फ्रांस से लौटे भगवंत मान को दिल्ली एयरपोर्ट पर रोका, 50 हजार कस्टम ड्यूटी लगाई

- **आप पार्टी ने आरोप लगाया कि पंजाब के मुख्यमंत्री को तीन घंटे हवाई अड्डे पर रोका गया।**

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के फ्रांस दौरे से लौटते ही बवाल मच गया। दरअसल, आम आदमी पार्टी (आप) ने दावा किया कि फ्रांस से लौटते समय भगवंत मान को दिल्ली एयरपोर्ट पर करीब तीन घंटे तक रोके रखा और 50 हजार रुपये का चालान किया गया। आप नेता सौरभ भारद्वाज और बलतेज पन्नू ने इसे लेकर केन्द्र पर निशाना साधा।

सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सीएम मान को हवाई अड्डे पर करीब 3 घंटे तक रोका गया। पंजाब के मुख्यमंत्री अपने राज्य के प्रोडक्ट्स को लॉन्च करने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जब 29 जुलाई को दो चुनाव आयुक्तों ने असामान्य कदम उठाया!

चुनाव आयोग के दोनों आयुक्तों ने 29 जुलाई को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के बजाय सीधे कैबिनेट सचिव को चिट्ठी लिखी थी

- **यह खुलासा एक आरटीआई के तहत हुआ है, इसका जवाब इंडिया टुडे के पास उपलब्ध है।**
- **कैबिनेट सचिवालय ने 19 अक्टूबर को भेजे जवाब में माना है कि उसे चुनाव आयुक्त सुखवीर सिंह संधू और विवेक जोशी द्वारा 29 जुलाई को भेजे गए दो अलग-अलग पत्र मिले थे।**
- **कैबिनेट सचिवालय के जवाब में यह नहीं बताया गया कि, पत्रों में क्या लिखा था। सचिवालय ने दोनों पत्र, जवाब व फाइल पर लिखी नोटिंग को सार्वजनिक नहीं किया है, इसके लिए 28 रूपए का शुल्क मांगा गया है।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। 29 जुलाई को भारत के तीन चुनाव आयुक्तों में से दो ने एक असामान्य कदम उठाया। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखने के बजाय, कैबिनेट सचिव को पत्र लिखा।

"इंडिया टुडे" को विशेष रूप से प्राप्त सूचना के अधिकार (राइट टु इन्फॉर्मेशन -आरटीआई) के जवाब से पता चला है कि सेवा तीर्थ परिसर में इन पत्रों पर क्या कार्रवाई हुई। ज्ञातव्य है कि सेवा तीर्थ में प्रधानमंत्री कार्यालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय तथा कैबिनेट सचिवालय स्थित हैं।

19 अक्टूबर को जारी जवाब, 24 सितंबर को दाखिल आरटीआई आवेदन के संबंध में दिया गया है। इसमें पुष्टि की गई है कि सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की ओर से 29 जुलाई को लिखे गए दोनों पत्र कैबिनेट सचिवालय को प्राप्त हुए थे।

दोनों पत्र 30 जुलाई को दर्ज किए गए। इसके बाद 5 अगस्त तक कैबिनेट सचिव ने इन्हें कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के अधिकारियों और मुख्य चुनाव आयुक्त के कार्यालय को भेज दिया।

लेकिन इन पत्रों में क्या लिखा गया था, इसका खुलासा नहीं किया गया है। सचिवालय ने सभी 14 पृष्ठ देने पर रोक लगा रखी है। इनमें चुनाव आयुक्तों के 10 पृष्ठ के पत्र, जवाब के दो पृष्ठ और फाइल पर लिखी टिप्पणियों के दो पृष्ठ शामिल हैं। इसके लिए 28 रुपये का शुल्क मांगा गया है, जिसका भुगतान लंबित है।

इस पूरे मामले की शुरुआत 28 जुलाई को जारी कार्य-आवंटन आदेश (वर्क-एलोकेशन ऑर्डर) से हुई थी। एक समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों चुनाव आयुक्तों ने इस ऑर्डर पर आपत्ति जताई थी और इसे नियमों का उल्लंघन बताते हुए कैबिनेट सचिव को पत्र लिखा था। बाद में कार्य-आवंटन के इस नए आदेश को रद्द कर दिया गया।

रिपोर्ट में कहा गया था कि इन बदलावों से मतदाता सूचियों के आईटी ढांचे की निगरानी की एक परत प्रभावी रूप से हटा दी गई थी। चुनाव आयुक्तों ने यह भी स्पष्ट किया था कि ये परिवर्तन उनकी जानकारी के बिना किए गए थे।

समाचार पत्र ने इस कदम को "सामान्य परंपरा से पूर्णतः हटना" (अ रैडिकल डिपार्चर प्रॉम द नॉर्म) बताया था।

इस बीच, एक अन्य समाचार पत्र ने मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति के हवाले से पहले खबर दी थी कि पत्र मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के बजाय, एक वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त से संबंधित था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान के ननकाना साहिब दर्शन के लिये श्रद्धालू जत्था 22 नवम्बर को जायेगा

- **दस दिवसीय धार्मिक यात्रा के लिये 1828 सिख श्रद्धालुओं ने पाकिस्तान उच्चयोग में पासपोर्ट जमा कराया।**

चंडीगढ़ , 21 अक्टूबर। प्रथम पातशाह श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व पाकिस्तान स्थित उनके जन्मस्थान गुरुद्वारा श्री ननकाना साहिब में मनाने के लिए भारत से सिख श्रद्धालुओं का जत्था 22 नवंबर को रवाना होगा। 10 दिवसीय धार्मिक यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के पासपोर्ट बुधवार को दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में जमा करवाए गए। जत्थे में पंजाब समेत, भारत के अलग-अलग राज्यों से सिख श्रद्धालु शामिल होंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीतारमण परिवार भी राजनैतिक विवादों में चर्चित हुआ

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पति, जाने माने अर्थशास्त्री और लेखक पी प्रभाकर एसआईआर विरोधी प्रदर्शनों में शिरकत करेंगे

- **सूत्रों ने बताया कि वे 23 अक्टूबर को एक्टर प्रकाश राज, एडवोकेट प्रशांत भूषण के साथ एसआईआर विरोधी प्रदर्शन में हिस्सा लेंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा है, "हर गली में जंतर-मंतर। शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026......."**
- **प्रभाकर और निर्मला सीतारमण जेएनयू में पढ़ाई के दौरान मिले थे और 1986 में उन्होंने शादी की। तब भी प्रभाकर वामपंथी विचारधारा के थे और निर्मला दक्षिणपंथी विचारधारा की थीं और अभी भी हैं।**
- **बताया जाता है, मोदी सरकार में वित्त मंत्री रहे अरूण जेटली जब बहुत बीमार थे, तब उन्होंने उत्तराधिकारी के रूप में निर्मला सीतारमण का नाम दिया था, तब से लेकर आज तक निर्मला सीतारमण मोदी सरकार में वित्त मंत्री हैं।**

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पति, अर्थशास्त्री और लेखक परकला प्रभाकर का मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन में शामिल होना, इस अभियान को एक नया राजनीतिक मोड़ देता है। इससे भारत के सबसे प्रमुख राजनीतिक परिवारों में से एक के भीतर राजनीतिक विचारों के गहरे अंतर पर सबकी निगाहें टिक गई हैं।

कहा जा रहा है कि 23 अक्टूबर को "पीपल अगेंस्ट एसआईआर" गठबंधन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रभाकर, अभिनेता और सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश राज, वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण और अन्य सार्वजनिक हस्तियों के साथ शामिल होंगे। यह अभियान मतदाता सूची में संशोधन की इस प्रक्रिया को रद्द करने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहा है।

इसमें प्रभाकर की भागीदारी इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे न केवल नरेन्द्र मोदी सरकार की आलोचना करते रहे हैं, बल्कि इसलिए भी, कि उनकी पत्नी इसी सरकार की सबसे प्रमुख मंत्रियों में से एक हैं। भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता और केन्द्रीय वित्त मंत्री सीतारमण सरकार में अहम स्थान रखती हैं। वहीं, उनके पति ने सरकार की नीतियों और कामकाज के तरीकों पर कई बार सवाल उठाए हैं।

यह विरोधाभास इस बात का बड़ा उदाहरण है कि सत्ता के गलियारों से गहराई से जुड़े परिवार में भी राजनीतिक विचार अलग-अलग हो सकते हैं। साथ ही, यह "एन्टी एसआईआर" अभियान को एक नया सार्वजनिक चेहरा भी देता है, ऐसे समय में, जब विपक्षी दल और नागरिक समाज के समूह चुनावी पारदर्शिता और संस्थागत जवाबदेही पर बहस का दायरा बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रभाकर ने सोशल मीडिया पर अपनी भागीदारी की घोषणा करते हुए लिखा, "हर गली में जंतर-मंतर! शुक्रवार, 23 अक्टूबर, 2026, लोकतंत्र की बहाली के लिए जन मार्च। आइए, इस चुनौती का सामना करें।"

इस विरोध प्रदर्शन में किसान नेता राकेश टिकैत, ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष नेहा बोरा और लेखक तुषार गांधी सहित कई लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। गठबंधन ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन के दलों से भी इसमें भाग लेने की अपील की है, हालांकि उनकी भागीदारी की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक्सप्रेसवे पर अन्नपूर्णा रसोई खोलने पर विचार

- **पंचायती राज विभाग ने एनएचएआई को प्रस्ताव भेजने के लिए पत्र लिखा।**

जयपुर, 21 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान के एक्सप्रेसवेज़ पर दुर्घटनाओं में कमी लाने और वाहन चालकों के लिए आवश्यक सुविधाएं रियायती दरों पर उपलब्ध कराने के लिए समय-समय पर दिशा-निर्देश प्रदान किए हैं।

इसी क्रम में पंचायती राज विभाग ने एक्सप्रेसवेज़ पर स्थित रेस्ट एरियाज़ में अन्नपूर्णा रसोइयों (ग्रामीण) के खोले जाने की संभावना का परीक्षण कर एन.एच.ए.आई. के क्षेत्रीय अधिकारी को प्रस्ताव भिजवाने के लिए पत्र लिखा है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए 6-ई आधारित कार्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

विचार बिन्दु

अपने भाई बंधु जिसका आदर करते हैं, दूसरे भी उसका आदर करते हैं। –महाभारत

11 रुपये की चीज़, 325 रुपये की वसूली!

बीमारी की मजबूरी में मरीज की जेब पर डाका, एमआरपी की आड़ में मनमानी और स्वास्थ्य व्यवस्था की जवाबदेही पर गंभीर सवाल

कल्पना कीजिए, अस्पताल में भर्ती आपका अपना कोई व्यक्ति जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहा हो। आप उसके इलाज के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हों, तभी बिल में 11 रुपये में खरीदे गए आईवी सेट की कीमत 325 रुपये दिखाई दे। आप सवाल भी क्या करें? मरीज की जान बचाना प्राथमिकता है या बिल पर बहस करना? यही वह मजबूरी है, जिसका फायदा उठाकर इलाज के नाम पर मरीजों से मनमानी कीमतें वसूलने की शिकायतें सामने आती हैं। मुंबई के एक मामले में चिकित्सा सामग्री की खरीद कीमत और मरीज से वसूली गई राशि के बीच सामने आया भारी अंतर केवल आर्थिक सवाल नहीं उठाता, बल्कि हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था की संवेदनशीलता और जवाबदेही को भी कठघरे में खड़ा करता है। आखिर एमआरपी की मुहर लग जाने से कोई कीमत उचित कैसे हो जाती है? क्या बीमारी की विवशता मुनाफा कमाने का अवसर बननी चाहिए?

स्वास्थ्य मनुष्य का सबसे बड़ा धन है और दवाइयाँ उसकी रक्षा का साधन। लेकिन आज दवा और इलाज का खर्च आम आदमी के लिए गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। बीमारी की घबराहट में मरीज और उसके परिजन अस्पताल या दवा विक्रेता द्वारा बताए गए दाम पर भरोसा कर लेते हैं। उन्हें अक्सर पता ही नहीं चलता कि जिस दवा या चिकित्सा सामग्री के लिए वे भुगतान कर रहे हैं, उसकी वास्तविक खरीद कीमत कितनी है। अधिकतम खुदरा मूल्य यानी एमआरपी के नाम पर होने वाली मनमानी इसी स्थिति का लाभ उठाती है। जिस व्यवस्था का उद्देश्य उपभोक्ता को अनुचित वसूली से बचाना था, वही कई मामलों में अत्यधिक कीमत वसूलने का माध्यम बनती दिखाई देती है।

मुंबई में सड़क दुर्घटना के एक घायल व्यक्ति को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। तीन दिन बाद मिले 43,300 रुपये के बिल में आईवी सेट के 325 रुपये, सिरिंज के 57 रुपये और नेब्युलाइजर मास्क के 715 रुपये दर्ज थे। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन की जाँच के अनुसार, अस्पताल ने यही आईवी सेट 11.05 रुपये, सिरिंज 6.75 रुपये और मास्क लगभग 40 रुपये में खरीदा था। इन आँकड़ों के अनुसार, आईवी सेट की बिक्री कीमत खरीद कीमत से लगभग 29 गुना थी। हालाँकि खरीद मूल्य और बिक्री मूल्य का अंतर अपने आप में शुद्ध मुनाफा नहीं होता, फिर भी इतना बड़ा अंतर मूल्य निर्धारण और बिलिंग की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। घायल मरीज की विवशता में चिकित्सा सामग्री की कीमतों का ऐसा अंतर किसी भी संवेदनशील समाज को चिंतित करने के लिए पर्याप्त है।

एमआरपी वह अधिकतम खुदरा मूल्य है, जिससे अधिक कीमत पर पैक की गई वस्तु नहीं बेची जा सकती। इसमें लागू कर शामिल होते हैं। लेकिन यह समझना जरूरी है कि एमआरपी का अधिकतम मूल्य होना और उसका उचित मूल्य होना दो अलग-अलग बातें हैं। यदि निर्माता किसी वस्तु की एमआरपी बहुत ऊँची निर्धारित करता है, तो केवल पैकेट पर मूल्य छप जाने से उपभोक्ता के हितों की रक्षा नहीं हो जाती। सवाल यह है कि कीमत तय करने का आधार क्या है और उसकी निगरानी कौन करता है?

भारत में आवश्यक दवाओं की कीमतों को औषधि मूल्य नियंत्रण आदेश, 2013 तथा संबंधित नियमों के तहत नियंत्रित किया जाता है। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण इस व्यवस्था के क्रियान्वयन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लेकिन सभी दवाएँ, चिकित्सा उपकरण और अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाली उपभोज्य सामग्री एक समान मूल्य नियंत्रण के दायरे में नहीं आतीं। सिरिंज, आईवी सेट, कैनुला और मास्क जैसी वस्तुओं के मामले में नियमन की सीमाएँ तथा मूल्य निर्धारण की व्यवस्था विशेष ध्यान की माँग करती हैं। इस अंतर का लाभ उठाकर अत्यधिक कीमतें वसूलने की आशंका को दूर करना आवश्यक है।

अस्पतालों में इस समस्या का पहला कारण एमआरपी और खरीद मूल्य के बीच बड़ा अंतर है। निर्माता, वितरक और अस्पताल के बीच होने वाले व्यावसायिक लेन-देन की जानकारी मरीज को सामान्यतः उपलब्ध नहीं होती। मरीज केवल छपी हुई कीमत देखता है और मान लेता है कि यही उचित मूल्य है। जबकि अस्पताल में भर्ती होने पर स्थिति और कठिन हो जाती है। बाहर की दुकानों पर कीमतों की तुलना करने या सस्ता विकल्प खोजने का अवसर सीमित रहता है। आपातकालीन स्थिति में तो मरीज के परिजनों के पास विकल्प तलाशने का समय भी नहीं होता। ऐसी परिस्थितियों में पारदर्शिता और उचित मूल्य निर्धारण का दायित्व और अधिक बढ़ जाता है।

इस समस्या का समाधान केवल अस्पतालों को दोष देने से नहीं होगा। निर्माता कंपनियों को मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता अपनानी चाहिए, अस्पतालों को उचित बिलिंग सुनिश्चित करनी चाहिए और सरकार को नियामक व्यवस्था की कमियों को दूर करना चाहिए। चिकित्सा उपकरणों तथा उपभोज्य सामग्री के लिए आवश्यकतानुसार मूल्य नियंत्रण या ट्रेड मार्जिन की सीमा निर्धारित करने पर विचार किया जाना चाहिए।

दूसरी समस्या अस्पष्ट बिलिंग है। कई बार मरीज के बिल में दवाओं और चिकित्सा सामग्री का अलग-अलग विवरण देने के बजाय प्रोसीजर चार्ज, कंज्यूमेबल चार्ज या अन्य सामूहिक मदों के अंतर्गत खर्च जोड़ दिया जाता है। इससे मरीज के परिवार के लिए यह जानना कठिन हो जाता है कि किस वस्तु पर कितना पैसा खर्च हुआ। अस्पतालों में प्रत्येक वस्तु का नाम, मात्रा, प्रति इकाई मूल्य और कुल राशि स्पष्ट रूप से दर्ज होनी चाहिए। जहाँ पैक की गई वस्तु पर एमआरपी लागू होती है, वहाँ उसकी जानकारी भी बिल में दी जानी चाहिए। पारदर्शी बिलिंग से मरीज अपने खर्च की जाँच कर सकेगा और अनुचित वसूली की शिकायत भी कर सकेगा।

ब्रांडेड और जेनेरिक दवाओं के बीच कीमतों का अंतर भी चिंता का विषय है। एक ही औषधीय घटक वाली दवाएँ अलग-अलग ब्रांड नामों से अलग कीमतों पर उपलब्ध हो सकती हैं। कीमत में अंतर के पीछे निर्माण, गुणवत्ता, अनुसंधान और वितरण जैसे कारक हो सकते हैं, लेकिन हर अंतर को स्वतः उचित नहीं माना जा सकता। मरीज को यह जानने का अधिकार होना चाहिए कि उसकी निर्धारित दवा का कोई समान गुणवत्ता वाला किफायती विकल्प उपलब्ध है या नहीं। चिकित्सकों को भी जहाँ चिकित्सकीय रूप से उपयुक्त हो, जेनेरिक विकल्पों के बारे में जानकारी देनी चाहिए। साथ ही, दवा कंपनियों और चिकित्सकों के बीच किसी भी प्रकार के अनैतिक आर्थिक प्रलोभन पर प्रभावी निगरानी आवश्यक है। मरीज की सुरक्षा और उपचार की प्रभावशीलता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

इस व्यवस्था का सबसे अधिक दुष्प्रभाव गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ता है। भारत में इलाज का बड़ा हिस्सा लोग अपनी जेब से चुकाते हैं। अचानक अस्पताल में भर्ती होने या लंबे समय तक चलने वाले उपचार का खर्च परिवार की बचत समाप्त कर सकता है और उसे कर्ज लेने के लिए विवश कर सकता है। मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसी बीमारियों में नियमित दवाओं का खर्च भी लगातार बना रहता है। जब दवाएँ महँगी होती हैं, तो कुछ मरीज खुराक कम करने या उपचार बीच में छोड़ने को मजबूर हो सकते हैं। इसका परिणाम बीमारी के बढ़ने और आगे चलकर अधिक खर्च के रूप में सामने आ सकता है।

इस समस्या का समाधान केवल अस्पतालों को दोष देने से नहीं होगा। निर्माता कंपनियों को मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता अपनानी चाहिए, अस्पतालों को उचित बिलिंग सुनिश्चित करनी चाहिए और सरकार को नियामक व्यवस्था की कमियों को दूर करना चाहिए। चिकित्सा उपकरणों तथा उपभोज्य सामग्री के लिए आवश्यकतानुसार मूल्य नियंत्रण या ट्रेड मार्जिन की सीमा निर्धारित करने पर विचार किया जाना चाहिए। ऐसी सीमा तय करते समय उत्पादन लागत, गुणवत्ता, आपूर्ति और उचित व्यावसायिक लाभ का भी ध्यान रखा जाए, ताकि मरीज को राहत मिले और बाजार में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता प्रभावित न हो।

सरकार को अस्पतालों के बिलों की जाँच, अनुचित वसूली पर दंड और मरीजों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण की व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के माध्यम से सस्ती जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता बढ़ाने के साथ उनकी नियमित आपूर्ति और गुणवत्ता सुनिश्चित करना भी जरूरी है। दूसरी ओर, उपभोक्ताओं को विस्तृत बिल माँगना चाहिए, दवा के औषधीय घटक और एमआरपी की जानकारी लेनी चाहिए तथा अधिक वसूली होने पर संबंधित नियामक प्राधिकरण या राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन में शिकायत करनी चाहिए।

दवा कोई विलासिता की वस्तु नहीं, जीवन की आवश्यकता है। उचित व्यावसायिक लाभ किसी भी उद्योग का स्वाभाविक हिस्सा है, लेकिन बीमारी और मरीज की विवशता को अत्यधिक मुनाफा कमाने का अवसर नहीं बनाया जा सकता।जब 11 रुपये में खरीदे गए आईवी सेट के लिए 325 रुपये वसूले जाते हैं, तो यह केवल कीमत का अंतर नहीं, बल्कि व्यवस्था की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल है। एमआरपी का उद्देश्य उपभोक्ता की रक्षा करना है, न कि मनमानी कीमतों को वैधता देना। सरकार की सख्ती, उद्योग की नैतिकता, अस्पतालों की जवाबदेही और जनता की जागरूकता के समन्वय से ही इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। इलाज को सेवा और मानवीय दायित्व से जोड़कर रखना ही एक न्यायपूर्ण स्वास्थ्य व्यवस्था की पहचान है।

–अतिथि सम्पादक,
प्रोफेसर (डा.) पी. सी. कंठालिया,
पूर्व विभागाध्यक्ष (मृदा विज्ञान) एवं मुख्य वैज्ञानिक,
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर

खाली क्लास, फ़र्ज़ी हाज़िरी और अव्वल छात्र : क्या यहीं है शिक्षा का भविष्य?

प्रोफेसर अशोक कुमार

उच्च शिक्षा में खाली कक्षाएं, फ़र्ज़ी हाजिरी और अव्वल छात्र का यह प्रश्न राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत लागू किए गए चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम और नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क के सबसे संवेदनशील और व्यावहारिक पहलू को उजागर करता है।

क्रेडिट प्रणाली का मूल सिद्धांत यह है कि 1 क्रेडिट आम तौर पर 15 घंटे के व्याख्यान या 30 घंटे के व्यावहारिक कार्य के बराबर होता है। जब छात्र इन निर्धारित घंटों में मौजूद ही नहीं रहता, फिर भी संस्थान द्वारा उसे क्रेडिट और 75 प्रतिशत उपस्थिति दोनों सत्यापित करके दे दी जाती हैं, तो यह सीधे तौर पर प्रणालीगत विफलता और नैतिक पतन को दर्शाता है। आज की उच्च शिक्षा व्यवस्था के सबसे बड़े अंतर्विरोध पर सीधा प्रहार करती है। जब नियम बनाने और लागू करने वाले ही नियमों को कागजों पर तोड़-मरोड़ कर पेश करते हैं, तो वहां किसी भी प्रकार की 'नैतिकता' की बात केवल खोखला उपदेश बनकर रह जाती है।

छात्र उपदेशों से नहीं, बल्कि संस्थागत आचरण और व्यवस्था के व्यवहार से सीखते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार परीक्षा मे बैठने के लिए छात्र की उपस्थिति 75 प्रतिशत होनी चाहिए! जब एक छात्र यह देखता है कि बिना कक्षा में आए भी उपस्थिति 75 प्रतिशत दर्ज हो जाती है और उसे इसके लिए अंक भी मिल जाते हैं, तो वह अनौपचारिक रूप से यह सीख जाता है कि व्यवस्था में ईमानदारी से ज्यादा अहमियत 'जुगाड़' और "कागजी औपचारिकता" की है। यह केवल उपस्थिति का संकट नहीं, बल्कि मूल्य प्रणाली का पतन है। जब हम स्वयं कक्षा मे न आने वाले छात्र को उपस्थित दर्शाएँगे तब हम छात्र को क्या नैतिकता सिखाएँगे?

इस विरोधाभास के मुख्य जिम्मेदार पक्ष और व्यवस्थागत कारक निम्नलिखित हैं:–

परीक्षा प्रणाली की सतही बनावट: जब क्लास में कभी न आने वाला छात्र टॉप कर जाता है, तो यह स्पष्ट संकेत है कि हमारी मूल्यांकन प्रणाली सीखने पर नहीं, बल्कि रटने और परीक्षा रणनीति पर टिकी है। जब बिना क्लास आए केवल गाइड्स, पुराने प्रश्नपत्रों या कोचिंग नोट्स से अव्वल आया जा सकता है, तो छात्र कक्षा में बैठकर अपना समय क्यों व्यतीत करेगा?

संस्थान और प्रबंधन की जवाबदेही: कॉलेजों और विश्वविद्यालयों पर परिणाम, मान्यता रैंकिंग और वित्तीय निर्भरता (छात्रों की घटती संख्या से होने वाला आर्थिक नुकसान) का भारी दबाव रहता है। यदि छात्रों को कम उपस्थिति के कारण रोका जाए, तो प्रवेश दर और राजस्व प्रभावित होने का डर रहता है। इसलिए शीर्ष प्रबंधन अक्सर आंतरिक रूप से फर्जी उपस्थिति को नजरअंदाज करने का मौन निर्देश देता है।

शिक्षकों की लाचारी और भूमिका: शिक्षक इस सत्यापन पर हस्ताक्षर करने वाली अंतिम कड़ी होते हैं। कई बार शिक्षक मूल्यांकन और उपस्थिति को सख्ती से लागू करना चाहते हैं, लेकिन प्रशासनिक दबाव, छात्र संघों के विरोध या नौकरी के असुरक्षित माहौल (विशेषकर एड-हॉक या गेस्ट फैकल्टी के मामले में) के चलते वे फर्जी लॉग पर हस्ताक्षर करने के लिए बाध्य हो जाते हैं। जहाँ शिक्षक स्वतंत्र हैं, वहाँ भी कार्यभार और उदासीनता के कारण इसे एक कागजी रस्म मान लिया जाता है।

संस्कृति और नैतिकता का क्षरण: जब कोई शैक्षणिक संस्थान छात्र की अनुपस्थिति को वैध घोषित करता है, तो वह अनौपचारिक रूप से छात्र को यह सिखाता है कि: नियमों की कोई वास्तविक बाध्यता नहीं है, केवल औपचारिकता पूरी दिखनी चाहिए। झूठ और समझौते के माध्यम से प्रमाण पत्र या डिग्री हासिल करना स्वीकार्य है। सत्यमेव जयते और अकादमिक ईमानदारी केवल किताबों तक सीमित हैं, व्यावहारिक दुनिया में "सिस्टम को चकमा देना" ही सफलता है।

अभिभावक और सामाजिक दबाव: समाज और अभिभावक अक्सर केवल डिग्री और अंकों को महत्व देते हैं, वास्तविक ज्ञान और अनुशासन को नहीं। छात्रों को यह संदेश मिलता है कि साधन कोई भी हो, केवल साध्य (अच्छे अंक और डिग्री) मायने रखता है।

इस समस्या का समाधान कैसे संभव है?

क्रेडिट को केवल समय से नहीं, परिणाम से जोड़ना: अंतरराष्ट्रीय मॉडलों की तरह, उपस्थिति के भौतिक घंटों के बजाय क्रेडिट का आवंटन निरंतर और पारदर्शी मूल्यांकन (असाइनमेंट, शोध प्रोजेक्ट, सेमिनार और वास्तविक परीक्षा प्रदर्शन) पर आधारित होना चाहिए। यदि छात्र कक्षा में नहीं आया, तो वह इन निरंतर मूल्यांकनों को पास न कर पाए।

सत्यापन का स्वतंत्र ऑडिट: आंतरिक सत्यापन के बजाय बाहरी अकादमिक ऑडिट या रैंडम सैंपलिंग लागू होनी चाहिए, ताकि फर्जी उपस्थिति दर्ज करने वाले संस्थानों और अधिकारियों पर दंडात्मक कार्रवाई हो सके।

उपस्थिति अनिवार्यता पर व्यावहारिक रुख: यदि कक्षाएं छात्रों को मूल्यवान ज्ञान नहीं दे पा रही हैं, तो या तो पाठ्यक्रम और शिक्षण गुणवत्ता को बदला जाए! यदि कोई छात्र स्व-अध्ययन या ऑनलाइन माध्यम से विषय में पारंगत है, तो 75 प्रतिशत अनिवार्य उपस्थिति के ढकोसले के बजाय उसे क्रेडिट-बाय-एग्जाम या ओपन/डिस्टेंस मोड से क्रेडिट अर्जित करने की स्पष्ट छूट मिले।

हाजिरी के पाखंड की समाप्ति: जब तक नियम मौजूद है, उसका पालन सख्ती से हो, अथवा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार उपस्थिति को परीक्षा की पूर्व-शर्त से हटाकर केवल अकादमिक प्रदर्शन पर केंद्रित किया जाए।

नियमों की स्पष्टता या तो कठोरता, या समाप्ति: यदि 75 प्रतिशत उपस्थिति का नियम केवल फर्जीवाड़े को बढ़ावा दे रहा है, तो उस पर पुनर्विचार आवश्यक है। या तो उपस्थिति को परीक्षा में बैठने की अनिवार्य शर्त से पूरी तरह मुक्त किया जाए (जैसा कि कई वैश्विक विश्वविद्यालयों में है, जहां मूल्यांकन केवल समझ, असाइनमेंट और परीक्षा पर आधारित होता है), अथवा यदि नियम है तो उसे बिना किसी दबाव या समझौते के सख्ती से लागू किया जाए।

पारदर्शिता और डिजिटलीकरण: रजिस्टर में कलम से लगने वाली फर्जी हाजिरी को रोकने के लिए कई जगह बायोमेट्रिक या रियल-टाइम डिजिटल ट्रैकिंग का प्रयोग शुरू हुआ है, लेकिन जब तक प्रशासनिक इच्छाशक्ति नहीं होगी, तकनीक भी बेअसर साबित होगी। सिस्टम को ऐसा पारदर्शी बनाना होगा जहां किसी शिक्षक या प्रशासक पर फर्जी हस्ताक्षर करने का दबाव न बने।

शिक्षकों की जवाबदेही और स्वतंत्रता: शिक्षकों पर अक्सर संस्थान के नतीजों, प्रवेश संख्या और प्रबंधन के दबाव के कारण छात्रों को 'पास' कराने और हाजिरी पूरी दिखाने की मजबूरी लाद दी जाती है। इस प्रशासनिक पाखंड को खत्म करना होगा ताकि शिक्षक बिना किसी डर के निष्पक्ष मूल्यांकन कर सकें।

संस्कृति और नैतिकता केवल दीवारों पर लिखे नारों से नहीं आती; वे व्यवस्था की सच्चाई और न्यायप्रियता से आती हैं। जब तक कागजी खानापूर्ति बंद नहीं होगी, तब तक छात्रों से ईमानदारी की उम्मीद करना एक भ्रम ही रहेगा।

–प्रोफेसर अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय

वन्यजीव संरक्षण की चुनौती : वैश्विक स्तर पर 73 प्रतिशत गिरावट, भारत में बाघों की बढ़ती संख्या उम्मीद की किरण

पशुचिकित्सकों की भूमिका घायल वन्यजीवों के उपचार तक सीमित नहीं, रोग निगरानी और फॉरेंसिक जांच में भी अहम योगदान

हेमन्त जोशी

प्रकृति का संतुलन बनाए रखने में वन्यजीवों की महत्वपूर्ण भूमिका है। जंगल, नदियाँ, पहाड और वनस्पतियाँ केवल प्राकृतिक संपदा नहीं, बल्कि पृथ्वी पर जीवन के आधार हैं। बाघ और तेंदुए जैसे मांसाहारी जीव खाद्य श्रृंखला को संतुलित रखने में योगदान देते हैं, वहीं गिद्ध मृत पशुओं के अवशेषों का निस्तारण कर पर्यावरण को स्वच्छ रखने में सहायता करते हैं। पक्षी और अनेक स्तनधारी जीव बीजों के प्रसार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके बावजूद वनों का विनाश, अवैध शिकार, प्रदूषण, सडक दुर्घटनाएँ और जलवायु परिवर्तन वन्यजीवों के अस्तित्व के सामने गंभीर चुनौतियाँ खडी कर रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर वन्यजीव आबादियों में गिरावट : विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की 7 अक्टूबर 2026 को जारी लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 1970 से 2022 के बीच निगरानी की गई वन्यजीव आबादियों के औसत आकार में 73 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई। यह आकलन 5,790 कशेरुकी प्रजातियों की 35,803 आबादी संबंधी प्रवृत्तियों पर आधारित है। मीठे पानी के पारिस्थितिकी तंत्र में 85 प्रतिशत, स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र में 69 प्रतिशत और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र में 59 प्रतिशत गिरावट सामने आई।

यहां यह समझना आवश्यक है कि 73 प्रतिशत का अर्थ पृथ्वी के कुल वन्यजीवों का इतना प्रतिशत समाप्त होना नहीं है। यह निगरानी की गई आबादियों के औसत आकार में आई गिरावट का संकेतक है। ये आँकडे जैव विविधता संरक्षण के लिए गंभीर और निरंतर प्रयासों की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ की लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट 2026 में बाघ संरक्षण में भारत की उपलब्धि वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत में बाघ संरक्षण के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के अखिल भारतीय बाघ आकलन के अनुसार, देश में बाघों की अनुमानित संख्या वर्ष 2006 में 1,411 थी, जो वर्ष 2018 में बढकर 2,967 और वर्ष 2022 में 3,682 हो गई।

राजस्थान में रणथंभौर और सरिस्का जैसे बाघ संरक्षण क्षेत्रों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालांकि बाघों की संख्या में वृद्धि के साथ उनके प्राकृतिक आवास, शिकार प्रजातियों, वन्यजीव गलियारों और सुरक्षित आवागमन मार्गों का संरक्षण भी जरूरी है। केवल संख्या बढना पर्याप्त नहीं है, बल्कि वन्यजीवों के लिए सुरक्षित और अनुकूल पर्यावास बनाए रखना भी आवश्यक है।

राजस्थान की जैव विविधता और संरक्षण की जरूरत : राजस्थान में बाघ, तेंदुआ, भालू, चिंकारा, कृष्णमृग, मरु लोमडी और गोडावण जैसी महत्वपूर्ण वन्यजीव प्रजातियाँ पाई जाती हैं। अरावली क्षेत्र में तेंदुओं के आवास, पश्चिमी राजस्थान में गोडावण का संरक्षण और दक्षिणी राजस्थान में मानव वन्यजीव संपर्क बढना विशेष ध्यान देने योग्य विषय हैं।

सडक, रेलमार्ग, खनन और अन्य विकास कार्य कई बार वन्यजीवों के प्राकृतिक आवागमन को प्रभावित करते हैं। ऐसे क्षेत्रों में वैज्ञानिक सर्वेक्षण के आधार पर वन्यजीव गलियारों, सुरक्षित अंडरपास और अन्य संरचनाओं का विकास किया जाना चाहिए। विकास योजनाओं में पर्यावरणीय संतुलन को प्राथमिकता देना दीर्घकालीन संरक्षण के लिए आवश्यक है। मानव वन्यजीव संघर्ष का समाधान जरूरी : वन क्षेत्रों के आसपास मानवीय गतिविधियों का विस्तार, प्राकृतिक आवासों का विखंडन और भोजन-पानी की उपलब्धता में बदलाव वन्यजीवों को मानव बस्तियों के निकट ला सकते हैं। ऐसी घटनाओं में मनुष्यों के साथ वन्यजीव भी घायल होते हैं और कई बार उनकी मृत्यु हो जाती है।

इस समस्या का समाधान केवल वन्यजीवों को पकडकर दूसरे स्थान पर छोडने तक सीमित नहीं होना चाहिए। वैज्ञानिक आवास प्रबंधन, स्थानीय समुदायों की भागीदारी, पशुधन की सुरक्षा, समय पर सूचना तंत्र और प्रशिक्षित बचाव दल इसके महत्वपूर्ण पहलू हैं। यदि कोई वन्यजीव आबादी क्षेत्र में दिखाई दे, तो लोगों को उसे घेरने, पत्थर मारने, भीड जुटाने या स्वयं पकडने का प्रयास नहीं करना चाहिए। वन विभाग को तत्काल सूचना देना और प्रशिक्षित दल के निर्देशों का पालन करना सबसे सुरक्षित उपाय है।

वन्यजीव संरक्षण में पशुचिकित्सकों की भूमिका घायल जीवों के उपचार से कहीं व्यापक है। स्वास्थ्य परीक्षण, संक्रामक रोगों की निगरानी, सुरक्षित बेहोशीकरण, बचाव, पुनर्वास, पोस्टमार्टम और मृत्यु के कारणों की वैज्ञानिक जाँच में उनकी विशेषज्ञता उपयोगी होती है। वन्यजीवों में पाए जाने वाले कुछ संक्रामक रोग घरेलू पशुओं और मनुष्यों के स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकते हैं। इसी कारण मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य और पर्यावरण को एक साथ देखने वाली 'वन हेल्थ' अवधारणा महत्वपूर्ण है। वन क्षेत्रों के आसपास पालतू पशुओं का टीकाकरण, रोगों की निगरानी और वन्यजीव स्वास्थ्य पर अनुसंधान रोगों की रोकथाम में सहायक हो सकते हैं।

वन्यजीव फॉरेंसिक से अपराधों की वैज्ञानिक जाँच : अवैध शिकार और वन्यजीव अंगों की तस्करी संरक्षण के सामने गंभीर चुनौतियाँ हैं। संदिग्ध वन्यजीव मृत्यु की जाँच में अस्थियों, दाँतों, बालों, त्वचा, ऊतकों और अन्य जैविक नमूनों का वैज्ञानिक परीक्षण किया जा सकता है।

तुलनात्मक शरीर रचना विज्ञान, पशु रोग विज्ञान और डीएनए परीक्षण जैसी तकनीकें प्रजाति की पहचान, मृत्यु के संभावित कारणों तथा अपराध से जुडे वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने में सहायता करती हैं। इस कार्य में पशुचिकित्सकों, वन अधिकारियों, पुलिस, फॉरेंसिक प्रयोगशालाओं और अनुसंधान संस्थानों के बीच समन्वय जरूरी है।

वनकर्मियों को वन्यजीव व्यवहार, प्राथमिक उपचार, सुरक्षित बचाव, जैविक नमूनों के संग्रहण और अपराध स्थल पर वैज्ञानिक साक्ष्यों को सुरक्षित रखने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। इसी तरह पशुचिकित्सा महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को वन्यजीव चिकित्सा, शरीर रचना विज्ञान, फॉरेंसिक विज्ञान और संरक्षण अनुसंधान के लिए प्रोत्साहित करना समय की मांग है। वन्यजीव संरक्षण केवल सरकार, वन विभाग या वैज्ञानिक संस्थानों की जिम्मेदारी नहीं है। स्थानीय समुदायों, विद्यार्थियों, किसानों और आम नागरिकों की भागीदारी भी उतनी ही आवश्यक है। प्राकृतिक आवासों की रक्षा, अवैध शिकार की सूचना देना, प्लास्टिक प्रदूषण कम करना और वन्यजीवों के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाना हर नागरिक का दायित्व है। भारत में बाघ संरक्षण की उपलब्धियाँ बताती हैं कि वैज्ञानिक प्रबंधन, प्रभावी नीतियों और सामूहिक प्रयासों से सकारात्मक परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। दूसरी ओर, वैश्विक स्तर पर वन्यजीव आबादियों में गिरावट हमें सचेत करती है कि संरक्षण के प्रयासों को और व्यापक बनाने की जरूरत है। वन्यजीव संरक्षण का उद्देश्य केवल प्रजातियों को विलुप्त होने से बचाना नहीं, बल्कि ऐसा वातावरण तैयार करना है जिसमें मनुष्य और वन्यजीव सुरक्षित सहअस्तित्व के साथ रह सकें। जंगल केवल वन्यजीवों का घर नहीं, बल्कि पृथ्वी के जीवन तंत्र का आधार हैं।

–डॉ. हेमंत जोशी,
सहायक आचार्य, पशु चिकित्सा शरीर रचना विभाग,
पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानिया, उदयपुर

मेड़तासिटी में दो दिवसीय मीरा जयंती उत्सव की तैयारियां

मेड़तासिटी। भक्त शिरोमणि मीराबाई के जीवन-दर्शन और उनकी भक्ति-साधना को समर्पित विभिन्न धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजन देश-विदेश में प्रतिवर्ष श्रद्धापूर्वक आयोजित किए जाते हैं। इसी परंपरा के तहत इस वर्ष भी मीराबाई की जन्मस्थली मेड़तासिटी और उनकी ससुराल चित्तौड़गढ़ में शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर भव्य आयोजनों की तैयारियां जोरों पर शुरू कर दी गई हैं। लोक मान्यताओं के अनुसार शरद पूर्णिमा पर मीराबाई की ससुराल चित्तौड़गढ़ में प्रतिवर्ष तीन दिवसीय मीरा महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष यह महोत्सव 23 से 25 अक्टूबर तक आयोजित होगा। मीरा स्मृति संस्थान के संरक्षक सत्यनारायण समदानी ने बताया कि इस बार महोत्सव में गुजरात का प्रसिद्ध गरबा, राजस्थान का पारंपरिक घूमर और मेवाड़ी लोक नृत्यों के साथ-साथ प्रख्यात कलाकारों द्वारा मनमोहक मीरा भजनों की प्रस्तुतियाँ दी जाएँगी, जो दर्शकों के आकर्षण का मुख्य केंद्र रहेंगी। वहीं दूसरी ओर, माँ मीरा की पावन जन्मस्थली मेड़तासिटी में 26 व 27 अक्टूबर को दो दिवसीय भव्य मीरा जयंती उत्सव का आयोजन किया जाएगा। उपखंड अधिकारी एवं उपखंड स्तरीय पर्यटन विकास समिति के अध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि इस दो दिवसीय उत्सव में देश के विभिन्न प्रांतों से आए ख्यातिप्राप्त कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ देंगे। उत्सव के दौरान मध्यप्रदेश व उत्तरप्रदेश के प्रतिष्ठित कलाकारों में ग्वालियर (मध्यप्रदेश) के डॉ. संजय कुमार सिंह के सुमधुर भजन, भोपाल (मध्यप्रदेश) की डॉ. श्यामा पंडित एवं दल द्वारा कथक बैले तथा गोवर्धन-मथुरा (उत्तरप्रदेश) के ब्रजगोपाल कौशिक एवं साथियों द्वारा सुप्रसिद्ध मयूर लोक नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति दी जाएगी। इसके साथ ही नई दिल्ली के प्रख्यात भजन गायक भूपेंद्र मल्होत्रा द्वारा मीरा पदों का गायन एवं भावनगर (गुजरात) के नितिन दवे व दल द्वारा पारंपरिक गरबा का आयोजन होगा। , डांडिया व बेड़ा रास प्रस्तुत किया जाएगा।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 22 अक्टूबर, 2026

आश्विन मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत–2083, शतभिषा नक्षत्र रात्रि 8:49 तक, वृद्धि योग रात्रि 11:40 तक, विष्टि करण दिन 2:49 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य-तुला, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-कर्क, बुध-तुला, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज भद्रा दिन 2:49 तक है। आज पापां कुशा एकादशी व्रत, पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया– शुभ सूर्योदय से 7:58 तक, चर 10:47 से 12:11 तक, लाभ-अमृत 12:11 से 3:00 तक, शुभ 4:24 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल– 1:30 से 3:00 तक, सूर्योदय 6:34, सूर्यास्त 5:49

मेष

आर्थिक मामलों एवं व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। आज धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृष

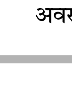

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

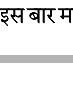

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क

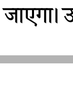

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

सिंह

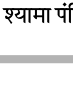

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा, उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कन्या

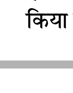

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

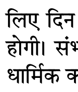

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक योजना बनेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे।

वृश्चिक

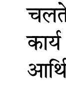

घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं, उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

धनु

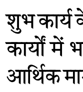

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

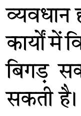

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सुविधाओं में वृद्धि होगी।

कुंभ

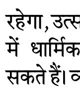

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मीन

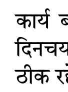

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। आज घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

रितु बराला मामले में कांग्रेस का धरना समाप्त, अब अदालत में लड़ेंगे कानूनी लड़ाई

पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज करने से किया इनकार, लिखित जवाब मिलने के बाद डोटासरा ने दी हाईकोर्ट जाने की चेतावनी

जयपुर। रितु बराला मामले में जीरो एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के बाहर चल रहा कांग्रेस का धरना बुधवार को समाप्त हो गया। पुलिस अधिकारियों और कांग्रेस नेताओं के बीच दूसरे दौर की वार्ता के बाद पुलिस ने लिखित में दिया कि मामले में जीरो एफआईआर दर्ज नहीं की जाएगी। पुलिस ने इसके पीछे परिवादी की ओर से पहले ही दिल्ली के कनॉट प्लेस थाने में परिवाद दिए जाने और कानूनी प्रावधानों का हवाला दिया। लिखित जवाब मिलने के बाद कांग्रेस ने अब सड़क के बजाय अदालत में कानूनी लड़ाई लड़ने का ऐलान किया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस की कानूनी टीम से राय लेने के बाद राजस्थान हाईकोर्ट का रुख किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर सुप्रीम कोर्ट भी जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारियों ने कानून की गलत व्याख्या की है और इसी कारण एफआईआर दर्ज करने से इनकार किया जा रहा है।

डोटासरा ने आरोप लगाया कि तीन दिनों तक मुख्यमंत्री कार्यालय में बैठे अधिकारियों ने कांग्रेस नेताओं के फोन तक रिसीव नहीं किए। कांग्रेस की ओर से आंदोलन तेज करने का अल्टीमेटम दिए जाने के बाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने वार्ता की। डोटासरा ने कहा कि यदि पुलिस की यही कानूनी राय थी, तो कांग्रेस को तीन दिन पहले ही स्पष्ट कर देना चाहिए था। इससे समय बचता और पार्टी अब तक अदालत पहुंच चुकी होती।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पुलिस से लिखित में यह जवाब मांगा था कि मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 173ए लागू नहीं होती है। पुलिस की ओर से लिखित जवाब मिलने के बाद अब इसी आधार पर अदालत में कानूनी चुनौती दी जाएगी। डोटासरा ने आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारी अपनी कुर्सी बचाने के लिए कानून की गलत व्याख्या कर रहे हैं और पुलिस पर दिल्ली से दबाव है। कांग्रेस के आंदोलन को भाजपा की ओर से नौटंकी बताए जाने पर डोटासरा ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि जिस बेटी के मामले में एफआईआर दर्ज कराने की मांग की जा रही है, उसके लिए संघर्ष करना नौटंकी नहीं हो सकता। पीड़िता को न्याय दिलाना कांग्रेस की जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा इस मुद्दे से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है।

डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ एफआईआर दर्ज कराने की मांग तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि मामले में कानून की गलत व्याख्या करने वाले पुलिस अधिकारियों की जवाबदेही तय कराने के लिए भी कानूनी विकल्प तलाशेगी। उन्होंने धरने में शामिल विधायकों, सांसदों और कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए उनके संघर्ष की सराहना की।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि कानून में शिकायत दर्ज नहीं होने की स्थिति में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और न्यायालय का रुख करने के प्रावधान हैं। कांग्रेस इस मामले में दिल्ली पुलिस के संबंधित अधिकारियों के साथ जयपुर पुलिस के उन अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग करेगी, जिनकी भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जवाबदेही तय करने की मांग पुलिस कमिश्नर तक के स्तर पर भी की जाएगी। जूली ने आरोप लगाया कि राजस्थान पुलिस केंद्र सरकार के दबाव में काम कर रही है।

पुलिस अधिकारियों और कांग्रेस नेताओं के बीच दूसरे दौर की वार्ता के बाद पुलिस ने लिखित में दिया कि मामले में जीरो एफआईआर दर्ज नहीं की जाएगी।

- **डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस की कानूनी टीम से राय लेने के बाद राजस्थान हाईकोर्ट का रुख किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर सुप्रीम कोर्ट भी जाएंगे**

'सरकारी काम में भागीदार बनेंगे स्टार्टअप्स'

जयपुर। गुलाबीनगर के स्टार्टअप्स के लिए अच्छी खबर है। जयपुर लोकसभा सांसद मंजू शर्मा ने शहर को आईटी हब बनाने और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए उन्हें सरकारी विभागों की परियोजनाओं से जोड़कर रोजगार और नवाचार को बढ़ावा देने की पहल की है। इस संबंध में सांसद मंजू शर्मा ने जयपुर नगर निगम सहित विभिन्न सरकारी संस्थानों में काम के अवसर उपलब्ध कराने की संभावनाएं तलाशने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। भामाशाह टेक्नोहब में बुधवार को महिला स्टार्टअप संस्थापकों के साथ संवाद के दौरान महिला उद्यिमयों ने सांसद मंजू शर्मा से कहा कि नगर निगम, बाल अधिकारिता, कृषि, मेडिकल सहित विभिन्न विभागों में ऐसे कई कार्य हैं, जिनमें स्टार्टअप्स अपने उत्पादों, तकनीक और सेवाओं के माध्यम से योगदान दे सकते हैं। इससे महिला उद्यिमयों को कारोबार बढ़ाने के अवसर मिलने के साथ अन्य महिलाओं के लिए भी रोजगार के नए रास्ते खुल सकते हैं। उन्होंने सरकारी तंत्र तक पहुंच, योजनाओं की जानकारी के अभाव और काम मिलने में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयां बताने के साथ ही यह सुझाव दिया कि ऐसा एकीकृत ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया जाए, जहां सभी सरकारी विभागों की योजनाओं, परियोजनाओं, कार्यों, पात्रता शर्तों और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी एक स्थान पर उपलब्ध हो। इससे स्टार्टअप्स अपनी विशेषज्ञता के अनुरूप अवसरों की पहचान कर सकेंगे और संबंधित विभागों तक पहुंच आसान होगी। इस संबंध में सांसद मंजू शर्मा ने हाथों हाथ एक पत्र सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री राज्यवर्धन को लिखकर भिजवा दिया।

पोषण माह -2026 में राजस्थान का द्वितीय स्थान

जयपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए गर्व का क्षण है। राष्ट्रीय पोषण माह - सितंबर 2026 के दौरान किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए राजस्थान ने पूरे भारत में द्वितीय (2) स्थान प्राप्त कर इतिहास रचा है राजस्थान में 9 सितंबर से 8 अक्टूबर तक 9वां राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन किया गया। पोषण माह के दौरान प्रदेशभर में आंगनवाड़ी केंद्रों पर पोषण संबंधी जनजागरूकता, अन्नप्राशन, गोदभराई, कुपोषित बच्चों का चिन्हीकरण एवं प्रबंधन, पोषण वाटिका, स्वस्थ बालक स्पर्धा जैसे कार्यक्रमों का सघन आयोजन किया गया। जिसमें प्रदेश ने निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष 113.66 उपलब्धि हासिल की है। इस उपलब्धि पर उप मुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने समस्त टीम, विभागीय अधिकारियों, जिला एवं ब्लॉक समन्वयकों और सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को हार्दिक बधाई दी है।

उन्होंने कहा कि -''यह उपलब्धि हमारी फील्ड की बहनों की दिन-रात की मेहनत, लगन और समर्पण का परिणाम है। राजस्थान सरकार कुपोषण मुक्त राजस्थान, स्वस्थ राजस्थान के लक्ष्य के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।''

इन जिलों जिला समन्वयक , जिला परियोजना सहायक, ब्लॉक समन्वयक एवं समस्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने असाधारण समर्पण दिखाते हुए पूरे प्रदेश के सामने एक मिसाल पेश की है।

मुख्य सचिव ने नव-पदोन्नत 16 आईएएस अधिकारियों की बैठक ली

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में बुधवार को शासन सचिवालय में राज्य प्रशासनिक सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत 16 अधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। मुख्य सचिव ने सभी अधिकारियों को पदोन्नित पर बधाई देते हुए सुशासन, तकनीकी नवाचार और जनहित की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में मार्गदर्शन दिया। मुख्य सचिव ने कहा कि शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अधिकतम उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गवर्नेंस में एआई की उपयोगिता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी व्यापक रूप से स्वीकार किया जा रहा है। मुख्य सचिव ने नव-पदोन्नत अधिकारियों को शासन सचिवालय स्थित संपर्क कॉल सेंटर का दौरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को वहाँ प्राप्त परिवेदनाओं की प्रक्रिया को समझने तथा 10 प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने का सुझाव दिया। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को मिशन कर्मयोगी के बिहेवियरल कॉम्पिटेंस और लीडरशिप मॉड्यूल से जुड़े पाठ्यक्रम पूरे करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन पाठ्यक्रमों से अधिकारियों की प्रशासनिक कार्यकुशलता और नेतृत्व क्षमता को मजबूती मिलेगी।

सर्वे पूरा होते ही राहत कार्य शुरू : किरोड़ी

जयपुर । राजस्थान में बारिश की कमी और संभावित अकाल को लेकर सियासत गर्मा गई हैं। कांग्रेस जहां किसानों और पशुपालकों की परेशानी का हवाला देकर भजनलाल सरकार पर तत्काल राहत देने का दबाव बना रही है, वहीं सरकार का कहना है कि प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कराया जा रहा हैं। कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने बुधवार को भाजपा मुख्यालय पर मीडिया से बात करते हुए कहा स्पष्ट किया कि सर्वे पूरा होने और अकाल घोषित किए जाने के बाद राहत कार्य शुरू कर दिए जाएंगे। किरोड़ी मीणा ने कहा कि प्रदेश के आठ से दस जिले ऐसे हैं, जहां बारिश कम हुई है। सरकार के अधिकारी और जिला कलेक्टर लगातार स्थिति की जानकारी जुटा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सर्वे में समय लगता है और राजस्व विभाग इसकी प्रक्रिया पूरी कर रहा है। रिपोर्ट के आधार पर प्रभावित क्षेत्रों में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पश्चिमी राजस्थान के जिलों में कम बारिश और चारे-पानी की कमी को लेकर चिंता जताई जा रही है। गहलोत ने अक्टूबर की शुरुआत में दावा किया था कि जोधपुर के करीब 2,000 गांवों, बाड़मेर के 2,460 गांवों, बालोतरा के 1,216 गांवों और जैसलमेर के 961 गांवों में सूखे जैसे हालात हैं। उधर, कृषि और राजस्व विभाग के सर्वे से प्रभावित क्षेत्रों की वास्तविक स्थिति आंकलन कर रहा है। कम बारिश का असर केवल फसलों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पशुओं के लिए चारा, ग्रामीण पेयजल और किसानों की आजीविका पर भी पड़ सकता है। कृषि मंत्री किरोड़ी मीणा ने कहा कि सरकार के पास अधिकारियों से सूचनाएं आ रही हैं और सर्वे पूरा होने के बाद अकाल घोषित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 748/2026

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री अमित अनुपम पुत्र श्री बद्रीनारायण वर्मा निवासी 1-ए, 98 शिव शक्ति कॉलोनी, साइन्स पार्क के सामने, शास्त्री नगर, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) . के अन्तर्गत संगीत आश्रम संस्थान कार्यालय पता-1-ए, 98 शिव शक्ति कॉलोनी, शास्त्री नगर, जयपुर के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 7.10.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 14.12.26

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर-0141-4901853

क्रमांक-3639 दिनांक-21/10/26

आम जाहिर सूचना राजस्थान आवासन मण्डल जयपुर द्वारा फ्लैट संख्या 10/MA/59 (SF) इंदिरा गांधी नगर, जगतपुरा, जयपुर, क्षेत्रफल 28.58 वर्ग मीटर का आवंटन श्री अभय जैन पुत्र श्री मुन्ना लाल जैन को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 228 दिनांक 13.04.2016 जारी किया गया था। उनके द्वारा उक्त फ्लैट के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर प्रथम में दिनांक 04/07/2016 को करवाया गया। पंजीयन उपरान्त आवंटी श्री अभय जैन पुत्र श्री मुन्ना लाल जैन के द्वारा उक्त फ्लैट का बेचान जरीये विक्रय पत्र उर्वशी खण्डूजा पुत्री श्री राधाकृष्ण को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उपपंजीयक जयपुर पंचम से दिनांक 09/09/2016 को पंजीबद्ध करवाया गया। तत्पश्चात उर्वशी खण्डूजा पुत्री श्री राधाकृष्ण के द्वारा उक्त फ्लैट का बेचान जरीये विक्रय पत्र श्री हिमांशु तनेजा पुत्र श्री मदनलाल तनेजा को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उपपंजीयक जयपुर द्वादश में दिनांक 26/12/2025 को करवाया गया। श्री हिमांशु तनेजा पुत्र श्री मदन लाल के द्वारा फ्लैट का मूल आवंटी के नाम पंजीयन हो जाने के बाद पश्चातवर्ती अंतिम क्रेता का नाम मण्डल अभिलेख में दर्ज करने बाबत निवेदन किया गया है। अतः नाम दर्ज के संबंध में किसी भी व्यक्ति / बैंक / संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञिप्त प्रकाशन के 07 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री हिमांशु तनेजा पुत्र श्री मदनलाल का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर दिया जायेगा।

सम्पदा प्रबंधक राज. आ. मण्डल वृत तृतीय, जयपुर

संख्यांक 2

विवाद्यको के स्थिरीकरण के लिये सम्मन

439 15/10/26 (आदेश 5 के नियम 1 और 5)

नाम न्यायालय अपर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट उत्तर जयपुर द्वितीय महानगर

कैनरा बैंक (सिंडिकेट बैंक) विरुद्ध **श्रीमती सुशीला**

वाद बाबत वसूली वाद सं.1196 सन् 2018

नाम- श्रीमती सुशीला पत्नी श्री मंगलचंद, जाति-स्वामी, निवासी- प्लॉट सं. 17, सुन्दर नगर, शास्त्री नगर, जयपुर

वादी ने आपके विरुद्ध वसूली के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में तारीख 19.11.2026 को दिन में 10.30 एएम बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए सम्मन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज़ पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेज़ों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 15 माह 10 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया।

मोहर

अपर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट उत्तर, जयपुर महानगर द्वितीय

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-टेण्डर निविदा सूचना

EPC मोड के आधार पर सिंगल स्टेज टू पैकेट सिस्टम मुख्य विद्युत अभियंता/परियोजना, उ. प. रेलवे, जयपुर द्वारा भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली ई-निविदा का ऑन लाईन ई-टेण्डर आमंत्रित किया जाता हैं। निविदाकार अपना मूल /परिवर्तित प्रस्ताव ई-निविदा बंद होने की तारीख व समय से पूर्व ऑन लाईन भर दें। **1. ई-टेण्डर नोटिस संख्या :** बोली/पैकेज नंबर EL-PROJ-PSI-JP-EPC-03 **2. कार्य का नाम व लोकेशनः** नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे के जयपुर डिवीज़न के रेवाड़ी -अलवर-बांदीकुई सेक्शन में 2x25 KV ट्रैक्शन सिस्टम (स्कॉट कनेक्टेड ट्रांसफॉर्मर) के तहत 132/55 KV ट्रैक्शन सबस्टेशन, सेक्शनिंग पोस्ट (SPs) और सब-सेक्शनिंग पोस्ट (SSPs) का डिज़ाइन, सप्लाई, इरेक्शन, टेस्टिंग और कमीशनिंग। **3. अनुमानित लागत :** रूपये 183,92,49,492.37/- **4. धरोहर राशि :** रूपये 3,67,85,000.00/- **5. कार्य पूरा होने की अवधि :** 540 दिन **6. ई-टेण्डर भरने की अंतिम तिथि और समय :** 22/12/2026 (15:00 hrs.) **7. वेबसाईट का विवरण :** www.ireps.gov.in **नोटः** कोई भी मैन्युवल टेण्डर स्वीकार नही किया जायेगा।

1517-CQ/26

हमें /NWRailways /NWRailways_ पर फॉलो करें

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम शाह रीनाबेन महेन्द्रभाई (Shah Reenaben Mahendrabhai) से बदलकर रीना मेठी (Reena Methi) पत्नी अमित कुमार मेठी निवासी C-13 लक्ष्मीनारायण पुरी सूरजपोल गेट बाहर जयपुर रख लिया है, भविष्य में मुझे Reena Methi के नाम से जाना पहचाना जावें।

I have changed my name from Esther Jiju to Esther Jiju Thomas D/o Jiju Kuroor Thomas. I Reside: N-1 Block, Room No. 101, SDMH Hospital, Bhawani Singh Marg, Jaipur, Rajasthan. I Would be Known by the Above Name in the future.

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

कार्यालय नगर निगम जयपुर

(पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड़, जयपुर-15)

क्रमांक :- जसअ/2026/265 दिनांक: 16.10.2026

ई-बोली सूचना सं. 04/2026-2027

नगर निगम जयपुर में वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु दर संविदा पर स्टेशनरी का सामान निविदा द्वारा आपूर्ति/क्रय कार्य हेतु पंजीकृत/रजिस्टर्ड फर्म/संस्था/कम्पनी/एजेन्सी/अनुभवी संवेदक से दिनांक 02 नवम्बर 2026 को दोपहर 01.00 बजे तक ई-बोली आमंत्रित की जाती है। स्टेशनरी का सामान की अनुमानित लागत, बोली अमानता राशि, बोली प्रपत्र शुल्क, आर.आई.एस.एल. शुल्क एवं अन्य सम्बन्धित सूचना/निविदा शर्तो आदि का सम्पूर्ण विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in, www.jaipurmc.org. & www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है।

UBN No. :-JMC2627GLOB00678

उपायुक्त (स्टोर) नगर निगम जयपुर।

राज.संवाद/सी/26/12185

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक:- 4318 दिनांक:- 15/10/26

जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/फ्लैट संख्या 30/52 (LIG) का आवंटन सुश्री बृजबाला शर्मा पुत्री श्री नेमीचन्द शर्मा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 1572 दिनांक 30.04.1992 को जारी किया गया था। जिसका नियमितिकरण पत्र क्रमांक 1129/5742 दिनांक 08.02.2008 के द्वारा श्री राधेश्याम शर्मा पुत्र श्री रामजीलाल शर्मा के पक्ष में किया गया। इनके पक्ष में पंजीयन पत्रों निष्पादन दिनांक 12.10.2010 को कर दिया गया। श्री राधेश्याम शर्मा की मृत्यु दिनांक 19.02.2017 को हो जाने के कारण उनकी पुत्रवधु श्रीमती विनीता शर्मा पत्नी स्व. श्री पवन शर्मा द्वारा आवासन मण्डल में अपना नाम पंजीकृत हक त्याग के आधार पर मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमती विनीता शर्मा पत्नी स्व. श्री पवन शर्मा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक:4372 जाहिर आम-सूचना दिनांक:21.10.2026

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास / फ्लैट संख्या 34/348 (FF) (MIG-B) का आवंटन श्री भगवत स्वरूप खन्ना पुत्र श्री राम कृष्ण खन्ना को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 2667 दिनांक 19.02.1996 को जारी किया गया था। जिसका भौतिक कब्जा दिनांक 14.06.1996 को प्राप्त किया गया। श्री भगवत स्वरूप खन्ना की मृत्यु दिनांक 12.12.2023 को हो जाने के कारण उनकी पुत्री सुश्री समता खन्ना पुत्री स्व. श्री भगवत स्वरूप खन्ना द्वारा आवासन मण्डल मे अपना नाम पंजीकृत हक त्याग पत्र के आधार पर मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं हैं, सुश्री समता खन्ना पुत्री स्व. श्री भगवत स्वरूप खन्ना का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। भवदीय,

सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

सार्वजनिक संशोधित सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम वाटिका, टूटोली तहसील चाकसू, जिला जयपुर स्थित मेरी खातेदारी भूमि में श्री महावीर स्वामी गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर द्वारा वर्ष 2011 में "राधा कृष्ण फार्म हाउस" योजना के अंतर्गत कुल 29 भू-खण्डों के पट्टे काटे गए थे। उक्त भूमि में उचित रास्ते के अभाव के कारण व आसपास के खेतों में डंडे में दबी होने के कारण ले-आउट प्लान रिवाइज करना आवश्यक हो गया था, जिसकी आम सूचना दिनांक 18.03.2026 को दैनिक राष्ट्रदूत समाचार पत्र में प्रकाशित की गई थी, जिस पर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई। समिति के अध्यक्ष व मंत्री द्वारा उक्त रिवाइज में सहयोग न करने के कारण यह संशोधित सूचना मैं खातेदार एवं संयोजक व्यवस्थापक होने के नाते अपने स्तर पर जारी कर रहा हूँ। रिवाइज के अनुसार उक्त योजना के समस्त 29 भू-खण्डों को रिवाइज कर दिया गया है। पूर्व में जारी समस्त 29 पट्टों को निरस्त कर दिया गया है। रिवाइज प्लान एवं पट्टे के संबंध में जानकारी हेतु व्यवस्थापक से संपर्क करें। यदि किसी व्यक्ति को इस रिवाइज से कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 7 दिवस के अंदर अधोहस्ताक्षरकर्ता को लिखित में सूचित करे, अन्यथा यह माना जाएगा कि सभी को रिवाइज स्वीकार है।

सूचना कर्ता- गोविंद प्रसाद सैनी
खातेदार एवं संयोजक व्यवस्थापक
प्लॉट नंबर 80 गली नंबर 7 दशहरा कोठी
गोविंद नगर, आमेर रोड जयपुर। मो. 7297036512

राजस्थान सरकार

कार्यालय निदेशक, पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, राजस्थान जयपुर

(Phone: 0141-2820360, E-mail: dirarch@rajasthan.gov.in)

क्रमांक-पु.स./तक./स्मा./कठपुतली/2026/21993 दिनांक-9/10/26

सूचना

जयपुर स्थित स्मारकों यथा आमेर महल, जंतर-मंतर हवामहल, अल्बर्ट हॉल, नाहरगढ़, सिसोदिया रानी का बाग एवं विद्याधर का बाग पर पुरस्कृत एवं ख्याति प्राप्त परंपरागत कठपुतली कलाकारों को अपनी कला के प्रदर्शन हेतु प्रतिचक्र के अनुसार अस्थायी रूप से निःशुल्क स्थान उपलब्ध करवाए जाने हेतु समाचार पत्रों में दिनांक 30-06-2026 को विज्ञिप्त प्रकाशित की गई थी। इस विज्ञिप्त के माध्यम से निर्धारित पत्र में कठपूतली कलाकारों द्वारा विभाग में आवेदन किया गया है। प्राप्त आवेदन पत्रों में से अधिकांश आवेदनकर्ताओं ने विभाग द्वारा निर्धारित आवेदन पत्र के साथ चाहे गए सम्मान पत्र/पुरस्कार/आदि के प्रमाण पत्रों को संलग्न नहीं किया है।

अतः ऐसे कलाकारों, जिन्होंने आवेदन पत्र के साथ अपने अनुभव एवं सम्मान पत्रों / पुरस्कारों / प्रशंसा इत्यादि प्रमाण पत्रों को संलग्न नहीं किया है, वे अनुभव संबंधी प्रामाणिक दस्तावेज दिनांक 31-10-2026 तक कार्यालय, विरासत संग्रहालय, किशनपोल बाजार, जयपुर में प्रार्थना पत्र के साथ संलग्न कर सांय 05.00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं। दिनांक 31-10-2026 को सायं 5 बजे तक प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं करने पर उनके आवेदन निरस्त कर दिए जाएंगे, जिसके लिए विभाग जिम्मेदार नहीं होगा।

UBN: AMD2627SSOB00077

DIPR/C/17667/2026 **निदेशक**

कार्यालय पुलिस अधीक्षक जिला सवाई माधोपुर (राजस्थान)

क्रमांक-8449 दिनांक-21/10/26

खुली निविदा सुचना

कार्यालय हाजा की समस्त शाखाओ एवं अधिनस्थ कार्यालय पुलिस लाईन थानों एवं चौकियों के उपयोग हेतु वित्तीय बर्ष 2026-27 के लिये कार्टिज क्रय करने के लिये सक्षम जी.एस.टी.एन. रजिस्टर्ड आपूर्तिकर्ताओं से वार्षिक दर पर संविदा हेतु खुली निविदा दिनांक 22.10.2026 समय 12:00 पी.एम.तक आमंत्रित की जाती है, जो उसी दिन 05:00 पी.एम पर निविदाताओं या उनके द्वारा मनोनित प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी। उक्त निविदा सूचना विभागीय बेवसाईट sppp.rajsthan.gov.in पर देखी जा सकती है। खुली निविदा सूचना का विवरण निम्नानुसार है।

सामग्री का नाम	अनुमानित राशि	निविदा फार्म	धरोहर राशि	निविदा खोलने की दिनांक
1- Black Cartridge MFP-477 DW 2- Cyan Cartridge MFP-477 DW 3- Meganta Cartridge MFP-477 DW 4-Yellow Cartridge MFP-477 DW 5- Toner Cartridge HP-403 DW- 6- Black Printer 2606 DW 158x	9.00 लाख/- रूपये मात्र	500/- रूपये	18000/- रूपये	दिनांक 22.10.2026 समय 05:00 पी.एम.

पुलिस अधीक्षक, जिला सवाई माधोपुर

नामांकन संबंधी अपने विवरण अपडेट करें

उनकी सुरक्षा के लिए, जो आपके लिए सबसे ज़्यादा मायने रखते हैं

सभी बैंक जमा खातों और लॉकरों में नामांकन पंजीकृत करें।

ऑनलाइन या ऑफ़लाइन माध्यमों से नामांकन प्रक्रिया पूरी करें।

नामांकन अपडेट रखें।

आप एक साथ अधिकतम 4 नॉमिनी को शामिल कर सकते है। बैंक जमा राशियों के लिए प्रत्येक नॉमिनी की हिस्सेदारी निर्दिष्ट करें।

या

अधिकतम 4 नॉमिनी को क्रमिक रूप से शामिल करें। बैंक जमा राशियों और साथ ही सुरक्षित जमा लॉकरों के लिए प्राथमिकता का क्रम निर्दिष्ट करें (पिछले नॉमिनी/यों की मृत्यु होने की स्थिति में)।

अधिक जानकारी के लिए, https://rbikehtahai.rbi.org.in/nomination-and-settlement पर जाएं

आधिकारिक वॉट्सएप नं. 99990 41935 / 99309 91935

जनहित में जारी

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

बाइक और स्कूटी में टक्कर 2 युवकों की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में ओडा बडा के पास एक बाइक और स्कूटी में जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में स्कूटी सवार एक युवक की मौके पर मौत हो गई। जबकि गंभीर घायल दोस्त ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। वहीं बाइक सवार के बारे में पुलिस पता कर रही है। हादसे में दोनों गाड़िया चकनाचूर हो गई।

दरअसल बिछीवाडा थान क्षेत्र के कनबा निवासी रितेश पुत्र नटवरलाल साद और उसका साथी किंचित पुत्र गोवर्धन प्रजापत दोनों स्कूटी पर सवार होकर मंगलवार देर रात के समय घर की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक के साथ दोनों की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनो गाडियां चकनाचूर हो गई।घायल ने अस्पताल में तोडा दम:-वही हादसे में स्कूटी सवार दोनो युवक के सिर, हाथ, पैर ओर शरीर पर कई जगह गंभीर चोटें आई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड इकट्ठी हो गई। सूचना पर कनबा चौकी से एएसआई संतोष कुमार भी मौके पर पहुंचे। स्कूटी सवार रितेश की मौके पर मौत हो गई। वही घायल किंचित के साथ दोनों को डूंगरपुर अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टर ने जांच के बाद किंचित प्रजापत को भी मृत घोषित कर दिया। इसके बाद दोनों के शव को डूंगरपुर अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया गया है। वही बाइक सवार का पता नहीं चल सका है।

परबतसर के दो धर्म कांटों पर अनियमितता, 24 हजार रुपये जुर्माना वसूला

विधिक माप विज्ञान प्रकोष्ठ का विशेष अभियान शुरु

अजमेर, 21 अक्टूबर। उपभोक्ता मामले विभाग के आदेश के तहत 21 से 23 अक्टूबर तक राज्यभर में धर्म कांटों और टोल प्लाजा का सघन आकस्मिक निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को अजमेर जिले में विधिक माप विज्ञान सहायक नियंत्रक भावना दयाल ने गेगल टोल प्लाजा का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टोल प्लाजा का सील सत्यापन सही पाया गया। वजन की जांच के लिए परीक्षण वाहन से वे-ब्रिज की जांच की गई, जो पूरी तरह सही मिली। स्वचालित वे-ब्रिज का सत्यापन भी निर्धारित मानकों के अनुरूप पाया गया। इसके बाद परबतसर क्षेत्र में धर्म कांटों की जांच की गई। इस दौरान श्री विष्णु ट्रेलर धर्म कांटा और आरके ट्रेलर धर्म कांटा असत्यापित पाए गए। दोनों धर्म कांटों पर उपयोग में लिए जा रहे एक-एक टन के बाट भी असत्यापित मिले। इसे विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 का उल्लंघन माना गया।

गेगल टोल प्लाजा और बिरला धर्म कांटे की जांच में माप-तौल सही मिली

अजमेर जिले में विधिक माप विज्ञान सहायक नियंत्रक भावना दयाल ने गेगल टोल प्लाजा का आकस्मिक निरीक्षण किया। जहां अनियमितता मिली ।

विभाग की ओर से दोनों धर्म कांटों पर 12-12 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। मौके पर ही कुल 24 हजार रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। साथ ही संबंधित संचालकों को उसी दिन नियमानुसार सत्यापन के लिए आवेदन करने के निर्देश देकर पाबंद किया गयावहीं, परबतसर स्थित बिरला धर्म कांटे की जांच में सील सत्यापन और माप-तौल निर्धारित मानकों के अनुरूप सही पाए गए। सहायक नियंत्रक भावना दयाल ने बताया कि सभी धर्म कांटों और टोल प्लाजा संचालकों को विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 की पालना के लिए पाबंद किया गया है। विशेष अभियान आगे भी जारी रहेगा।

ट्रेनिंग के बाद शिक्षक को मिर्गी का दौरा

डूंगरपुर। पंचायतीराज चुनाव के पहले चरण की तैयारियों के बीच डूंगरपुर में मतदान दलों के अंतिम प्रशिक्षण के दौरान स्वास्थ्य सुविधाओं और चुनाव ड्यूटी की व्यवस्था पर सवाल खडे हो गए। एसबीपी कॉलेज ग्राउंड में प्रशिक्षण के बाद मतदान सामग्री लेकर जा रहे एक शिक्षक को मिर्गी का दौरा पडा और वह मुंह के बल नीचे गिर गया। उसके नाक और मुंह पर चोट लगने से खून बहने लगा, लेकिन करीब 20 मिनट तक न तो स्वास्थ्यकर्मी पहुंचे और न ही एंबुलेंस आई। आखिरकार उसे तहसीलदार की गाडी से अस्पताल पहुंचाया गया। इसी दौरान एक अन्य शिक्षक फ्रेक्चर वाले हाथ पर प्लास्टर और गले में पट्टा बांधकर चुनाव ड्यूटी करने पहुंचा। शिक्षक ने पहले ही ड्यूटी निरस्त करने की गुहार लगाई थी, लेकिन राहत नहीं मिली। डूंगरपुर जिले की सात पंचायत समितियों में पहले चरण के तहत मतदान होना है। इसके लिए बुधवार को शहर के एसबीपी कॉलेज ग्राउंड में अंतिम प्रशिक्षण के बाद मतदान दलों को रवाना किया जा रहा था। प्रशिक्षण के बाद मतदान दलों को ईवीएम और अन्य चुनाव सामग्री वितरित की जा रही थी।इसी दौरान एमजीजीएस गेजी के एक शिक्षक सामग्री लेने के बाद अपने साथी मतदानकर्मियों के साथ जा रहे थे। तभी उन्हें अचानक मिर्गी का दौरा पडा और वे बेसुध होकर नीचे गिर गए। मुंह के बल गिरने से उनके नाक और मुंह पर चोट लगी और खून बहने लगा।

सार-समाचार

नाव पलटने से नहर में डूबे चारों युवकों के शव मिला

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा थाना क्षेत्र में 80 फीट रोड स्थित स्टील ब्रिज के पास चम्बल की दाई मुख्य नहर में मूर्ति विसर्जन के दौरान नाव पलटने से नहर में डूबे चारों युवकों के शव बुधवार को मिलें, नहर में डुबे युवकों की तलाश के लिये करीब 18 घंटे रेस्क्यू अभियान चलाया गया। एसडीआरएफ टीम के साथ स्थानीय गोताखोरों की मदद से चारो युवकों के शव घटना से 50 से 100 मीटर में बरामद किये गये। मामले में परिजनों की रिपोर्ट पर बोरखेड़ा थाना पुलिस ने नाव चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है, एमबीएस अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम के बाहर मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा व सरकारी नौकरी देने की मांग को लेकर पोस्टमार्टम रूम के बाहर एवं नयापुरा क्षेत्र के सूचना केन्द्र के समीप मुख्य रोड पर मृतक के परिजनों व परिचितों ने प्रदर्शन किया, सूचना पर मौके पर पहुंचे जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के आलाधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे लोगों से समझाईश की एवं सरकार की ओर से मिलने वाली आर्थिक मदद देने का आश्वासन दिया जिसके बाद मामला शांत हुआ। पुलिस ने चारों मृतकों के शवो का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनो को सौंप दिया। यह था मामला-बोरखेड़ा थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम को दुर्गा मूर्ति विसर्जन के दौरान दायी मुख्य नहर में एक नाव असंतुलित होकर पलट गई हादसे में नाव में सवार नाविक सहित 7 जने नहर में डूब गये, जिसमें से नाविक सहित 3 जने तो तैरकर बाहर निकल आये लेकिन 4 युवक नहर में बह गये, हादसे की सूचना पाकर जिला कलेक्टर, शहर पुलिस अधीक्षक एनडीआरएफ, एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और नहर मे डुबे चारों युवकों की तलाश के लिये रेस्क्यू अभियान शुरू किया। वहीं हादसे की सूचना पाकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, शिक्षामंत्री मदन दिलावर भी मौके पर पहुंचे और हादसे पर दुख जताते हुए युवकों की तलाश के लिये रेस्क्यू अभियान तेज करने के निर्देश दिये, अंधेरा होने के बाद मंगलवार देर रात्रि को रेस्क्यू अभियान को बंद किया गया एवं बुधवार प्रात से एक बार फिर रेस्क्यू अभियान चलाया गया। स्थानीय गोताखोरो ने की मदद- नहर में डुबे युवकों की तलाश में जुटी टीमों को युवको की तलाश करने के लिये स्थानीय गोताखोरो ने मदद की, स्थानीय गोताखोरो की मदद से नहर में डुबे विकास वर्मा (22) और सुरज सिंह (22) के शव मिले और कुछ देर बाद दो चचेरे भाई यश जोशी (19) एवं राहुल जोशी (18) के शव भी मिल गये।

मूर्ति विसर्जन के दौरान युवक की डूबने से मौत

अलवर(निसं)। सिलिसेढ़ झील में नवरात्रि के बाद मूर्ति विसर्जन के दौरान 19 वर्षीय युवक की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद झील में सुरक्षा इंतजामों को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि झील पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने के कारण ऐसे हादसों का खतरा बना रहता है। झारखेड़ा निवासी विकास अपने कुछ साथियों के साथ मूर्ति विसर्जन करने सिलिसेढ़ झील पहुंचा था। इसी दौरान झील में गहरे गड्ढे के पास उसका पैर फिसल गया और वह पानी में डूब गया। हादसे में उसकी मौत हो गई। विकास मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। उसकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने झील पर सुरक्षा व्यवस्था की कमी को लेकर नाराजगी जताई। लोगों का आरोप है कि मौके पर न तो पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम थे और न ही कोई सुरक्षा गार्ड तैनात था, जो विसर्जन के दौरान लोगों को गहरे पानी में जाने से रोक सके। स्थानीय लोगों ने सवाल उठाया कि जब सिलिसेढ़ झील में पहले भी हादसों का खतरा बना रहता है, तो यहां आने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए पुख्ता प्रबंध क्यों नहीं किए जाते। लोगों ने यह भी कहा कि अलवर जिले से सरकार में दो-दो मंत्री होने के बावजूद सुरक्षा व्यवस्था की अनदेखी होना चिंताजनक है।इस हादसे ने एक बार फिर जलाशयों में मूर्ति विसर्जन के दौरान सुरक्षा प्रबंधों की आवश्यकता को उजागर किया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि झील पर सुरक्षा गार्ड तैनात किए जाएं, गहरे पानी वाले स्थानों को चिह्नित कर वहां चेतावनी संकेत लगाए जाएं और मूर्ति विसर्जन के दौरान आवश्यक सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। लोगों का कहना है कि समय रहते ठोस कदम उठाए जाने चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों को रोका जा सके और किसी अन्य परिवार को अपने सदस्य को खोने का दुख न झेलना पड़े।

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के पेंशनर्स ने काला दिवस मनाया

जयपुर । पेंशनर्स सोसाइटी के तत्वावधान में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के पेंशनर्स का इक्कीसवें दिन भी प्रदर्शन जारी रहा। जिसमें लगभग 150 से ज्यादा पेंशनर्स ने भाग लिया। आज पेंशनर्स ने विश्वविद्यालय प्रशासन की छह माह की पेंशन के भुगतान की असफलता से आक्रोशित होकर और वर्तमान कुलगुरु की अकर्मण्यता के एक वर्ष पूर्ण होने को काला दिवस के रूप में मनाया और कुलगुरू के एक वर्ष पूर्ण होने के पश्चात भी पेंशन के भुगतान में असफलता से निराश होकर काले झंडे दिखाए एवं उनके विरुद्ध नारेबाजी की। प्रदर्शन का प्रारंभ हमेशा की तरह प्रार्थना से संयोजक द्वारा किया गया। तत्पश्चात अध्यक्ष प्रोफेसर राम निवास शर्मा , प्रोफेसर खरता राम पटेल, रणवीर सिंह आदि ने पेंशनर्स को संबोधित किया। इन्होंने अपने संबोधन में कुलगुरू की असफलताओं एवं अकर्मण्यता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को छह माह तक पेंशन नहीं मिली हो। उन्होंने यह भी कहा कि पेंशन न मिलने का कारण धनाभाव तो है ही लेकिन उससे भी अधिक वर्तमान कुलगुरू की नीयत एवं नीति में खोट है। वास्तविकता तो यह है कि कुलगुरू धनराशि होते हुए भी पेंशन का भुगतान करना ही नहीं चाहते। यह विश्वविद्यालय और हमारा दुर्भाग्य ही कि हमें ऐसा अकर्मण्य कुलगुरू मिला। प्रोफेसर राम निवास शर्मा ने बताया कि कुलगुरू द्वारा जॉइन करने के समय उनके द्वारा किए गए वायदे में बताया कि मैं उच्च स्तर पर बात करके आया हूँ और आप मुझे एक महीने का समय दीजिए मैं आपकी पेंशन सम्बन्धी समस्या का समाधान करने की पूरी कोशिश करूंगा परन्तु कुलगुरू महोदय न केवल अपने वायदे पर खरे उतरे बल्कि पेंशनर्स के साथ संवाद करना भी उचित नहीं समझते। इतना ही नहीं पेंशनर्स सोसाइटी ने अनेक बार उनसे विश्वविद्यालय की आय व्यय का ब्यौरा मांगा परन्तु उन्होंने आज तक नहीं भी दिया। उनका इस प्रकार का व्यवहार कहीं न कहीं हमें यह सोचने को मजबूर कर देता है कि कुलगुरू की नीयत में खोट है।

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के पेंशनर्स का इक्कीसवें दिन भी प्रदर्शन जारी रहा।

14 हजार का इनामी पुलिस के हत्थे चढ़ा

जोधपुर, (कासं) । पंचायत चुनाव नजदीक आने के साथ ही अब तस्कर भी अपना भाग्य आजमाइश के साथ रिश्तेदारों से मिलने के लिए आने लगे है। जोधपुर के करवड़ स्थित जुड- खारी गांव में एक इनामी तस्कर को कमिश्नरेट की डीएसटी पूर्व ने घेराबंदी कर पकड़ा है। आरोपी पर 14 हजार का इनाम घोषित हो रखा था दस हजार का इनाम जिला पूर्व में और चार हजार का इनाम सिरोही जिले के पिण्डवाडा थाने में था। वह जोधपुर कमिश्नरेट के डांगियावास, मथानिया, बनाड़ थाने में मादक पदार्थ तस्करी में भी वांटेड चल रहा था। डीएसटी पूर्व के प्रभारी एएसआई खेतसिंह ने बताया कि डीएसटी पूर्व के साथ वे सांयकालीन गश्त पर थे। तब मंगलवार की देर शाम को एक कार में संदिग्ध पर्सन बनाड़ रोड पर जाते दिखाइधर पुलिस को देखकर चालक गाड़ी भगा ले गया। इस पर डीएसटी को शक हुआ। टीम ने उसका पीछा किया। वह बाद में अपनी कार लेकर करवड़ के जुड-खारी गांव की सरहद में पहुंच गया।

"गोडावण" का लोमड़ी ने शिकार किया

जैसलमेर। राजस्थान के मरुस्थलीय क्षेत्र में गंभीर रूप से संकटग्रस्त गोडावण के संरक्षण और पुनर्वास की महत्वाकांक्षी पहल को झटका लगा है। जैसलमेर के डेजर्ट नेशनल पार्क में प्राकृतिक आवास में छोड़ा गया छह माह का एक नर गोडावण चौथे दिन रेगिस्तानी लोमड़ी का शिकार बन गया। सैटेलाइट ट्रैकिंग के जरिए इस घटना का पता चला। इसके बाद वन विभाग और भारतीय वन्यजीव संस्थान ने गोडावणों को जंगल में छोड़ने की प्रक्रिया तथा सुरक्षा उपायों की समीक्षा शुरू की है। कार्यक्रम के तहत आगे छोड़े जाने वाले सात गोडावणों को फिलहाल रोक दिया गया है। भारतीय वन्यजीव संस्थान के निदेशक गोबिंद सागर भारद्वाज के अनुसार, छह माह का नर गोडावण डेजर्ट नेशनल पार्क में स्थित एक प्राकृतिक जलस्रोत पर पानी पीने के लिए मौजूद था। इसी दौरान रेगिस्तानी लोमड़ी ने उस पर हमला कर दिया। पक्षी के शरीर पर लगाए गए सैटेलाइट ट्रैकिंग उपकरण से उसकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। सम स्थित गोडावण प्रजनन केंद्र के कंट्रोल रूम में निगरानी कर रहे वैज्ञानिकों और वन विभाग की टीम को घटना की जानकारी मिली। सूचना मिलने पर टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक पक्षी की मौत हो चुकी थी। घटनास्थल पर गोडावण के क्षत-विक्षत अवशेष और पंख मिले। टीम ने रक्त के नमूने एकत्र किए तथा पक्षी के शरीर पर लगा सैटेलाइट ट्रैकिंग उपकरण भी बरामद किया। गोडावणों की आबादी बढ़ाने और उन्हें प्राकृतिक आवास में दोबारा स्थापित करने के उद्देश्य से प्रयोगात्मक पुनर्वास कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसके पहले चरण में लगभग छह माह की उम्र के 11 ऐसे गोडावणों को जंगल में छोड़ने के लिए चिह्नित किया गया था, जिनका जन्म कैद में प्रजनन के जरिए हुआ है। चार अक्टूबर को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने जैसलमेर के सम क्षेत्र स्थित सुदासरी रिलीज साइट पर सैटेलाइट टैग लगे दो नर गोडावणों को जंगल में छोड़ने की शुरुआत की थी। इसके बाद गत बुधवार को दो और नर गोडावण छोड़े गए।

होटल में रुकीं 3 थाईलैंड मूल की महिलाएं डिटेन

उदयपुर। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशानुसार उदयपुर पुलिस और सी.आई.डी. (वि.शा.) जोन की संयुक्त टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र के एक होटल में विना वैध दस्तावेजों के अवैध रूप से रह रही थाईलैंड मूल की 3 विदेशी महिलाओं को डिटेन किया है। पुलिस अब इन महिलाओं को देश से निष्कासित करने की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर रही है। यह पूरी कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) मुकुल शर्मा के सुपरविजन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (विदेशी पंजीयन अधिकारी) डॉ. विक्रम सिंह के नेतृत्व में की गई। 19 अक्टूबर को सी.आई.डी. की 'कांउटर इंटेलिजेंस यूनिट' को गोवर्धन विलास क्षेत्र के होटल सिटी प्राइड में विदेशी महिलाओं के अवैध रूप से रुकने और संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त होने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही सी.आई.डी. टीम और गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से होटल पर छापा मारा।पुलिस जब मौके पर पहुंची, तो होटल संचालक ने पूछताछ में कबूल किया कि वह होटल में विदेशी महिलाओं से स्पा का काम करवा रहा था। पुलिस ने होटल के कमरा नंबर 102,103,104 और 109 की तलाशी ली, जहां ये तीनों थाईलैंड मूल की महिलाएं रुकी हुई थीं। पुलिस ने होटल के विजिटर रजिस्टर की जांच की, तो उसमें इन विदेशी महिलाओं के ठहरने की कोई एंट्री नहीं पाया गया। जांच में सामने आया कि इन महिलाओं के वीजा और पासपोर्ट की अवधि समाप्त हो चुकी थी। इसके बावजूद वे अवैध रूप से उदयपुर में रह रही थीं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, इनमें से एक महिला को पहले भी भारत से डिपोर्ट किया जा चुका था, लेकिन वह दोबारा नेपाल बॉर्डर के रास्ते अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर उदयपुर पहुंच गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. विक्रम सिंह ने बताया कि विदेशी नागरिकों का इस तरह बिना वैध दस्तावेजों के अवैध रूप से रहना और संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त होना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बडा खतरा हो सकता है।

सीने में चाकू मारकर युवक की हत्या

बीकानेर। जिले के श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र के जाल बसर गांव में देर रात युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। गांव की मेन चौपाल पर उतराटा कुएं के पास रात करीब 10:15 बजे 28 साल के नेमीचंद लूखा के सीने में चाकू घोंप दिया गया। गंभीर हालत में उसे उप जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां खून ज्यादा बहने के कारण उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने रात करीब 3 बजे आरोपी के पिता को डिटेन किया है। जानकारी के अनुसार, मृतक नेमीचंद पुत्र हरिराम लूखा गांव में बोलेरो गाड़ी चलाकर सवारियों को श्रीडूंगरगढ़ से जाल बसर लाने-ले जाने का काम करता था। आरोप है कि गांव के ही कालू राम जाट ने मंगल वार रात उसके सीने में बांई तरफ चाकू मार दिया। वारदात के समय आरोपी नशे में था। हालां कि, घटना के कारणों और पूरे घटनाक्रम की पुलिस स जांच कर रही है। हत्या की खबर फैलते ही मृतक के परिजन और ग्रामीण थाने पहुंचे और थानाधिकारी से मिले ।

जैसलमेर के नेशलन पार्क में छोड़े गये "गोडावण" का लोमड़ी ने शिकार किया

जैसलमेर, (नि.सं.)। राजस्थान के मरुस्थलीय क्षेत्र में गंभीर रूप से संकटग्रस्त गोडावण के संरक्षण और पुनर्वास की महत्वाकांक्षी पहल को झटका लगा है। जैसलमेर के डेजर्ट नेशनल पार्क में प्राकृतिक आवास में छोड़ा गया छह माह का एक नर गोडावण चौथे दिन रेगिस्तानी लोमड़ी का शिकार बन गया। सैटेलाइट ट्रैकिंग के जरिए इस घटना का पता चला। इसके बाद वन विभाग और भारतीय वन्यजीव संस्थान ने गोडावणों को जंगल में छोड़ने की प्रक्रिया तथा सुरक्षा उपायों की समीक्षा शुरू की है। कार्यक्रम के तहत आगे छोड़े जाने वाले सात गोडावणों को फिलहाल रोक दिया गया है।

भारतीय वन्यजीव संस्थान के निदेशक गोबिंद सागर भारद्वाज के अनुसार, छह माह का नर गोडावण डेजर्ट नेशनल पार्क में स्थित एक प्राकृतिक जलस्रोत पर पानी पीने के लिए मौजूद था। इसी दौरान रेगिस्तानी लोमड़ी ने उस पर हमला कर दिया। पक्षी के शरीर पर लगाए गए सैटेलाइट ट्रैकिंग उपकरण से उसकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। सम स्थित गोडावण प्रजनन केंद्र के कंट्रोल रूम में निगरानी कर रहे वैज्ञानिकों और वन विभाग की टीम को घटना की जानकारी मिली।

सूचना मिलने पर टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक पक्षी की मौत हो चुकी थी। घटनास्थल पर गोडावण के क्षत-विक्षत अवशेष और पंख मिले। टीम ने रक्त के नमूने एकत्र किए तथा पक्षी के शरीर पर लगा सैटेलाइट ट्रैकिंग उपकरण भी बरामद किया।

गोडावणों की आबादी बढ़ाने और उन्हें प्राकृतिक आवास में दोबारा स्थापित करने के उद्देश्य से प्रयोगात्मक पुनर्वास कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसके पहले चरण में लगभग छह माह की उम्र के 11 ऐसे गोडावणों को जंगल में छोड़ने के लिए चिह्नित किया गया था, जिनका जन्म कैद में प्रजनन के जरिए हुआ है।

चार अक्टूबर को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने जैसलमेर के सम क्षेत्र स्थित सुदासरी रिलीज साइट पर सैटेलाइट टैग लगे दो नर गोडावणों को जंगल में छोड़ने की शुरुआत की थी। इसके बाद गत बुधवार को दो और नर गोडावण छोड़े गए। इनमें से एक की रविवार को लोमड़ी के हमले में मौत हो गई।

घटना के बाद जंगल में गोडावणों को छोड़ने की योजना के सुरक्षा उपायों की समीक्षा की जा रही है। आगे छोड़े जाने वाले सात गोडावणों को सुरक्षा व्यवस्था और संरक्षण संबंधी प्रोटोकॉल की विस्तृत समीक्षा के बाद ही प्राकृतिक आवास में छोड़ा जाएगा।

चंद्रपालसिंह चौहान के अनुसार, जंगल में छोड़े गए अन्य तीन गोडावण सुरक्षित हैं और डेजर्ट नेशनल पार्क के अलग-अलग स्थानों पर विचरण कर रहे हैं। उनकी गतिविधियों पर जीपीएस और सैटेलाइट ट्रैकिंग के माध्यम से नजर रखी जा रही है।

जैसलमेर के वन विभाग के सहायक वन संरक्षक अशोक कुमार ने बताया कि एक गोडावण का नुकसान हुआ है।

दिया कुमारी का पंचायतीराज चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में जनसंपर्क

अराई (निसं)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री तथा स्थानीय अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी बुधवार को अपने क्षेत्र में राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के आगमन पर आयोजित भाजपा कार्यकर्ता बैठकों में सम्मिलित हुए। इस दौरान अराई में आयोजित अजमेर देहात जिला कार्यकर्ता बैठकों में पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के साथ संवाद किया। उन्होंने पंचायती राज चुनाव-2026 के मद्देनजर भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में व्यापक जनसंपर्क करने और जनसमर्थन जुटाने का आह्वान किया। बैठकों को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि केंद्र और राजस्थान में भाजपा की डबल इंजन सरकार के माध्यम से विकास एवं जनकल्याण के कार्यों को गति मिल रही है। नगर निकाय चुनावों में भाजपा को मिले जनसमर्थन के बाद अब पंचायती राज चुनाव ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को नई गति देने का महत्वपूर्ण अवसर है। ग्रामीण क्षेत्रों में भाजपा के नेतृत्व वाली पंचायत एवं जिला परिषदों के गठन से केंद्र और राज्य सरकार की विकास योजनाओं को गांव-गांव और ढाणी-ढाणी तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में मदद मिलेगी। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि पंचायती राज संस्थाएं ग्रामीण विकास की आधारशिला हैं। इन संस्थाओं के माध्यम से सड़क, पेयजल, स्वच्छता, आधारभूत सुविधाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जाती है। ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास और समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के लिए पंचायत स्तर पर प्रभावी कार्य करना आवश्यक है।

अराई में भाजपा के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों से संवाद किया

उम्रकैद की सजा में राहत

जोधपुर, (कासं) । राजस्थान हाईकोर्ट ने बस के रास्ते को लेकर हुए विवाद में हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे दो दोषियों गोपाल और रामनिवास को राहत दी है। हाईकोर्ट ने दोनों की सजा निलंबित कर अपील का फैसला आने तक जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान एफआईआर में चोट पहुंचाने के तरीके और हथियार का स्पष्ट ब्योरा नहीं होने, कथित चश्मदीद रामनिवास को अभियोजन पक्ष की ओर से गवाह नहीं बनाए जाने और लोहे की रॉड की बरामदगी के तरीके पर गौर किया। जस्टिस मुन्नूरी लक्ष्मण और जस्टिस चंद्र प्रकाश श्रीमाली की बेंच ने पाया कि अपील में उठाए गए मुद्दों पर साक्ष्यों का दोबारा आकलन करने की जरूरत है। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने दोनों की सजा निलंबित करने की अर्जियां मंजूर कर लीं।

कार्यालय नगर परिषद धौलपुर
मचकुण्ड रोड धौलपुर Email Id- dholpur.jaipur@gmail.com, Ph- 05642-220888
क्रमांकः-न.प.धौ./2026-27/9029-31 दिनांकः- 15.10.2026
निविदा आमंत्रित सूचना ई-23
नगर परिषद धौलपुर द्वारा पंजीकृत संवेदकों से विभिन्न स्थानों पर पेन्टिग कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है जिनकी अनुमानित लागत 49.68 लाख रू है।
UBN No.- DLB2627WSOB22562
विवरण के लिये देखे www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in
राज.संवाद/सी/26/12174 आयुक्त, नगर परिषद धौलपुर

कार्यालय नगर परिषद धौलपुर
मचकुण्ड रोड धौलपुर Email Id- dholpur.jaipur@gmail.com, Ph- 05642-220888
क्रमांकः-न.प.धौ./2026-27/9092-94 दिनांकः- 16.10.2026
अल्पकालीन निविदा आमंत्रित सूचना ई-24,25 एवं 26/2026-27
नगर परिषद धौलपुर द्वारा हाइड्रोस्टेटिक रोबोटिक व्हील एक्सकेवेटर की खरीद हेतु एवं नगर परिषद क्षेत्र में सफाई कार्य हेतु मानव सेवा मय ट्रेक्टर-ट्रॉली कार्य तथा Manufacturing and supplying of wheel carts for transportation of solid waste 200 no. हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है जिनकी अनुमानित लागत 14.17 लाख से 45 लाख रू है।
UBN No.- DLB2627GLOB22646, DLB2627SLOB22647, DLB2627WSOB22689
विवरण के लिये देखे www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in
आयुक्त
राज.संवाद/सी/26/12236 नगर परिषद धौलपुर

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PWD CITY DN, KOTA
E-mail ID: eccity.pw.dketa.@rediffmail.com &
eckotacity.pwd@rajasthan.gov.in, Phone No. 0744-2323038
(Address-PWD Campus, Rajbhawan Road, Nayapura, Kota-324001 (Raj.)
No. F-3/Tender/Tech./2026-27/D-1371 Dated: 13.10.2026
Notice Inviting Bid
(NIT No. 09/2026-27)
Bids for 13 Civil work at Kota are Invited from interested bidders upto 06.00 PM of 29.10.2026 Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rj.nic.in) of the Rajasthan State. The approximate value of the procurement is Rs. 118.36 Lacs.
1. PWD2627WSOB14895
2. PWD2627WSOB14896
3. PWD2627WSOB14897
4. PWD2627WSOB14898
5. PWD2627WSOB14899
6. PWD2627WSOB14900
7. PWD2627WSOB14902
8. PWD2627WSOB14903
9. PWD2627WSOB14905
10. PWD2627WSOB14906
11. PWD2627WSOB14907
12. PWD2627WSOB14909
13. PWD2627WSOB14910
Executive Engineer
PWD City Dn. Kota
DIPR/C/17787/2026

कार्यालय नगर परिषद, दौसा (राजस्थान)
क्रमांक : न.प.दौ/निर्माण/2026/6544 दिनांक 15.10.2026
ई-निविदा सूचना /2026
नगर परिषद, दौसा एवं केन्द्र एवं राज्य सरकार में नियमानुसार सक्षम स्तर में विधुत श्रेणी में पंजीकृत मैसर्स /संवेदक से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेन्टर प्रकिया से निम्नलिखित कार्य करवाये जाने हेतु कार्यालय नगर परिषद दौसा एवं इस कार्यालय से प्रपत्र में निविदाऐं आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in/nicgep/app एवं http://www.sppp.rajasthan.nic.in/ से Download/Upload की जा सकती है :-

निविदा के कुल कार्यो की संख्या	निविदा प्रकाशन तिथि	निविदा Download/Upload करने की अंतिम दिनांक एवं समय	प्रोसेसिंग शुल्क, निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि भौतिक रूप में जमा कराने की दिनांक व समय	ऑनलाईन निविदा की बिड खोलने की दिनांक व समय	UBN No.
01	16.10.2026	26.10.2026 को 06.00 पीएम तक	27.10.2026 को 11.00 एएम तक	27.10.2026 दोपहर 2.00 बजे पश्चात्।	DLB2627WSRC22545

राज.संवाद/सी/26/12173 आयुक्त नगर परिषद, दौसा

पुलिस शहीद दिवस: कर्तव्य पथ पर प्राण न्यौछावर करने वाले 154 पुलिसकर्मियों को नमन

राजस्थान पुलिस अकादमी में पुलिस शहीद दिवस पर श्रद्धांजलि समारोह

जयपुर। देश की सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा के लिए कर्तव्य पथ पर अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर पुलिसकर्मियों को बुधवार सुबह राजस्थान पुलिस ने श्रद्धांजलि अर्पित की। पुलिस शहीद दिवस के अवसर पर राजस्थान पुलिस अकादमी स्थित पुलिस शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने शहीद पुलिसकर्मियों को गार्ड ऑफ ऑनर दिया और स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

समारोह में सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक कपिल गर्ग, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक राघवेन्द्र सुहासा, सेवानिवृत्त उपनिरीक्षक मांगूसिंह शेखावत, संयुक्त निदेशक आसूचना ब्यूरो रमाकांत गुप्ता, राष्ट्रीय जांच एजेंसी के पुलिस अधीक्षक रवि चौधरी, अकादमी निदेशक संजीव कुमार नार्जरी और जयपुर पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल सहित वरिष्ठ एवं सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों और जवानों ने

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने शहीदों को गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

शहीदों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि पुलिस शहीद दिवस कर्तव्य निर्वहन के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों को याद करने और उनके अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा तथा बलिदान से प्रेरणा लेने का अवसर है। यह दिवस पुलिस की गौरवशाली परंपराओं और कर्तव्य के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

उन्होंने बताया कि 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के दुर्गम क्षेत्र में मातृभूमि की रक्षा करते हुए शहीद हुए पुलिस जवानों की स्मृति में प्रतिवर्ष पुलिस शहीद दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष 1 सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 तक देशभर में कर्तव्य निर्वहन के दौरान 154 पुलिसकर्मियों ने सर्वोच्च बलिदान दिया। समारोह में इन वीर जवानों के साहस और समर्पण को याद किया गया।

पुलिस शहीद दिवस के अवसर पर राजस्थान पुलिस अकादमी परिसर में डीजीपी और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने पौधारोपण किया। इसके बाद आयोजित रक्तदान शिविर में

■ पुलिस अकादमी परिसर में डीजीपी और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने पौधारोपण किया

रक्तदाताओं से संवाद कर उन्हें सामाजिक सरोकारों में योगदान के लिए प्रोत्साहित किया गया। शिविर में कुल 49 यूनिट रक्तदान हुआ।

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने जवाहरलाल नेहरू मार्ग स्थित त्रिमूर्ति पुलिस स्मारक पर भी पुष्प अर्पित कर वीर शहीदों को नमन किया। इस अवसर पर डीजीपी कानून-व्यवस्था संजय अग्रवाल, जयपुर पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल, डीआईजी कुंवर राष्ट्रदीप सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने पुष्पांजलि अर्पित की। अधिकारियों ने देश और नागरिकों की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले पुलिसकर्मियों के योगदान को याद किया।

राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 का अवलोकन

जयपुर। महानिदेशक, आई जीपीआरएस, नीरज के. पवन ने बुधवार को राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली, प्राप्त शिकायतों के निस्तारण तथा राजस्थान संपर्क एआई के माध्यम से शिकायतों के विश्लेषण की प्रक्रिया की जानकारी ली। पवन ने राजस्थान संपर्क एआई की सराहना करते हुए इसे उपयोगी एवं प्रभावी पहल बताया। उन्होंने एआई के माध्यम से शिकायतों के गहन विश्लेषण की प्रक्रिया को समझा। इस दौरान उन्हें बताया गया कि जिला एवं विभागवार विश्लेषण के जरिए यह पता लगाया जा सकता है कि किस जिले में किन विभागों से संबंधित किस प्रकार की शिकायतें अधिक प्राप्त हो रही हैं। साथ ही, शिकायतों के रुझानों और बार-बार सामने आने वाली समस्याओं की भी पहचान की जा सकती है। उन्होंने कहा कि राजस्थान संपर्क एआई के प्रभावी उपयोग से विभाग शिकायतों की प्रकृति एवं प्रवृत्तियों का आकलन कर उनके निस्तारण की प्रक्रिया को अधिक त्वरित बना सकते हैं। इससे परिवादियों की संतुष्टि बढ़ाने के साथ ही सुशासन को और अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर विभागीय अधिकारी एवं राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 के अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार किसान कल्याण, ग्रामीण विकास और गांवों को आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। किसानों को आर्थिक सहायता, ब्याजमुक्त फसली ऋण, प्राकृतिक आपदाओं में राहत तथा कृषि निवेश के अवसर उपलब्ध करवाकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि पंचायती राज चुनाव केवल जनप्रतिनिधियों के चयन की प्रक्रिया नहीं हैं, बल्कि गांवों के विकास, किसानों की खुशहाली और ग्रामीण राजस्थान के भविष्य को नई दिशा देने का अवसर हैं। भाजपा का संकल्प है कि गांवों में विकास की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और पंचायतें आत्मनिर्भर एवं सशक्त ग्रामीण व्यवस्था की आधारशिला बनें।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत प्रदेश के 76.18 लाख किसानों को 14,405 करोड़ से अधिक की राशि हस्तांतरित की गई है,

■ भाजपा का प्रयास पंचायतों में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी को मिले बढ़ावा : मदन राठौड़

जबकि मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की छह किश्तों के माध्यम से 65 लाख से अधिक किसानों को 3,387 करोड़ का लाभ मिला है। इसी प्रकार 1.09 करोड़ किसानों को 67,293 करोड़ का ब्याजमुक्त अल्पकालीन फसली ऋण उपलब्ध कराया गया है तथा 3.18 लाख नए किसानों को 561 करोड़ का फसली ऋण दिया गया है। ये प्रयास किसानों को खेती के लिए आवश्यक पूंजी उपलब्ध कराने और उन्हें साहूकारों पर निर्भरता से बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। वार्षिक सहायता 2,000 से बढ़ाकर 3,000 किए जाने से भी किसानों को अतिरिक्त आर्थिक संबल मिला है और अब इस राशि को 6000 रुपए तक बढ़ाया जाएगा।

दुर्गाबाड़ी में मां दुर्गा का विसर्जन

जयपुर। बनीपार्क स्थित जयपुर दुर्गाबाड़ी एसोसिएशन में विजयादशमी का पर्व श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक बंगाली रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। इस दौरान बंगाली परंपराओं के अनुरूप विधि-विधान से मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन संपन्न हुआ, जहां नम आंखों और भारी मन से भक्तों ने मां को विदाई देते हुए अगले वर्ष पुनः पधारने का निमंत्रण दिया। जयपुर दुर्गाबाड़ी एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. सुदीप्तो सेन ने बताया कि विजयादशमी के पावन अवसर पर सर्वप्रथम मां दुर्गा की पारंपरिक विसर्जन पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान मां को चिवड़ा और दही का विशेष भोग अर्पित किया गया। बंगाली वाद्ययंत्रों यथा ढाक और कांसा की गूंज के बीच आरती संपन्न हुई, जिसके बाद मां दुर्गा की प्रतिमा को विसर्जन के लिए रवाना किया गया। शोभायात्रा के रूप में प्रतिमा को आकेड़ा डूंगर स्थित सरोवर पर ले जाया गया। यहाँ श्रद्धालुओं ने विशेष पूजा-अर्चना और महाआरती कर मां दुर्गा की आराधना की तथा परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और मंगल की कामना करते हुए पूरे विधि-विधान से प्रतिमा का विसर्जन किया।

नशे के खिलाफ राष्ट्रीय मोटरसाइकिल रैली आमेर पहुंची

जयपुर। नशे के खिलाफ जन-जागरूकता और राष्ट्रीय एकता का संदेश लेकर निकली राष्ट्रीय मोटरसाइकिल रैली बुधवार शाम ऐतिहासिक आमेर पहुंची। राजस्थान पुलिस बैंड की स्वरलहरियों के बीच राइडर्स का पुष्पवृष्टि और तिलक लगाकर स्वागत किया गया। उप महानिरीक्षक पुलिस श्वेता धनखड़ ने राइडर्स का अभिनंदन करते हुए गुलाबी नगरी में स्वागत किया।

■ 250 राइडर्स युवाओं को देंगे नशामुक्ति का संदेश

'फाइट अगेंस्ट ड्रग्स' संदेश के साथ निकाली जा रही इस रैली में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, विभिन्न केंद्रीय पुलिस संगठनों और राज्य पुलिस के करीब 250 राइडर्स शामिल हैं। रैली सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर को गुजरात के एकता नगर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय एकता दिवस परेड के तहत

राजस्थान पुलिस बैंड की स्वरलहरियों के बीच राइडर्स का पुष्पवृष्टि और तिलक लगाकर स्वागत किया।

निकाली जा रही है। इसका उद्देश्य युवाओं और आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और राष्ट्रीय एकता का संदेश देना है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस कानून एवं व्यवस्था वीके सिंह ने बताया कि रैली राजस्थान में कोटपूतली-बहरोड़ जिले के रास्ते प्रवेश कर जयपुर, अजमेर, चित्तौड़गढ़ और उदयपुर होते हुए गुजरात की ओर बढ़ेगी। गुरुवार सुबह 10 बजे जयपुर के रामनिवास बाग स्थित अल्बर्ट हॉल से पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा रैली को हरी झंडी दिखाकर अजमेर के लिए रवाना करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 22 अक्टूबर को रैली अजमेर, 23 अक्टूबर को चित्तौड़गढ़ होते हुए उदयपुर और 24 अक्टूबर को उदयपुर से गांधीनगर की ओर प्रस्थान करेगी।

रैली में सीआरपीएफ, बीएसएफ, एनआईए, आरपीएफ, एनडीआरएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ, एनएसजी और एसएसबी सहित विभिन्न बलों के राइडर्स भाग ले रहे हैं। रैली के स्वागत और ठहराव स्थलों पर स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों तथा आमजन के साथ संवाद किया जाएगा।

पंचायत चुनाव नामांकन में मानवीय त्रुटि बताकर मांगी अनुमति

हाईकोर्ट ने कहा दायर करो चुनाव याचिका

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अलवर की लक्ष्मणगढ़ पंचायत समिति के वार्ड सदस्य के नामांकन पत्र में त्रुटि से जुडे मामले में दायर याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया आरंभ होने के बाद अब केवल चुनाव याचिका ही दायर हो सकती है। जस्टिस रवि चिरानिया की एकलपीठ ने यह आदेश अनिल की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। हाईकोर्ट में चल रहे अवकाश के बीच बुधवार को छुट्टी के दिन एकलपीठ इस मुकदमे की सुनवाई के लिए बैठी थी।

याचिका में कहा गया कि उसने वार्ड सदस्य के चुनाव के लिए नामांकन पत्र भरा था। उसके खिलाफ एक आपराधिक मामला दर्ज होने के चलते स्थानीय अदालत ने 18 नवंबर, 2011 को उसके

■ अलवर की लक्ष्मणगढ़ पंचायत समिति के वार्ड सदस्य के नामांकन पत्र में त्रुटि से जुड़े मामले में दायर याचिका खारिज

खिलाफ प्रसंज्ञान लिया था। याचिकाकर्ता ने चुनाव नामांकन पत्र में इसकी जानकारी दी। वहीं आरोप तय होने के संबंध में मांगी गई जानकारी को लेकर याचिकाकर्ता ने त्रुटिवश 18 नवंबर, 2021 ही अंकित कर दी, जबकि अभी तक उसके खिलाफ आरोप तय नहीं हुए हैं। याचिका में कहा गया कि मानवीय भूल के चलते उससे यह गलती हुई है। उसे इसकी जानकारी नामांकन पत्र खारिज होने के बाद मिली। इस पर वह तुरंत रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष पेश हुआ और जरूरी अदालती दस्तावेज भी पेश किए, लेकिन आरओ ने उसके नामांकन पत्र को अस्वीकार कर दिया। ऐसे में उसका नामांकन पत्र बहाल किया जाए। जिसका विरोध करते हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता कपिल प्रकाश माथुर ने कहा कि चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद चुनाव प्रक्रिया में अदालत का दखल संवैधानिक और कानूनी प्रावधानों से सीमित है। नामांकन पत्र में सभी जरूरी जानकारी याचिकाकर्ता ने स्वयं ही भरी थी। इसका सत्यापन चुनाव आयोग नहीं कर सकता। यदि नामांकन गलत तरीके से खारिज किया है, तो प्रत्याशी चुनाव के बाद चुनाव याचिका दायर कर सकता है।

देवनानी दिल्ली व छत्तीसगढ यात्रा पर

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी बुधवार से दिल्ली और छत्तीसगढ की यात्रा पर है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार देवनानी बुधवार को अपरान्ह 3:25 बजे किशनगढ एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना होकर सायं 4:30 बजे दिल्ली पहुंचे। देवनानी का दिल्ली से सांय 7:10 बजे वायुयान से रवाना होकर रात्रि 9 बजे रायपुर पहुँचने का कार्यक्रम है।

स्पीकर देवनानी गुरुवार को दोपहर 12 बजे रायपुर में संत माता हासी देवी की 200 वीं जयंती पर आयोजित होने वाले समारोह में शामिल होंगे। इस समारोह में भारत सरकार द्वारा जारी किये जाने वाले संत माता पर दो सौ रूपये के स्मृति सिक्के और डाक टिकिट का अनावरण होगा। समारोह की मुख्य अतिथि देश की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू होंगी। स्पीकर देवनानी का गुरुवार को ही सांय वायुयान द्वारा रायपुर से दिल्ली पहुँचने का कार्यक्रम है।

पंचायत चुनाव : 797 मतदान केन्द्रों के लिए दल रवाना

जयपुर। पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के प्रथम चरण के तहत 22 अक्टूबर को होने वाले मतदान के लिए बुधवार को भवानी निकेतन फार्मेसी कॉलेज परिसर से मतदान दल रवाना हुए। प्रशिक्षण के बाद दलों को ईवीएम, मतपत्र और निर्वाचन संबंधी आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराकर निर्धारित मतदान केंद्रों के लिए भेजा गया। मतदान दलों की सुविधा के लिए वाहन पार्किंग सहित अन्य व्यवस्थाएं भी की गईं।

जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने बताया कि प्रथम चरण में चौमूं, दूदू, गोविंदगढ़, झोटवाड़ा, जोबनेर, किशनगढ़ रेनवाल, मौजमाबाद और सांभर पंचायत समितियों के 146 वार्डों तथा जिला परिषद के 22 वार्डों में मतदान होगा। इसके लिए कुल 797 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इन क्षेत्रों में 7 लाख 43 हजार 640 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 3 लाख 84 हजार 195 पुरुष और 3 लाख 59 हजार 445 महिला मतदाता शामिल हैं। मतदान सुबह 7 से शाम 6 बजे तक होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को मतदान प्रक्रिया निष्पक्ष, स्वतंत्र और सुचारू रूप से संपन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मतदान दलों को पांच दिन और चार रात अपने निर्धारित क्षेत्रों में रहकर निर्वाचन संबंधी दायित्व निभाने होंगे। 22 अक्टूबर को जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के लिए ईवीएम से मतदान होगा। इसके बाद 23 अक्टूबर को ग्राम पंचायत स्तर पर सरपंच और वार्ड पंच पदों के लिए नामांकन प्रक्रिया होगी। 24 अक्टूबर को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक सरपंच और वार्ड पंच पदों के लिए मतपत्र से मतदान कराया जाएगा। वहीं, 25 अक्टूबर को उपसरपंच का चुनाव होगा। इस तरह मतदान दलों को ईवीएम और मतपत्र, दोनों माध्यमों से निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न करानी होगी।

बारह करोड़ की ऑनलाइन गोल्ड ट्रेडिंग ठगी का आरोपी गिरफ्तार

फर्जी वेबसाइट पर 9.42 करोड़ का मुनाफा दिखाकर निवेशक को फंसाया

जयपुर। फर्जी ऑनलाइन गोल्ड ट्रेडिंग वेबसाइट के जरिए 12 करोड़ रुपए से अधिक की साइबर धोखाधड़ी के मामले में राजस्थान स्टेट साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। असम निवासी बेशराज थापा उर्फ राहुल को आंध्र प्रदेश के विशाखापटनम से गिरफ्तार कर जयपुर लाया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी साइबर ठगी में इस्तेमाल होने वाले बैंक खातों की निगरानी करने और खाताधारकों की जानकारी अपने साथियों तक पहुंचाने का काम करता था। इस मामले में अब तक कुल छह आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस साइबर क्राइम विजय कुमार सिंह के

आरोपी बेशराज थापा

अनुसार, परिवादी के व्हाट्सएप नंबर पर 25 सितंबर 2025 को एक संदेश आया। जिसमें..वेबसाइट का लिंक भेजा गया था। वेबसाइट के जरिए ऑनलाइन सोने के कारोबार में भारी मुनाफे और आकर्षक प्रतिफल का लालच दिया गया। परिवादी ने वेबसाइट

■ आरोपी साइबर ठगी में इस्तेमाल होने वाले बैंक खातों की निगरानी करने और खाताधारकों की जानकारी अपने साथियों तक पहुंचाने का काम करता था

पर अपनी पहचान बनाकर कथित ग्राहक सेवा के निर्देशों पर निवेश करना शुरू कर दिया। परिवादी ने 7 अक्टूबर से 4 नवंबर 2025 के बीच विभिन्न बैंक खातों में करीब छह करोड़ रुपए जमा कराए। ठगों ने वेबसाइट के आभासी बटुए में करीब 9.42 करोड़ रुपए का मुनाफा दिखाकर उसे भरोसे में रखा। इसके बाद 7 नवंबर को परिवादी ने पांच करोड़ रुपए से अधिक की राशि निकालने का प्रयास किया तो आरोपियों ने आयकर, प्रक्रिया शुल्क और अन्य शुल्कों के नाम पर अतिरिक्त रकम मांगनी शुरू कर दी।

10 से 26 नवंबर 2025 के बीच भी परिवादी से रकम जमा कराई गई। इस तरह कुल 12 करोड़ 9 लाख 65 हजार 512 रुपए हस्तांतरित करने के बावजूद न तो मूल रकम लौटाई गई और न ही निकासी की अनुमति दी गई। जांच के दौरान पूर्व में गिरफ्तार आरोपी इकबाल अहमद से पूछताछ में बेशराज थापा उर्फ राहुल का नाम सामने आया। पुलिस टीम ने विशाखापटनम पहुंचकर उसे गिरफ्तार किया। सक्षम न्यायालय से पांच दिन का पारगमन वारंट लेकर आरोपी को जयपुर लाया गया। जांच में सामने आया कि बेशराज ठगी में इस्तेमाल होने वाले बैंक खातों की निगरानी करता था। वह खाताधारकों की गतिविधियों पर नजर रखकर उनके प्रत्यक्ष फोटो और वीडियो अपने साथियों हर्षा साइकिया उर्फ गौरव तथा इस्लाम तक पहुंचाता था।

पुलिस के अनुसार गुवाहाटी के एक होमस्टे में प्रकाश कुमार के बैंक खाते से जुड़े लेन-देन के दौरान भी आरोपी मौजूद था। प्रकाश कुमार के बैंक खाते और उससे जुड़ी सिम की जानकारी इस्लाम तक पहुंचाने के बदले उसे 50 हजार रुपए मिले थे।

नुक्कड़ नाटक से स्वच्छता का संदेश दिया

जयपुर। राजस्थान सरकार के कला, साहित्य एवं संस्कृति विभाग की ओर से आयोजित 'संजीवनी कला समारोह' के अंतर्गत राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, शिवाजी नगर, जयपुर पश्चिम की छात्राओं ने अल्बर्ट हॉल के सामने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से हरियाली, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। नुक्कड़ नाटक का निर्देशन विद्यालय की वरिष्ठ अध्यापिका पूनम भास्कर ने किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या निर्मला सिंह ने छात्राओं की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कला समारोह के प्रयासों की भी प्रशंसा की। 'हरित क्रांति, स्वच्छ क्रांति' विषय पर आधारित नाटक में छात्राओं ने विभिन्न पात्रों के माध्यम से आमजन को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। प्रस्तुति में बंदर, मदारी, दुकानदार, छात्र, महिला सफाईकर्मी और आम नागरिक के पात्रों के जरिए लोगों से अधिकाधिक पेड़ लगाने, स्वच्छता अपनाने और पर्यावरण को बचाने की अपील की।

सार-समाचार

दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया

जयपुर। बाल संबल चाइल्ड केयर आश्रम में पिंक सिटी चौपाल ने बच्चों के साथ दशहरा पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया इस अवसर पर फाउंडर डॉ सुषमा के के , और अनु सोगानी के साथ पूर्णिमा , रेनू , रश्मि , यशोधरा , प्रतिभा , माधवी ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी । उन्होंने बच्चों को पटाखे , फल , क्रेयोंस , कॉपी , किताबें वितरित किए। बच्चों को दशहरे का महत्व समझाया तथा रावण दहन के माध्यम से बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया गया। पंचशील जैन बाल सम्बल के संस्थापक ने बताया यहाँ के बच्चे स्पोर्ट्स एथलीट आदि में स्टेट लेवल तक क्वालीफाई कर चुके हैं । संस्था में हर त्यौहार मनाया जाता है जिससे बच्चे अपने संस्कारों से जुड़ सकें । डॉ सुषमा के के ने कहा पर्व व त्यौहार हमें देशप्रेम का जज्बा और वसुधेव कुटुम्बकम का संदेश देते हैं ।

गायत्री महायज्ञ आमंत्रण पत्र का विमोचन

जयपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में गायत्री चेतना केन्द्र मुरलीपुरा की ओर से 25 से 27 दिसंबर तक मुरलीपुरा क्षेत्र में होने वाले 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं युवा चेतना शिविर के आमंत्रण पत्र का बुधवार को विमोचन किया गया। गायत्री महामंत्र के साथ बनाए गए इस आमंत्रण पत्र का विमोचन एमआई रोड स्थित एक कार्यालय में हेल्थश्योर फाउंडेशन की संस्थापिका प्रियंका लवानिया एवं सह-संस्थापक विनय कुमार लवानिया ने किया। दोनों ने आयोजन में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। गायत्री चेतना केन्द्र मुरलीपुरा के मनु महाराज ने दोनों का अभिनंदन किया। समाजसेवी बजरंग सिहाग ने आभार प्रकट किया। उल्लेखनीय है कि गायत्री परिवार का यह आमंत्रण पत्र ईको फ्रेंडली है। इसे लकड़ी पर तैयार किया गया है। यह सालों साल दीवार पर टंगा रहेगा। कागज और प्लास्टिक के आमंत्रण पत्र प्रायः प्राप्त होने के एक दो दिन बाद ही अनुपयोग साबित हो जाते हैं। जबकि यह सुंदर और उपयोगी होने के कारण लोग इसे संभाल कर रखेंगे।

जय क्लब में श्रद्धा और उल्लास के साथ विजयादशमी मनाई

जयपुर। प्रोबासी बेंगाली कल्चरल सोसायटी (पीबीसीएस) की ओर से जय क्लब लॉन, सी-स्कीम में आयोजित दुर्गा पूजा महोत्सव का समापन बुधवार को विजयादशमी के अवसर पर पारंपरिक बंगाली रीति-रिवाजों के साथ हुआ। सुबह मां दुर्गा की पूजा-अर्चना के बाद दर्पण विसर्जन की रस्म निभाई गई। इसके पश्चात महिलाओं ने पारंपरिक सिंदूर खेला में भाग लेकर एक-दूसरे को सिंदूर लगाया और मां दुर्गा से परिवार की सुख-समृद्धि, अखंड सौभाग्य और खुशहाली की कामना की। इसके बाद मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया गया और नम आंखों से मां को अगले वर्ष फिर आने के निमंत्रण के साथ विदाई दी गई।बंगाली समाज में विजयादशमी का विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है।

प्रेम प्रकाश प्रांतीय प्रतिनिधि निर्वाचित

जयपुर। राजस्थान इरिगेशन मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन (रीमा) जयपुर संभाग के चुनाव में ईआरसीपी, जयपुर में कार्यरत कनिष्ठ सहायक प्रेम प्रकाश यादव प्रांतीय प्रतिनिधि निर्वाचित हुए। चुनाव प्रक्रिया प्रांतीय संयोजक गुरविंदर सिंह बराड़, अध्यक्ष हनुमानगढ़-संभाग की निगरानी में संपन्न हुई। मुख्य चुनाव अधिकारी सुरेंद्र मीणा एवं सह चुनाव अधिकारी गगन बाज्या, अध्यक्ष, मंत्रालयिक अधिकारी कर्मचारी संघ, सा. नि. वि., राजस्थान, जयपुर के निर्देशन में चुनाव संपन्न कराए गए। चुनाव में कुल 338 पंजीकृत मतदाताओं में से 278 ने मतदान किया। यादव ने अपनी जीत को कर्मचारियों के विश्वास एवं एकजुटता की जीत बताते हुए कर्मचारी हितों की रक्षा, समस्याओं के समाधान तथा संगठन को मजबूत बनाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

ईपीएफओ योजनाओं को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जयपुर। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से बुधवार को महिंद्रा इण्डस्ट्रियल एरिया स्थित पॉली मेडिक्योर लिमिटेड में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-, जयपुर उत्तम जाधव ने कर्मचारियों और नियोक्ताओं को केंद्र सरकार की विभिन्न कर्मचारी हितैषी योजनाओं की जानकारी दी। तुषार उत्तम जाधव ने भविष्य निधि से मिलने वाले लाभों, पात्र कर्मचारियों को योजनाओं से जोड़ने और नियोक्ताओं द्वारा नियमों के पालन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने पीएफ वेतन सीमा को 15 हजार से बढ़ाकर 25 हजार रूपए किए जाने संबंधी प्रस्ताव की जानकारी दी। उन्होंने प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के बारे में बताया कि इसके तहत 1 अगस्त 2025 से 31 जुलाई 2027 के बीच पहली बार रोजगार प्राप्त करने वाले पात्र कर्मचारियों को 14 हजार रूपए तक प्रोत्साहन राशि तथा पात्र नियोक्ताओं को प्रति कर्मचारी 3 हजार रूपये प्रतिमाह तक प्रोत्साहन देने का प्रावधान है। कार्यक्रम मेंएवं-2026 योजनाओं के उद्देश्य और लाभों पर भी चर्चा की गई।

राजस्थान स्टेट एक्स सर्विसेज लीग ने सुल्तान सिंह को प्रवक्ता नियुक्त किया

जयपुर। राजस्थान स्टेट एक्स सर्विसेज लीग, जयपुर ने पूर्व सैनिकों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने तथा उनके कल्याण से संबंधित समाचारों को आमजन तक पहुँचाने के उद्देश्य से संस्था के महासचिव सुल्तान सिंह प्रवल (सेवानिवृत्त) को प्रवक्ता नियुक्त किया है। राजस्थान स्टेट एक्स सर्विसेज लीग, इंडियन एक्स सर्विसेज लीग, नई दिल्ली की संबद्ध संस्था है, जो प्रदेश के तीनों रक्षा सेवाओं के पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए कार्यरत है। संस्था की स्थापना 16 सितंबर 1974 को तत्कालीन मेजर जनरल के. भगवती सिंह द्वारा की गई थी। संस्था के प्रदेशभर में 40 हजार से अधिक सदस्य हैं तथा सभी जिलों में इसकी शाखाएँ स्थापित हैं। संस्था का मुख्यालय गौरव सेनानी कल्याण भवन, जय सिंह हाईवे, बनी पार्क, जयपुर में स्थित है।

It is Nuts Day!

National Nut Day is celebrated annually on October 22nd to honor the healthy, nutrient-dense powerhouses in our pantries. Established in 2015 by the UK-based Liberation Foods Company, the day promotes healthy snacking habits, raises public awareness about sustainable Fairtrade sourcing, and supports small-scale farmers worldwide. From almonds and walnuts to culinary favorites like peanuts, these satisfying treats provide vital plant protein, fiber, essential minerals, and heart-healthy unsaturated fats that help lower cholesterol. People celebrate by incorporating a handful of nuts into daily meals or sharing creative recipes online using the hashtag #NationalNutDay.

#BOOK REVIEW

MOMS

It is about the distance between what life looks like on the outside and what it feels like on the inside, our lives have been so overtly performative and admired on such flimsy illusions of perfection

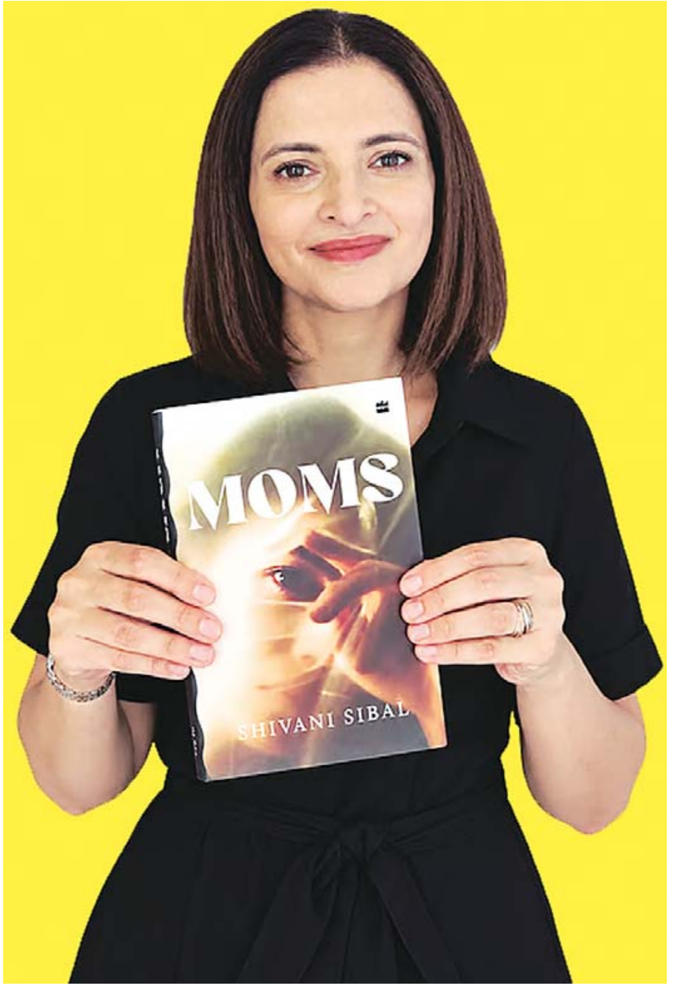

'Moms is a searing and deeply unsettling novel that peels back the polished veneer of privilege, power and respectability with remarkable insight and emotional force. Courageous, provocative and profoundly moving.'

- Banu Mushtaq, International Booker Prize-winning author of Heart Lamp.

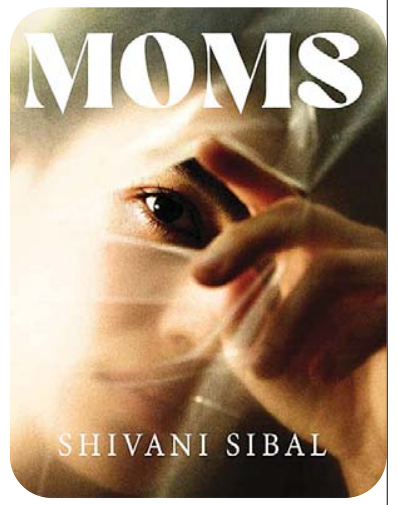

Yet, before dawn, she is already on edge, coaxing her hair into place, weighing herself with dread, rehearsing the smile that keeps awkward questions at bay.

When a confrontation at her daughter's elite school turns Radhika from admired committee-head to whispered cautionary tale, fissures spread through her meticulously managed world: fragile neighbourhood-mom alliances, an uneasy bond with her yoga teacher-friend, and the carefully curated social media posts that mask an unbearable loneliness. As gala weekends and themed dinners hurtle towards a spectacular destination party in Rajasthan, Radhika is forced to pay the true price of her perfection.

Emotionally compelling and sharply observed, Moms is a novel about motherhood, marriage and the distance between what life looks like on the outside and what it feels like on the inside.

The author, Shivani Sibal says, 'If I had to tell someone what my novel was about in a single line, I would say it is about the distance between what life looks like on the outside and what it feels like on the inside. Never before in human history have our lives been so overtly performative and admired on such flimsy illusions of perfection. Moms explores modern motherhood, marriage, social expectation, and the price of that perfection. I hope it will resonate with anyone who has felt the pressure to iron over the messy bits to make life look effortless, and who has wished to be seen more wholly.'

Rashmi Menon, Publisher, HarperFiction, adds, 'In Moms, Shivani Sibal brings a dazzlingly observant voice to the tensions of modern motherhood and marriage. This is storytelling at its most incisive. Shivani's writing is sharp, elegant and extraordinarily empathetic, making Moms darkly funny, heartbreaking and deeply unsettling. We are delighted to publish this compelling novel, which captures the performance of the "perfect" life, and the cost of sustaining it, with rare clarity. A powerful story of privilege, control and the longing to be seen for who you truly are.'

Shivani Sibal is a Delhi based author whose debut novel, Equations, was launched in July 2021. Equations has received excellent reviews in several publications, including The Hindustan Times, The Times of India, The Hindu, The New Indian Express, The Asian Age, Scroll, and Open Magazine.

The legend of the white gibbon of Tinting Empeliau

In such times, the birth of an extremely rare silvery gibbon at a Manx zoo is "very significant" for the species, the park manager had said. The new arrival is the third to be born at the Curraghs Wildlife Park following the births of Aalin in July 2020 and Ffinlo in August 2017. The animals are classified as endangered by the International Union for Conservation of Nature. Park manager Kathleen Graham said that it was "great to see the family expand." It means the number of silvery gibbons at the Ballaugh park has now risen to five since the pairing of Slamet and Nakula arrived at the sanctuary in 2016.

● **Kshema Jatuhkarna**

Once upon a time, there was a man named Buja. He saw a mysterious white gibbon during his hunting trip at a ridge of a hill or tinting and shot it with a dart. Although his dart did hit the gibbon, the animal remained very active and pretty much alive. Buja shot it again and again until eventually he used up all his darts, but the gibbon was somehow unaffected.

Unsatisfied, Buja went home to make more darts before going back into the jungle for the gibbon. He made many attempts to kill the gibbon and made more darts every time they ran out. On the seventh day, the gibbon finally fell. Satisfied, Buja went to retrieve the gibbon. But when he touched the animal, he suddenly felt unwell, fell to the ground and fainted.

While he was unconscious, he dreamt of the gibbon speaking to him, asking for mercy and to be released. In that dream, the gibbon told Buja that someone would come to pick him up. In return, it gave Buja a piece of stone that would help him become successful. He made Buja promise that all his generations would not harm any gibbon anymore. Buja took the stone, woke up from his dream and walked

away, and the white gibbon seemed to have disappeared. This is how the ridge that Buja went hunting is named as Tinting Empeliau.

Empeliau means Gibbon.

Tinting means the ridge of a hill, the highest line on the top of a hill. It is a beautiful legend of the far East, as stories and legends of the area are; beautiful, the narrative stopping just where the emotion should be said, and confirmed. Leaving it to the listener of the story to put in place his personal end to the story. But the story of the

#WILD

Silver Gibbon was left at no one's door at all to complete, or find an end. About 2,000 adult gibbons are thought to live in the wild.

In such times, the birth of an extremely rare silvery gibbon at a Manx zoo is "very significant" for the species, the park manager had said.

The new arrival is the third to be born at the Curraghs Wildlife Park following the births of Aalin in July 2020 and Ffinlo in August 2017. The animals are classified as endangered by the International Union for Conservation of Nature. Park manager Kathleen Graham said that it was "great to see the family expand." It means the number of silvery gibbons at the Ballaugh park has now risen to five since the pairing of Slamet and Nakula arrived at the sanctuary in 2016. The latest arrival has been born as part of a breeding programme by the European Association of Zoos and Aquaria (EAZA), which protects populations of endangered species. Ms. Graham said that the birth was "very significant" because there were "just 52 silvery gibbons in the care of nine European zoos."

"We know how vital EAZA programmes are for conservation efforts and we are very proud to play our part," she said.

Indigenous to the Indonesian island of Java, there are thought to be fewer than 2,000 adult silvery gibbons left in the wild.

The baby primate is the first of its kind to be born at the park since 2020. Environment Minister Clare Barber said that it had been an "honour to be chosen to give a home" to Nakula and Slamet from Australia and Kent seven years ago. "Great credit should go to the Curraghs' team for providing the environment and care that has allowed this important family to grow," she added. It was not known then whether the new arrival was male or female. Moving into the moment, while we were all adding glitter to our homemade cards and forgetting to peel the price tag off the gas station flowers last Valentine's Day, it turns out that something far more exciting was happening over at Port Lympne Reserve in the UK: the birth of a baby Javan gibbon.

The delightfully big-eyed and fluffy new arrival is the offspring of male gibbon Gapak and now five-time mom Belle, who, according to an Instagram post by the reserve, has been "confidently showing baby off." And quite right too, baby Lima, as the young male has been named (very appropriate for a smol bean), is downright adorable.

But besides giving us something to coo over, Lima's birth also marks a significant conservation win for Javan gibbons.

Also known as silvery gibbons in the wild, these primates are found only on the Indonesian island of Java (hence their other name). Here, they've historically lived in richly diverse lowland and mountainous rainforests, swinging between branches up to 10 meters

> The baby primate is the first of its kind to be born at the park since 2020. Environment Minister Clare Barber said that it had been an "honour to be chosen to give a home" to Nakula and Slamet from Australia and Kent seven years ago. "Great credit should go to the Curraghs' team for providing the environment and care that has allowed this important family to grow," she added. It was not known then whether the new arrival was male or female.

(33 feet) apart with impressive ease. However, the forest in which the species once thrived has become increasingly fragmented due to deforestation for the purposes of logging and agriculture. On top of that, Javan gibbons are also threatened by hunting and the illegal pet trade.

As a consequence, the species is in decline, with less than 2,000 individuals estimated to remain in the wild. One study has even suggested that three of the four largest remaining populations of Javan gibbons have a high probability of going extinct within the next 100 years if current threats continue. Port Lympne Reserve is part of an effort to ensure that day never arrives, running an ex-situ breeding program for the species. So far, the program has resulted in nine births, Lima being the latest.

"We're incredibly proud to welcome Lima to Port Lympne Reserve. As a critically important species within the EAZA (European Association of Zoos and Aquaria) programme, Javan gibbons are central to our conservation mission, and Lima represents a significant and exciting step forward for our breeding efforts," said Simon Jeffery, Animal Director at Port Lympne Reserve, in a statement sent to IFLScience.

Another part of that conservation mission could see Lima one day ending up in the rainforests of Java; the eventual goal of the program is to restore the species to its former glory within the gibbons' native habitat, beginning with the carefully planned reintroduction of captive-bred individuals into protected areas. Two of Lima's siblings, along with one other Javan gibbon born at the reserve, have already left for their homeland.

We're keeping our fingers crossed that Lima gets to join them!

rajeshsharma1049@gmail.com

#CAPTAIN CHARLES MCVAY

A kid's school project turned into a national story

The sharks were circling and feeding. It is considered the worst shark attack in human history

In 1945, the USS Indianapolis secretly delivered the parts for the atomic bomb that would hit Hiroshima. Days later, mission done, a Japanese submarine put two torpedoes into her. She sank in 12 minutes.

Nearly 900 men made it off the ship alive and into the open ocean. Then, it got worse.

No one knew they were missing. Three separate Navy stations picked up the distress signals and every one of them ignored it. One officer thought it was a Japanese trap. Another had ordered not to be disturbed.

So, the men floated. For almost five days. No food, no fresh water, burning by day and freezing at night. Some drank seawater and went insane. And the whole time, the sharks were circling and feeding. It is considered the worst shark attack in human history.

When rescue finally came by accident, only 316 of the nearly 1,200 crew were still alive.

The Navy needed someone to blame for the disaster. They chose Captain Charles McVay, one of the men who survived it. He became the only U.S. captain in the entire war to be court-martialed for losing his ship to the enemy.

At his trial, the Navy did something almost unheard of. They brought in the Japanese commander who sank the ship to testify against him. Instead, the enemy captain told the court that zigzagging would have made no difference and that McVay did nothing wrong.

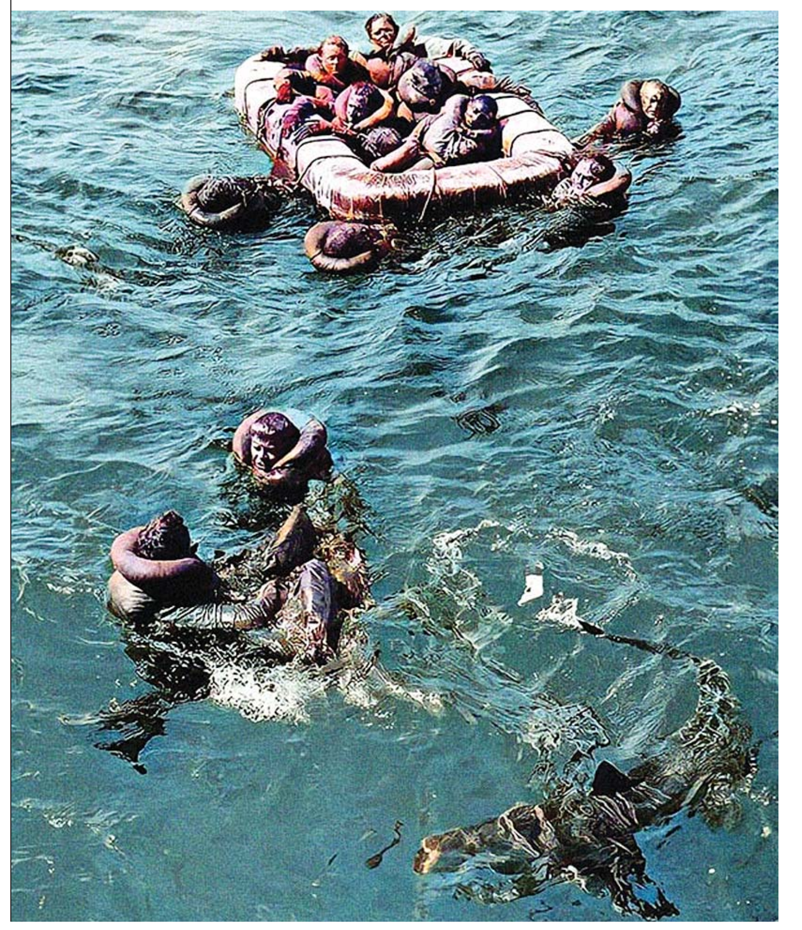

They convicted him anyway.

For years afterward, McVay got hate mail from the families of the dead. Some sent letters every Christmas telling him he murdered their sons. In 1968, he walked onto his front lawn and shot himself, holding a toy sailor he had kept since he was a boy.

Case closed. For fifty years.

Then, in 1996, an 11-year-old named Hunter Scott watched Jaws with his dad and got hooked on the 30 second speech about the Indianapolis. He made it his sixth grade history project.

He tracked down and interviewed nearly 150 survivors. He dug through more than 800 documents. And buried in there, he found what the Navy had left out, including that they knew enemy subs were operating right on the ship's route and never warned McVay.

A kid's school project turned into a national story. It reached Congress. In 2000, lawmakers passed a resolution clearing McVay's name and President Clinton signed it. The Navy officially cleared his record in 2001.

The captain the Navy spent decades blaming was finally exonerated by a sixth grader.

Hunter Scott grew up and became a naval flight officer.

THE WALL

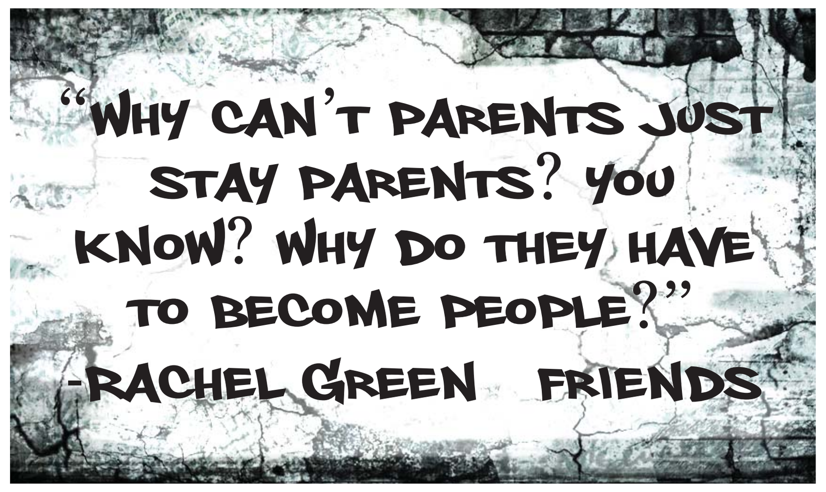

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

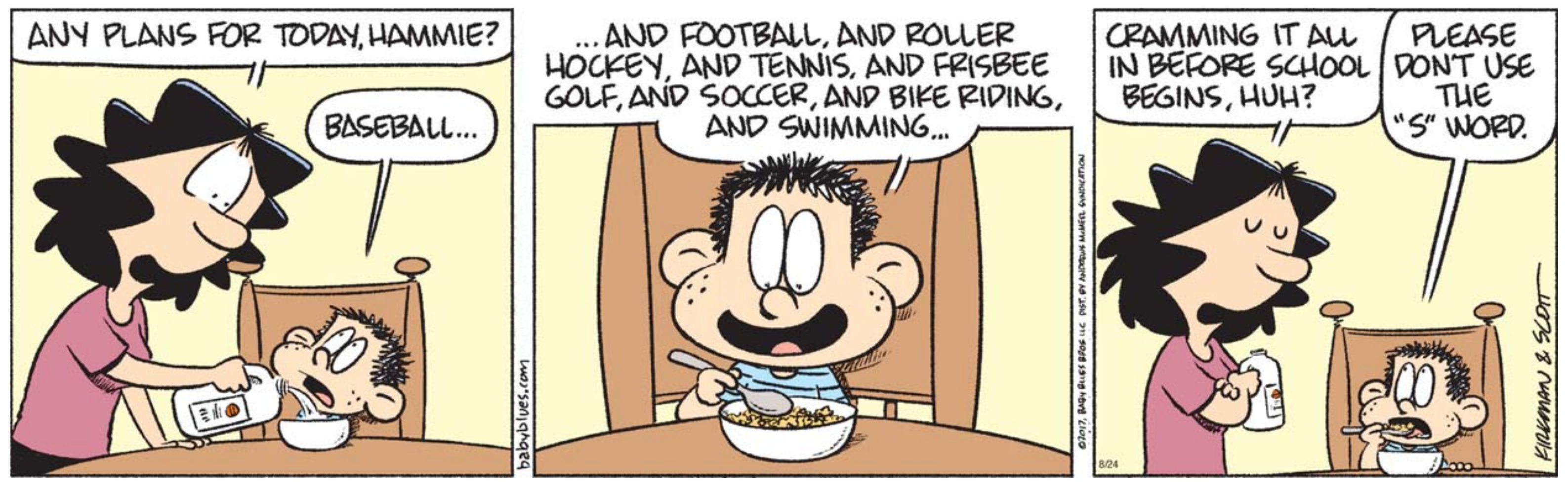

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

पुलिस स्मृति दिवस पर वीर शहीदों दी श्रद्धांजलि

ब्यावर (निसं) वीर सपूतों के बलिदान को याद करने व उनसे प्रेरणा ठाहण करने के उद्देश्य से देश के हर पुलिस संगठन व संस्थान में प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस शहीद दिवस पर परेड का आयोजन किया जाता है। आज से 67 वर्ष पूर्व 21 अक्टूबर 1965 को भारत-चीन सीमा पर लद्याख के हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र में भारतीय पुलिस के जवानों के मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिये थे। इन वीरों का बलिदान भारतीय पुलिस के कार्यों की उच्चतम परम्पराओं का प्रतीक है, तथा कर्तव्यनिष्ठा का अनुपम अनुकरणीय आदर्श प्रस्तुत करता है। आज 21 अक्टुम्बर को पुलिस लाईन ब्यावर में पुलिस शहीद दिवस पर पुलिस अधीक्षक रतन सिंह द्वारा सम्पूर्ण देश में दिनांक 01 सितम्बर 2025 से 31 अगस्त 2026 में मध्य शहीद हुए 154 वीर सपूतों के नामों का वाचन कर उनके योगदान को याद किया गया। पुलिस कर्मियों की परेड द्वारा शोक सस्त्र की मुद्रा में शहीदों को सम्मान दिया गया। उपस्थित अधिकारीयों एवं कर्मचारीयों ने वीर सपूतों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक रतन सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अनुकृति उज्जैनिया, उप अधीक्षक पुलिस ब्यावर शहर नरेन्द्र पारीक एवं जिले के थानाधिकारी एवं संचित निरीक्षक पुलिस लाईन एवं जिले के सेवानिवृत पुलिस अधिकारियों / कार्मिकों व उपस्थित कार्मिकों द्वारा पुष्प चक, माला व पुष्प चढाकर वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

भीलवाड़ा के शंभूगढ़ थाने पर तैनात युवा कॉन्स्टेबल की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

दशहरा मेले की ड्यूटी से लौट रहे सिपाही को ट्रक ने कुचला

भीलवाड़ा। अजमेर हाईवे पर गुलाबपुरा थाना क्षेत्र के 29 मील चौराहे के पास मंगलवार रात एक वीभत्स सड़क हादसे में शंभूगढ़ थाने पर तैनात 27 वर्षीय युवा कॉन्स्टेबल शंकरलाल खटीक की दर्दनाक मौत हो गई। दशहरा मेले की ड्यूटी समाप्त कर बाइक से अपने थाने लौट रहे सिपाही को एक बेकाबू और तेज रफ्तार ट्रक ने अपनी चपेट में ले लिया। इस खौफनाक हादसे के बाद से पूरे पुलिस महकमे में गहरा सन्नाटा और शोक की लहर छाई हुई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बांदरसिंदरी निवासी 27 वर्षीय कॉन्स्टेबल शंकरलाल (पुत्र कान्हा खटीक) वर्ष 2018 बैच के पुलिसकर्मी थे। उनकी महज तीन महीने पहले ही शंभूगढ़ थाने में नई पोस्टिंग हुई थी। हाल ही में उनकी ड्यूटी गुलाबपुरा में आयोजित दशहरा मेले में लगाई गई थी।मंगलवार रात करीब 11:30 बजे वे अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद बाइक से शंभूगढ़ थाने के लिए रवाना हुए थे। जैसे ही वे 29 मील चौराहे से आगे पुलिया के नजदीक पहुँचे, पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि

सड़क हादसे में शंभूगढ़ थाने पर तैनात 27 वर्षीय युवा कॉन्स्टेबल शंकरलाल खटीक की दर्दनाक मौत होने पर पुलिस अधिकारियों व जवानों ने पुष्पांजलि अर्पित की।

- **पुलिस महकमे में शोक की लहर छाई**

कॉन्स्टेबल बाइक सहित ट्रक के नीचे आ गए और मौके पर ही उनकी प्राण पखेरू उड गए। हादसे के बाद आरोपी चालक ट्रक छोडकर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही गुलाबपुरा थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुँची और स्थानीय लोगों की मदद से कडी मशक्कत के बाद शव को ट्रक के नीचे से बाहर निकाला। बुधवार सुबह अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने के बाद पार्थिव शरीर गमगीन माहौल में परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। दिवंगत कॉन्स्टेबल के परिवार में एक बेटा और एक बेटी हैं। सबसे पीड़ादायक बात यह है कि उनके पिता कान्हा खटीक भी अजमेर पुलिस में सहायक उप-निरीक्षक के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। एक पुलिस अधिकारी के बेटे और खुद खाकी पहनकर कानून की रक्षा करने वाले युवा सिपाही की इस तरह अचानक हुई असमय मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बुधवार को गुलाबपुरा थाने में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान थाने के अधिकारियों और साथी पुलिसकर्मियों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा और पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

आमिर खान का कोटा उपभोक्ता न्यायालय में जवाब पेश

कोटा, (निसं)। बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान से जुड़े एक महत्वपूर्ण उपभोक्ता विवाद में बुधवार को जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, कोटा में अभिनेता आमिर खान की ओर से उनके अधिवक्ताओं ने 13 पृष्ठों का लिखित जवाब प्रस्तुत किया। न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई 25 नवंबर 2026 निर्धारित की है। इस संबंध में जानकारी देते हुए अधिवक्ता अशपाक अंसारी व वरिष्ठ भाजपा नेता एवं राजस्थान उच्च न्यायालय के अधिवक्ता इन्द्र मोहन सिंह हनी जो स्वयं इस मामले में परिवादी हैं, ने बताया कि उन्होंने ऑनलाईन शॉपिंग कंपनी स्नैपडील से जुड़े कुणाल बहल एवं रोहित बंसल के विरुद्ध उपभोक्ता शिकायत संख्या प्रस्तुत की थी। इन्द्र मोहन सिंह हनी ने बताया कि उन्होंने अभिनेता आमिर खान द्वारा प्रचारित ऑनलाईन शॉपिंग प्लेटफॉर्म स्नैपडील का विज्ञापन देखकर प्रतिष्ठित ब्रांड वुडलैंड की बेल्ट एवं वॉलेट ऑर्डर किया था। सामान प्राप्त होने पर उसकी प्रामाणिकता पर संदेह हुआ। जब वे उक्त सामान लेकर वुडलैंड के अधिकृत विक्रेता के पास पहुंचे, तो उनके अनुसार सामान को नकली बताया गया। इसके बाद उन्होंने उपभोक्ता न्यायालय में शिकायत प्रस्तुत की तथा बाद में सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश 1 नियम 10 के अंतर्गत आवेदन लगाकर आमिर खान को पक्षकार बनाने की मांग की जिसे न्यायालय ने स्वीकार करते हुए आमिर खान को नोटिस जारी किऐं।

सार-समाचार

टाउनशिप पॉलिसी में संशोधन कर आमजन को राहत दे : कोठारी

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा विधायक अशोक कुमार कोठारी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर राजस्थान टाउनशिप पॉलिसी-2024 के प्रावधानों की पुनः समीक्षा कर आमजन के हित में आवश्यक संशोधन करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान पॉलिसी में निर्धारित कुछ शर्तों के कारण छोटे भूखंडों पर आवासीय विकास, भूमि के नियमितीकरण और उप विभाजन में आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में पॉलिसी को अधिक व्यावहारिक एवं जनकल्याणकारी बनाने के लिए आवश्यक शिथिलता प्रदान की जानी चाहिए। विधायक कोठारी ने पत्र में उल्लेख किया कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में सुव्यवस्थित शहरी विकास और स्वच्छ वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजस्थान टाउनशिप पॉलिसी-2024 लागू की गई है। नगरीय विकास विभाग द्वारा 17 जुलाई 2025 को अधिसूचना जारी कर इसकी क्रियान्विति की जा रही है। उन्होंने इस पहल के लिए सरकार का आभार व्यक्त करते हुए पॉलिसी के कुछ प्रावधानों में संशोधन की आवश्यकता बताई। कोठारी ने आवासीय योजनाओं में पार्क के लिए निर्धारित न्यूनतम 1000 वर्ग मीटर क्षेत्र के स्थान पर प्रस्तावित भूमि का 7 प्रतिशत क्षेत्र निर्धारित करने का सुझाव दिया। उनका कहना है कि एक हेक्टेयर तक की छोटी आवासीय योजनाओं में वर्तमान प्रावधान के कारण विकासकर्ता के लिए विक्रय योग्य भूमि कम रह जाती है। प्रतिशत आधारित व्यवस्था से छोटे भूखंडों पर योजनाओं का विकास अधिक व्यावहारिक हो सकेगा। उन्होंने सुझाव दिया कि 0.50 से 1 हेक्टेयर तक की आवासीय योजनाओं में फैसिलिटी एवं पब्लिक यूटिलिटी के लिए 2-2 प्रतिशत भूमि निर्धारित की जाए। वहीं 1 से 2 हेक्टेयर तक की योजनाओं में दोनों मदों के लिए 4-4 प्रतिशत का प्रावधान रखा जाए। इससे छोटी आवासीय योजनाओं पर अनावश्यक आर्थिक भार कम होगा।विधायक कोठारी ने एकल पट्टे के लिए निर्धारित न्यूनतम 0.075 हेक्टेयर क्षेत्र की सीमा समाप्त करने की मांग की। उन्होंने कहा कि छोटे भूखंडों के नियमितीकरण के लिए पॉलिसी लागू होने के बाद छह माह की छूट दी गई थी, लेकिन पर्याप्त प्रचार-प्रसार एवं जानकारी के अभाव में कई पात्र लोग इसका लाभ नहीं ले सके। उन्होंने मांग की कि न्यूनतम सीमा समाप्त होने तक 750 वर्ग मीटर से कम क्षेत्रफल वाले भूखंडों के नियमितीकरण में दी गई छूट जारी रखी जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके। कोठारी ने कहा कि वर्तमान में अधिकतम चार उप विभाजन की सीमा निर्धारित होने से भूखंड मालिकों एवं कॉलोनी विकास कर्ताओं को परेशानी हो रही है।

विजय दशमी पर अंजुमन कमेटी ने इस्तकबाल किया

भीलवाड़ा। उपनगर पुर में विजय दशमी के पावन पर्व पर गंगा-जमुनी तहज़ीब और आपसी भाईचारे की अनूठी मिसाल देखने को मिली। इस अवसर पर अंजुमन कमेटी आम मुसलमानान पुरश् के पदाधिकारियों ने शिव व्यायाम शाला (गणगौर घाट, पुर) के उस्ताद जगदीश विश्नोई का साफा बंधवाकर और माल्यार्पण कर आत्मीय स्वागत एवं नागरिक अभिनंदन किया। आयोजन के दौरान अंजुमन कमेटी के सदर रमज़ान मोहम्मद सोरगर ने कहा कि पुर की धरती हमेशा से हिंदू-मुस्लिम एकता और सांप्रदायिक सौहार्द की जीवंत प्रतीक रही है। यहां सभी समाज और वर्गों के लोग एक-दूसरे के तीज-त्योहारों व खुशियों में बढ़-चढ़कर शरीक होते हैं। त्योहार केवल किसी एक समुदाय विशेष तक सीमित न होकर समाज में परस्पर प्रेम, सम्मान और एकता को सुदृढ़ करने का सशक्त माध्यम हैं। ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और नई पीढ़ी को भी सद्भाव की प्रेरणा मिलती है। इस गरिमामय अवसर पर अंजुमन कमेटी के सदर रमज़ान मोहम्मद सोरगर, रोज़ीब खान, मुख्तियार अली सैयद, हैदर खां, उमर नीलगर, इकबाल अली सैयद, युसुफ मंसूरी, लतीफ नीलगर, मुबारिक हुसैन, अफजल मोहम्मद, चांद मोहम्मद नीलगर सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने उस्ताद जगदीश विश्नोई का अभिनंदन कर आपसी सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया।

अजमेर में अवैध सट्टे के कारोबार में 12 लोगों को पकड़ा

अजमेर। शहर में अवैध सट्टे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए कोतवाली थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 12 लोगों को मौके से पकड़ा। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान 1 लाख 45 हजार 390 रुपये की नकदी भी जब्त की । जानकारी के अनुसार, कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित होटल जैनको के तहखाने में कथित तौर पर अवैध रूप से सट्टे का कारोबार संचालित किया जा रहा था। इसकी जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। इस दौरान 12 लोगों को पकड़ा गया और उनके पास से 1 लाख 45 हजार 390 रुपये की नकदी जब्त की गई।पुलिस की कार्रवाई के बाद अवैध सट्टे के कारोबार से जुडे लोगों में हड़कंप मच गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

ज्वारा विसर्जन के दौरान मधुमक्खियों का हमला

भीम । उपखंड क्षेत्र के गोदाजी गांव में नवरात्र पर ज्वारा विसर्जन के दौरान मधुमक्खियों के हमले से 50 लोग घायल हो गए घायलों को ग्रामीणों की सहायता से भीम उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों की टीम ने सभी का प्राथमिक उपचार किया। तीन गंभीर घायलों को ब्यावर रेफर किया गया। गंभीर घायलों में ऊपरमालिया निवासी भंवरसिंह पुत्र तेजसिंह, कल्याणसिंह पुत्र डूंगरसिंह और गोदाजी का गांव निवासी सोहनसिंह पुत्र पन्नासिंह शामिल हैं। बताया गया कि ज्वारा विसर्जन के दौरान मौके पर 100 से अधिक श्रद्धालु मौजूद थे। घटना की सूचना पर भीम थाना अधिकारी सीआई दिलीप खदाव, नगर पालिका पार्षद प्रकाशसिंह, पूर्व सरपंच भूपेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग अस्पताल पहुंचे।

श्रीगंगानगर में खेत में हेरोइन का पैकेट मिला

श्रीगंगानगर । यहां भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे श्रीकरणपुर क्षेत्र में रात को खेत से 570 ग्राम हेरोइन का पैकेट बरामद किया गया है। जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब ढाई करोड़ रुपए बताई जा रही है।

ये कार्रवाई 118वीं बटालि यन बीएसएफ ने सीआईडी की सूचना पर की है । 118वीं बटालियन बीओपी के शेक्सरपाल बीएसएफ कमांडर पीके मीणा के नेतृत्व में बीएसएफ सीआईडी,और पुलि स की टीम ने सीमा क्षेत्र में तल ाशी अभियान चल ाया। इस दौरान 11 एफए गांव के एक खेत में पीले रंग का संदिग्ध पैकेट मिल ा। जांच में पैकेट से 570 ग्राम हेरोइन बरामद हुई । सूत्रों के अनुसार, इस कार्रवाई में नवनीत मीणा की अहम भूमिका रही। बीएसएफ और पुलि स ने संयुक्त रूप से तलाशी अभियान चलाया।

पत्थरों के नीचे दबने से श्रमिक की मौत

मसूदा (निसं)। मसूदा क्षेत्र में बुधवार को माइंस में काम करते समय पत्थरों के नीचे दबने से उदयपुर जिले के निवासी श्रमिक अजय मीणा की मौत हो गई। हादसा ग्राम पंचायत शेरगढ़ के समीप गेना सूबेदार की बाडिया स्थित माइंस में हुआ। घटना के बाद मृतक के छोटे भाई और अन्य श्रमिक आर्थिक सहायता एवं मुआवजे की मांग पर अड़ गए। पुलिस की समझाइश के बाद घायल श्रमिक को मसूदा उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, अजय पुत्र रमेश मीणा माइंस में काम कर रहा था। इसी दौरान अचानक पत्थरों के नीचे दबने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलने पर मसूदा पुलिस उपाधीक्षक शिवराज सिंह, एएसआई ओमप्रकाश और कांस्टेबल अशोक कुमार पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल पर मौजूद श्रमिकों से हादसे की जानकारी ली। हादसे के बाद मौके पर मौजूद मृतक के छोटे भाई और अन्य श्रमिकों ने आर्थिक सहायता की मांग उठाई। वे घायल को अस्पताल ले जाने से पहले सहायता दिए जाने की मांग पर अड़ गए। स्थिति को देखते हुए पुलिस उपाधीक्षक शिवराज सिंह ने श्रमिकों से समझाइश की और मामले को शांत कराया। इसके बाद ग्रामीणों के सहयोग से अजय को मसूदा उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया और मृतक के परिजनों को सूचना दी। गुरुवार को परिजनों के पहुंचने और रिपोर्ट मिलने के बाद पोस्टमार्टम करवाकर शव सौंपने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

हॉस्पिटल में डिजिटल एक्सरे मशीन शुरु

श्रीगंगानगर । एसएन सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं आधुनिक बनाते हुए प्रसिद्ध एलेंजर्स मेडिकल सिस्टम्स लि मिटेड कंपनी की नई डिजिटल रेडियोग्राफी अत्याधुनिक एक्सरे मशीन का शुभारंभ डायरेक्टर डॉ. जगदीश कस्वां ने किया। पूरी तरह से डिजिटल और आधुनिक तकनीक वाली इस कंपनी की मशीन क्षेत्र में पहली बार स्थापित की गई है। अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. आरएस निर्वाण ने बताया कि चिकित्सा के क्षेत्र में लगातार आ रहे आधुनिक बदलावों को देखते हुए अस्पताल में यह कदम उठाया गया है। इस नई मशीन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इससे पूरे शरीर का एक्सरे एक ही बार में आसानी से किया जा सकता है।

भीलवाड़ा के तीन तालाबों को वेटलैंड घोषित करने की मांग

भीलवाड़ा। शहर की प्राचीन विरासत ऐतिहासिक तालाबों को बचाने और उनके संरक्षण के लिए इंटेक भीलवाड़ा चैप्टर के कन्वीनर बाबूलाल जाजू एवं गौरव जाजू ने पहल करते हुए राजस्थान राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण के सदस्य सचिव बीजो जॉय से जयपुर शासन सचिवालय में रूबरू मुलाकात कर पत्र दिया और गांधीसागर झील (तेजाजी का तालाब), मानसरोवर झील (किशनावतो की खेड़ी का तालाब) तथा नेहरू तालाब (धाधोंलाई) को वेटलैंड (आर्द्रभूमि) के रूप में चिह्नित कर अधिसूचित करने की मांग की । जाजू ने जॉय से चर्चा के दौरान कहा कि भीलवाड़ा के ये तीनों तालाब 200 साल से भी अधिक पुराने हैं और शहर की ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। लेकिन आवंटन एवं अतिक्रमण के चलते इनका क्षेत्रफल कम हुआ है। तीनों तालाबों में हमारे धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होते आए हैं इसलिए समय रहते इनके संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि झीलें केवल जल संग्रहण का माध्यम नहीं हैं, बल्कि भूजल स्तर बनाए रखने, पर्यावरण संतुलन और लाखों पक्षियों के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। इनका संरक्षण होने से शहर की प्राकृतिक विरासत को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी। जाजू ने प्राधिकरण से आग्रह किया कि आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर तीनों झीलों को वेटलैंड के रूप में चिह्नित एवं अधिसूचित की जाए, ताकि इनके संरक्षण और पुनर्जीवन का रास्ता साफ हो सके। भीलवाड़ा की इन प्राचीन झीलों को बचाना शहर के पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए जरूरी है।

मतदान दलों का अंतिम प्रशिक्षण आयोजित

भीलवाड़ा। पंचायतराज आम चुनाव 2026 के तहत जिला परिषद सदस्यों एवं पंचायत समिति सदस्यों के प्रथम चरण का मतदान 22 अक्टूबर को आयोजित होगा।

मतदान की तैयारियों के तहत बुधवार को जिला निर्वाचन अधिकारी जसमीत सिंह संधू के निर्देशन में जिला मुख्यालय स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज में मतदान दलों का अंतिम प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान मतदान दलों को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

पुष्कर के घाटों पर व्यावसायिक आयोजनों पर रोक की मांग

- **तीर्थ पुरोहित संघ ने उपखंड अधिकारी को सौंपा ज्ञापन**
- **जयपुर घाट पर क्षतिठास्त कुंड हटाकर सीढ़ियां बनाने की मांग की**
- **प्रबंधन समितियों में प्रतिनिधित्व देने की उठाई मांग**

पुष्कर । पुष्कर के तीर्थ पुरोहित संघ की ओर से बुधवार को उपखंड कार्यालय में उपखंड अधिकारी गुरु प्रसाद तंवर को ज्ञापन सौंपकर पुष्कर सरोवर के घाटों पर व्यावसायिक आयोजनों पर रोक लगाने सहित तीन प्रमुख मांगें उठाई गईं। संघ ने तीर्थ की धार्मिक मर्यादा बनाए रखने के लिए घाटों पर निजी आयोजनों पर प्रतिबंध लगाने, जयपुर घाट के क्षतिग्रस्त कुंड को हटाकर वहां घाट का निर्माण करवाने तथा ब्रह्मा मंदिर और सरोवर प्रबंधन समितियों में तीर्थ पुरोहित संघ को प्रतिनिधित्व देने की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया कि पुष्कर सरोवर के घाटों पर बने कुंडों पर इवेंट कंपनियों की ओर से मोटी रकम लेकर निजी और व्यावसायिक आयोजन करवाए जा रहे हैं। 18 अक्टूबर 2026 को जयपुर घाट पर भी इस तरह का आयोजन किया जा रहा था, जिस पर तीर्थ पुरोहितों ने आपत्ति जताई थी। संघ का कहना है कि इस प्रकार के आयोजनों से तीर्थ की धार्मिक मर्यादा प्रभावित होती है।

ऐसे में पुष्कर सरोवर के घाटों और कुंडों पर व्यावसायिक आयोजनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। संघ ने जयपुर घाट पर बने क्षितठास्त कुंड का मुद्दा भी उठाया। ज्ञापन में बताया गया कि कुंड की स्थिति खराब होने के कारण उसमें पानी नहीं रुकता है। ऐसे में इस कुंड को हटाकर अन्य घाटों की तरह समानांतर सीढ़ियों का निर्माण करवाया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को सुविधा मिल सके। तीर्थ पुरोहित संघ ने ब्रह्मा मंदिर और पुष्कर सरोवर से संबंधित प्रबंधन समितियों में श्री तीर्थ गुरु पुष्कर पुरोहित संघ ट्रस्ट के पदाधिकारियों तथा स्थानीय ब्राह्मणों और तीर्थ पुरोहितों को उचित प्रतिनिधित्व देने की मांग की।

संघ का कहना है कि पुष्कर की धार्मिक परंपराओं, रीति-रिवाजों और मर्यादाओं की जानकारी स्थानीय तीर्थ पुरोहितों को है। ऐसे में तीर्थ से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णयों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। संघ ने उपखंड अधिकारी से तीनों मांगों पर शीघ्र कार्रवाई कर पुष्कर तीर्थ की धार्मिक मर्यादा और परंपराओं की रक्षा करने का आग्रह किया। इस दौरान तीर्थ पुरोहित संघ के अध्यक्ष पुष्कर नारायण आदली सहित संजय कुमार पाराशर, लखन सरवाडिया, राजन, कैलाश चंद पाराशर (बीनी), आशीष पाराशर, मोहित पाराशर, यश पाराशर, यश पाठक, नितिन पाराशर, रासु पाराशर, पीलू पाराशर, योगेंद्र पाराशर, शानू पाराशर, बसंत पाराशर सहित अन्य तीर्थ पुरोहित मौजूद रहे।

20 वां रिफ का आयोजन आज से मेहरानगढ़ में, गायिका कैमिला बोरेट भी आएंगी

- **छह महाद्वीपों के कलाकार बिखेरेंगे लोक संगीत के रंग**

जोधपुर । मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट के तत्वावधान में 20 वां जोधपुर रिफ (राजस्थान इंटरनेशनल फोक फेस्टिवल) 22 से 26 अक्टूबर तक मेहरानगढ़ दुर्ग में आयोजित होगा। इस वर्ष महोत्सव अपनी 20वीं वर्षगांठ मना रहा है। इसमें छह महाद्वीपों के कलाकार, एक दर्जन से अधिक देशों के संगीतकार और राजस्थान की समृद्ध लोक संगीत परंपराओं से जुड़े 250 से अधिक लोक कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। महोत्सव का आयोजन मुख्य संरक्षक पूर्व नरेश गजसिंह के संरक्षण में किया जाएगा । मेहरानगढ़ म्युजियम ट्रस्ट के अधिकारी कर्नल अजय सिंह शेखावत के अनुसार शरद पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होने वाला यह महोत्सव पिछले दो दशकों से दुनिया भर के लोक संगीत कलाकारों को एक मंच पर लाने का कार्य कर रहा है। इस बार कोलंबिया, चिली, पुर्तगाल, पोलैंड, स्कॉटलैंड और एस्टोनिया सहित विभिन्न देशों के कलाकार भाग लेंगे। यहां अलग-अलग संस्कृतियों और संगीत परंपराओं का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। राजस्थान के मंगणियार, लंगा, मेघवाल, भोपा, कालबेलिया, मीणा, भील सहित विभिन्न समुदायों के कलाकार महोत्सव की प्रमुख आकर्षण होंगे। इन कलाकारों की पारंपरिक लोक धुनें अंतरराष्ट्रीय संगीतकारों के साथ संवाद और सहयोग के नए अवसर भी तैयार करेंगी। महोत्सव के मुख्य संरक्षक पूर्व नरेश गजसिंह ने कहा कि जोधपुर रिफ अब राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। इसके माध्यम से राजस्थानी लोक कलाकारों को दुनिया भर में पहचान और सम्मान मिला है। महोत्सव के निदेशक दिव्य भाटिया ने कहा कि राजस्थानी कलाकार हमेशा से इस आयोजन की आत्मा रहे हैं। पिछले 20 वर्षों में महोत्सव ने ऐसा मंच तैयार किया है, जहां राजस्थानी कलाकार अपनी लोक परंपराओं को नए रूप में प्रस्तुत करते हैं। साथ ही राजस्थान, भारत और दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आए कलाकारों को एक-दूसरे के साथ संगीत के नए प्रयोग करने का अवसर मिलता है। जोधपुर रिफ के दौरान मेहरानगढ़ दुर्ग और आसपास के ऐतिहासिक स्थलों पर विभिन्न संगीत कार्यक्रम आयोजित होंगे। सुबह वीर दुर्गादास स्मारक पार्क में कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। जसवंत थड़ा पर सूर्योदय और चंद्रोदय के समय विशेष संगीत प्रस्तुतियां होंगी। चोकेलाव बाग में कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी, जबकि जनाना महल के प्रांगण में प्रतिदिन भव्य संगीत कार्यक्रम होंगे। इसके अलावा राव जोधा डेजर्ट लाउंज और सलीमकोट स्थित क्लब मेहरान में भी संगीत प्रेमियों को विभिन्न कार्यक्रमों का आनंद मिलेगा। ऐतिहासिक इमारतों और खुले प्रांगणों में होने वाली प्रस्तुतियां महोत्सव को विशेष पहचान प्रदान करेंगी। इस वर्ष महोत्सव में कई ऐसे अंतरराष्ट्रीय कलाकार भाग लेंगे, जो पहली बार भारत में प्रस्तुति देंगे। इनमें लैटिन अमेरिकी लोक संगीत से जुड़े कलाकार, ब्रिटेन के प्रसिद्ध बांसुरी और इलियन पाइप वादक माइकल मैकगोल्ड्रिक और डोनाल्ड शॉ, ठौमी पुरस्कार विजेता फंक संगीत से जुड़े कलाकार तथा ब्रॉडवे संगीत से जुड़ी प्रतिभाएं शामिल हैं। फ्रांसीसी ओपेरा गायिका कैमिला बोरेट भी अपनी प्रस्तुति देंगी। हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत गायिका स्मिता बेलूर और मांगणियार कमायचा वादक कोडे खान की प्रस्तुति में राजस्थान की महिला संगीत परंपराओं को विशेष रूप से प्रस्तुत किया जाएगा। महोत्सव में पद्मश्री अश्विनी भिड़े-देशपांडे जयपुर-अतरौली घराने की खयाल गायकी प्रस्तुत करेंगी।

पूर्व जिला परिषद सदस्य विमल चंद जैन भाजपा में शामिल

कोटा, (निसं)। पूर्व जिला परिषद सदस्य विमल चंद जैन भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। ऊर्जा मंत्री एवं विधायक सांगोद हीरालाल नागर, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा तथा रेड क्रॉस सोसायटी के चेयरमैन राजेश बिरला भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश जैन ने पार्टी का दुपट्टा पहनाकर विमल चंद जैन का भाजपा में स्वागत किया।

भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश जैन ने कहा कि विमल चंद जैन का कोटा शहर के साथ-साथ कोटा देहात के ग्रामीण अंचलों में लंबे समय से सक्रिय जनसंपर्क रहा है। राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय रहने के साथ-साथ उन्होंने सामाजिक सरोकारों को भी अपने दायित्व का हिस्सा मानते हुए निरंतर जनसेवा के कार्य किए हैं। पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्य हों या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र से संबंधित सेवा गतिविधियां, विभिन्न सामाजिक कार्यों में विमल चंद जैन की अग्रणी भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि विमल चंद जैन पूर्व में जिला परिषद कोटा के सदस्य के रूप में निर्वाचित होकर अपनी प्रभावी सेवाएं दें चुके हैं। जिला परिषद सदस्य के रूप में उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े विकास एवं जनहित के विषयों को प्राथमिकता के साथ उठाया और जनता के बीच सक्रिय रहकर कार्य किया।

अजमेर में वैदिक विधि से हुआ मां दुर्गा का विसर्जन, सुहागिनों ने खेला सिंदूर

अजमेर। गीतांजलि सांस्कृतिक एवं कल्याण समिति की ओर से वैशाली नगर स्थित दीनदयाल उद्यान, जनता कॉलोनी में आयोजित शारदीय दुर्गा पूजा महोत्सव के तहत 21 अक्टूबर को विजयादशमी पर विशेष पूजा-अर्चना की गई। भक्तों ने मंत्रोच्चार के साथ मां की परिक्रमा कर पुष्पांजलि अर्पित की और पूजा में हुई भूलों के लिए क्षमा मांगी। इसके बाद हल्दी के पवित्र जल में दर्पण विसर्जित कर वैदिक विधि से मां का विसर्जन किया गया।

पूजा के बाद सुहागिन महिलाओं ने मां को सिंदूर लगाया और मिठाई अर्पित कर दीर्घ सुहाग की कामना की। इसके बाद महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर, बधाई देकर और मुंह मीठा कराकर सिंदूर खेला की परंपरा निभाई। शाम 4:30 बजे सभी देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को जुलूस के साथ हर्षोल्लास से जल में विसर्जित किया गया। इस दौरान अगले वर्ष मां के शीघ्र आगमन की कामना की गई।

इसके अलावा विजयादशमी पर विश्व हिंदू परिषद अजमेर महानगर एवं प्रखंड-2 की ओर से पुष्कर रोड स्थित शास्त्री कॉलोनी के नाथ जी की बगीची, सोमनाथ धाम में शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम आश्रम के महंत गोवर्धन नाथ के सानिध्य में हुआ। संत-महात्माओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शस्त्र पूजन कर धर्म, राष्ट्र और समाज की रक्षा का संकल्प दोहराया।

प्रखंड-2 अध्यक्ष संदीप बंसल ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत ओंकार मंत्र और विजय मंत्र के उच्चारण से हुई। इसके बाद सोलह भुजा वाली मां नवदुर्गा की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पूजा की गई। वक्ताओं ने कहा कि विजयादशमी शक्ति, साहस और धर्म की विजय का प्रतीक है तथा शस्त्रों का उपयोग धर्म, न्याय और समाज की रक्षा के लिए होना चाहिए।कार्यक्रम में विहिप के प्रांत सह मंत्री एवं सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश किशन गुर्जर, प्रांत सत्संग प्रमुख अलका गौड़ और विभाग मंत्री लेखराज सिंह राठौड़ ने भी शस्त्रों की महत्ता पर विचार रखे।

मां दुर्गा की पूजा के बाद सुहागिन महिलाओं ने मां को सिंदूर लगाया और मिठाई अर्पित कर दीर्घ सुहाग की कामना की।

- **देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को जुलूस के साथ हर्षोल्लास से जल में विसर्जित किया गया। इस दौरान अगले वर्ष मां के शीघ्र आगमन की कामना की गई**

श्याम रंग में रंगा कोटपूतली : 40 वें श्री श्याम महोत्सव में उमड़ा आस्था का सैलाब

कोटपूतली, (निसं)। क्षेत्र में बुधवार को 40 वां वार्षिक श्री श्याम महोत्सव बेहद धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ शुरू हुआ। श्री श्याम शक्ति मंडल कोटपूतली ट्रस्ट के तत्वाधान में आयोजित इस महोत्सव में पूरा कोटपूतली शहर 'श्याम मय' नजर आया। चारों ओर श्याम बाबा के जयकारों की गूंज और भक्ति का अनूठा माहौल देखने को मिला।

40 वें श्री श्याम वार्षिक महोत्सव पर कोटपुतली में भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

1151 महिलाओं ने उठाई भव्य कलश यात्रा : महोत्सव का शुभारंभ बुधवार सुबह 10 बजे कस्बे के श्री लक्ष्मीनारायण देवस्थान परिसर से हुआ। मंदिर के महंत पं. श्रवण कुमार शर्मा ने विधिवत रूप से पूजा-अर्चना करवाकर विशाल कलश यात्रा को रवाना किया। इस यात्रा में मुख्य यजमान पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप जी कसाना रहे, जिन्होंने कलश पूजन संपन्न किया। यात्रा में 1151 महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण कर सहभागिता की। वे मंगल गीत गाती हुई मुख्य मार्गों से आगे बढ़ीं। बैंड-बाजे और भजनों की मधुर धुनों पर थिरकते हुए हजारों श्रद्धालु हाथों में श्याम बाबा का ध्वज (निशान) लिए चल रहे थे। यह यात्रा नगरपालिका तिराहा और मुख्य चौराहे से होती हुई राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित श्री श्याम मंदिर परिसर पहुँची, जहाँ स्थानीय जनता और जनप्रतिनिधियों द्वारा पुष्प वर्षा कर अभूतपूर्व स्वागत किया गया।

अद्भुत झांकियां और 56 भोग के दर्शन : मंदिर परिसर पहुंचकर श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम की अलौकिक 56 भोग झांकी के दर्शन किए। इसके बाद दोपहर में मंदिर प्रांगण से भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें देश के कोने-कोने से आई कलाकृतियां और झांकियां मुख्य आकर्षण रहीं। बंटी तिलकधारी (दिल्ली) द्वारा सजाई गई आकर्षक और मनमोहक सजीव झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। रथनुमा वाहनों में सजी राधा-कृष्ण और श्याम बाबा की झांकियों के आगे-आगे जयपुर का प्रसिद्ध जिया बैंड अपनी प्रस्तुतियां दे रहा था। भगवान गणेश द्वारा माता-पिता की परिक्रमा और हनुमान जी द्वारा श्री राम-लक्ष्मण की आरती करने वाली स्वचालित झांकियां आकर्षण का मुख्य केंद्र रहीं। नगर भ्रमण के दौरान कलाकारों ने विभिन्न भजनों पर नृत्य की शानदार प्रस्तुतियां दीं। इस भव्य नजारे और शानदार आतिशबाजी को देखने के लिए शहर में भारी भीड़ उमड़ पड़ी। महोत्सव के दौरान ट्रस्ट के अध्यक्ष श्याम लाल बंसल समेत पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना, पूर्व चेयरमैन महेंद्र सैनी, महेश बंसल, विजय गोयल, जगन दीवान, मनोज दीवान (महामंत्री), रमेश जिंदल, प्रदीप अग्रवाल, ख्यालीराम सैनी (उपाध्यक्ष), जगदीश सैनी (कोषाध्यक्ष), हीरालाल सैनी, शिम्भु सैनी, सुभाष चंद, महेन्द्र अग्रवाल, छाजुराम सैनी, कैलाश सैनी, जितेंद्र जोशी, योगेश पुजारी, सीताराम अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, पवन मोरीजावाला, रमेश सैनी (फूलवाला), सियाराम शर्मा, रजत जिंदल, भीम सैनी, राजू सैनी, सुभाष नारनोली, कमल गुप्ता, संजय मित्तल, घनश्याम अथोनिया, छाजूराम सैनी, बाबूलाल सैनी, हीरालाल सैनी, अरविंद सैनी, महेंद्र सैनी, श्रीराम सैनी, पवन मोरीजावाला समेत हजारों की संख्या में श्याम भक्त उपस्थित रहे।

अलवर : रोडवेज बस की टक्कर से सेकंड ग्रेड अध्यापिका की मौत

जयपुर रोड पर जयंती फार्म हाउस के पास हादसा, छुट्टी के बाद घर लौट रही थीं अध्यापिका; चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग

अध्यापिका अंबाला सोनी

मौके पर जमा भीड़ से समझाइश करती पुलिस।

अलवर (निसं)। शहर के अरावली विहार थाना क्षेत्र में जयपुर रोड स्थित जयंती फार्म हाउस के पास रोडवेज बस की टक्कर से एक सेकंड ग्रेड अध्यापिका की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने सड़क पर शव रखकर जाम लगा दिया और जिम्मेदार चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। स्थानीय लोगों के अनुसार, मृतका की पहचान अंबाला सोनी के रूप में हुई है। वह भाखेड़ा में अध्यापन कार्य करती थीं। स्कूल की छुट्टी के बाद वह अपने घर लौट रही थीं। इसी दौरान जयपुर रोड पर जयंती फार्म हाउस के पास रोडवेज बस की चपेट में आ गईं।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि उनका हेलमेट भी चकनाचूर हो गया और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना से नाराज लोगों ने सड़क पर शव रखकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने हादसे की जांच कराने और जिम्मेदार चालक के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की। सड़क जाम होने से मार्ग पर आवागमन प्रभावित हुआ। फिलहाल घटना के संबंध में पुलिस की कार्रवाई और आधिकारिक जानकारी का इंतजार है।

सार-समाचार

अवैध हथियार लेकर घुमते तीन आरोपी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाये जा रहे अवैध हथियारों की रोकथाम के तहत देवली वृताधिकारी मदनलाल एवं थानाधिकारी देवली प्रीति रत्नु के नेतृत्व में गठित थाना टीम ने बीती रात्रि गश्त के दौरान देवली कस्बा सीआईएसएफ गेट जयपुर रोड के पास तीन आरोपियों को अवैध धारदार हथियार लेकर घुमते हुये पाये जाने पर गिरफ्तार कर उनके कब्जे से धारदार तलवार जप्त कर उनके खिलाफ आर्म्स एक्ट मे प्रकरण दर्ज किया गया । इस कार्यवाही में आरोपी धनराज दीक्षित बाबू पुत्र चरणदास हरिजन उम्र 24 साल, महावीर दीक्षित काना पुत्र सिकंदर तेजी उम्र 22 साल, राकेश पुत्र घीसा बलाई उम्र 24 साल निवासी हरिजन बस्ती कस्बा देवली को गिरफ्तार किया गया है।

निवाई के गुरु भक्तों ने दिल्ली में पिच्छिका के लिए भेंट किए पंख

निवाई (निसं)। जैन समाज के श्रद्धालुओं ने भारत की राजधानी दिल्ली के जंगपुरा भोगल में विराजमान मुनि अनुसरण सागर महाराज को 5 पिच्छिकाओं के लिए मोरपंख भेंट किए है। जिसमें गुरु भक्त सुनील भाणजा, हितेश छाबड़ा, विमल जौंला, एवं किशु जैन को भारत की राजधानी दिल्ली में दिगम्बर जैन संतों को पंख भेंट करने का सौभाग्य मिला, इस दौरान ऋषभ विहार दिल्ली में आचार्य विशुद्ध सागर महाराज संघ एवं सूर्य नगर दिल्ली में विराजमान आर्यिका सुज्ञानीमति माताजी संघ के दर्शन करके संतों का आशिर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान मुनि अनुसरण सागर महाराज ने भ्रमण के दौरान निवाई के गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि अहिंसा विनय, सेवा व समर्पण ही सच्ची सेवा है। दिगम्बर जैन संतों की सेवा करना ही सच्ची सेवा है।

गांव के विकास के साथ महिला उत्थान कार्य जरूरी :मीरा योगी

अलवर (निसं)। मालाखेडा पंचायत समिति की खारेडा-बडेरै पंचायत से सरपंच पद के लिए चुनाव लड रही श्रीमती मीरा योगी ग्राम विकास के साथ महिला उत्थान के विजन को लेकर चुनाव मैदान में उतरी है। मीरा योगी का कहना है कि वे पढी लिखी जाग्रत महिला है और गांव का विकास का विजन ही उन्हें चुनाव मैदान में उतार लाया है उनका कहना है वे गांव की मूलभूत सुविधा बिजली,पानी,सडक, शिक्षा के साथ साथ महिला उत्थान पर कार्य करेगी ताकि यहां महिलाओं की स्थिति मे सुधार हो गांव में महिलाओं को अगर प्रसव हो तो उन्हें यहा कोई सुविधा नही है गांव में उनका ईलाज हो इसके लिए वे यहां की डिस्पेन्सरी में गायनिका वार्ड और जनरल वार्ड बनवाने का प्रयास करेगी ताकि यहां के ग्रामीणों को ईलाज के लिए मालाखेडा या अलवर ना जाना पडे साथ ही वे ग्रामीण महिलाओं के शहर आदि जाने के लिए वाहनी चालू करवाएगी ताकि महिलाओं को कही आने जाने के लिए किसी प्रकार की समस्या ना हो। उनके इस विजन को देखकर गांव की माहिलाएं और ग्रामीण प्रभावित है ग्रामीणो का कहना है गांव का विकास पढा लिखा इंसा नही कर सकता है जिसकी सोच विकास करने की हो वे इसी प्रकार का सरपंच चाहते है जो गांव की भलाई सोचे और यहां चहुमुखी विकास करे।

जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन में हुआ ईवीएम का रेंडमाइजेशन

टोंक (निसं)। पंचायती राज आम चुनाव 2026 के अंतर्गत जिले की समस्त 8 पंचायत समितियों के समस्त चरणों के लिए बुधवार को ईवीएम मशीनों का प्रथम रेंडमाइजेशन जिला निर्वाचन अधिकारी टीना डाबी के निर्देशन में, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुआ। वही जिले में पंचायतीराज आम चुनाव के तृतीय चरण के तहत जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के नाम निर्देशन की प्रक्रिया के दूसरे दिन प्राप्त नाम निर्देशन पत्रों की स्थिति के अनुसार जिला परिषद सदस्य के लिए 1 नाम निर्देशन पत्र प्राप्त हुआ हैं। सांख्यिकी प्रकोष्ठ के प्रभारी अधिकारी रामजीलाल शर्मा ने बताया कि पंचायत समिति सदस्यों के लिए पीपलू में 6, पचेवर में 8, मालपुरा में 5, देवली में 1 एवं उनियारा में 5 कुल 25 नाम निर्देशन प्राप्त हुए।

कल्याण धाम डिग्गी पदयात्रा की तैयारियां जोर-शोर पर

निवाई (निसं)। श्री कल्याण पैदल यात्रा संघ के तत्वावधान में निवाई से 45वीं विशाल कल्याण धाम पदयात्रा शनिवार को रवाना होगी। जिसकी तैयारियां जोर शोर पर की जा रही है। पद यात्रा संघ के कपिल खंडेलवाल व सतीश चौधरी ने बताया कि निवाई से श्री डिग्गी धाम के लिए 24 अक्टूबर को विशाल पदयात्रा जुलूस के साथ रवाना होगी। उन्होंने बताया कि 24 अक्टूबर को दोपहर में गांव बगड़ी में पदयात्रा का विश्राम रहेगा। शाम को 7 बजे श्री शिवाय मंदिर में महाप्रसादी एवं रात्रि जागरण का आयोजन होगा। 25 अक्टूबर को सुबह 5 बजे बोरखंडी बालाजी मंदिर में अल्पाहार होगा। 10 बजे लावा स्कूल में प्रसादी एवं शाम को डिग्गी जाट धर्मशाला में महाप्रसादी व रात्रि विश्राम होगा। 26 अक्टूबर को सुबह 7 बजे डिग्गी में विशाल ध्वज जुलूस निकाला जाएगा एवं कल्याण महाराज के दर्शन करके सुबह 11 बजे जाट धर्मशाला में महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा।

गीता एमपी पटेल का बडेर गांव में स्वागत

अलवर (निसं)। भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर मालाखेडा के वार्ड 14 से पंचायत समिति सदस्य डायरेक्टर के पद पर चुनाव लड रही गीता एमपी पटेल का उनके क्षेत्र में ग्रामीणों द्वारा भव्य स्वागत किया जा रहा है जिससे यहां भाजपा की स्थिति मजबूत होती जा रही है। गीता पटेल का आज गीता पटेल अपने समर्थको के साथ प्रचार के लिए गांव बडेर पहुंची जहां जाटव समाज में उनका भव्य स्वागत किया और उन्हें भारी मतों से विजयी बनाने का आश्वासन दिया।

दौसा : सही माप-तौल के लिए विशेष जांच अभियान

दौसा (निसं.)। उपभोक्ताओं को सही माप-तौल उपलब्ध कराने के लिए चलाए जा रहे विशेष जांच अभियान के तहत बुधवार को भांडारेज टोल प्लाजा पर कार्रवाई की गई। जांच के दौरान वाहनों का वजन मापने के लिए स्थापित चलते वाहनों का वजन मापने वाले उपकरण और स्थिर धर्मकांटा का सत्यापन नहीं पाया गया। इस पर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे स्थित भांडारेज टोल प्लाजा पर कुल 1 लाख 40 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। विधिक माप विज्ञान अधिकारी नीरज वर्मा ने बताया कि उपभोक्ता मामले विभाग के निर्देश पर जिले में विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 21 अक्टूबर को सिकंदरा और भांडारेज टोल प्लाजा की जांच की गई। विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 के तहत की गई जांच में भांडारेज टोल प्लाजा पर वजन मापने वाले दोनों उपकरणों का निर्धारित सत्यापन नहीं पाया गया। इस पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जुर्माना लगाया गया। विधिक माप विज्ञान अधिकारी ने बताया कि उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा करने और सही माप-तौल सुनिश्चित करने के लिए जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा।

- टोल प्लाजा पर वजन मापने वाले उपकरणों में अनियमितता मिली, 1.40 लाख रुपये का जुर्माना
- भांडारेज टोल प्लाजा पर वजन मापने के दोनों उपकरण बिना सत्यापन के मिले

जांच अभियान के तहत भांडारेज टोल प्लाजा पर कार्रवाई की गई।

दो धर्म कांटों पर 19 हजार रुपए का जुर्माना

अलवर(निसं)। उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा और व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर माप-तौल संबंधी नियमों की पालना सुनिश्चित करने के लिए उपभोक्ता मामले विभाग, राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार विधिक मापविज्ञान अधिनियम, 2009 के तहत औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं पाए जाने पर दो धर्म कांटों पर कुल 19 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। विधिक मापविज्ञान अधिकारी बृजेश सेठी ने बताया कि अभियान के तहत जिले के विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर माप-तौल संबंधी नियमों की पालना की जांच की जा रही है। इसी क्रम में चार धर्म कांटों का निरीक्षण किया गया। इनमें राजगढ़ रोड स्थित श्री अमन धर्म कांटा और पूजा धर्म कांटा पर अनियमितताएं पाए जाने पर प्रत्येक प्रतिष्ठान पर 9,500 रुपए, यानी कुल 19 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया।

लालसोट में 9 दिन रामकथा कार्यक्रम

लालसोट (निसं)। धर्म, भक्ति और सनातन संस्कृति की चेतना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से लालसोट में श्रीराम कथा ज्ञान रस का भव्य आयोजन किया जा रहा है। 23 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस धार्मिक आयोजन में प्रभु श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा, त्याग और धर्म के मार्ग का संदेश श्रद्धालुओं तक पहुंचेगा। आयोजन को लेकर क्षेत्र के धर्मप्रेमियों में उत्साह का माहौल है। वैद्यनाथ तड़केश्वर बजरंग सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित कथा का वाचन श्री विष्णुकांत शास्त्री करेंगे। कथा प्रतिदिन दोपहर 12:15 बजे से शाम 4:15 बजे तक आयोजित होगी। कथा स्थल श्री तड़केश्वर हनुमान मंदिर, नगर परिषद के सामने, बाला वाला कुआं, नेहरू कॉलोनी, लालसोट रहेगा आयोजन के तहत शुक्रवार, 23 अक्टूबर को महाकाली मंदिर, लालसोट से कलश यात्रा निकाली जाएगी। श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में निकलने वाली यह यात्रा कथा स्थल तक पहुंचेगी।

दौसा : 15 प्रत्याशियों ने 19 नामांकन दाखिल किये

- भाजपा एवं कांग्रेस की सूची जारी होने का इंतजार

दौसा (निसं)। दौसा पंचायत समिति के 21 वार्ड के लिए बुधवार को 13 प्रत्याशियों ने 17 नामांकन दाखिल किये, अब तक 15 प्रत्याशी 19 नामांकन दाखिल कर चुके है। इधर गुरुवार को भाजपा एवं कांग्रेस के संभावित प्रत्याशियों की सूची जारी होने की संभावना व्यक्त की जा रही है, जिसके चलते यह माना जा रहा है कि गुरुवार एवं शुक्रवार को नामांकन दाखिल करने वाले प्रत्याशियो की भीड रहेगी। दौसा पंचायत समिति के 21 वार्डो के लिए 19 अक्टूबर से नामांकन प्रक्रिया शुरु हो चुकी है। 19 अक्टूबर को मात्र 2 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किये थे। दशहरा के अवकाश के बाद जा कांग्रेस, भाजपा एवं निर्दलीय प्रत्याशी के रुप में 13 प्रत्याशियों ने 17 नामांकन दाखिल किये। नामांकन प्रक्रिया के दौरान प्रत्याशी अपने समर्थको के साथ जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे, कलेक्ट्रेट पर भारी पुलिस जाप्ता तैनात होनें के कारण समर्थको को कलेक्ट्रेट के बाहर ही रोक दिया। उधर रिर्टरिंग अधिकारी संजू मीणा ने नामांकन दाखिल करने वालो को किसी की प्रकार की असुविधा नही हो इसके लिए विभिन्न काउंटर लगा रखे है, जहां पर नामांकन की राशि जमा कराने, नामांकन की जांच, नामांकन भरने वाले प्रत्याशियो को सम्पूर्ण जानकारी देने सहित अन्य काउंटर भी लगा रखे है। नामांकन भरने वाले प्रत्याशियो को इस सभी काउंटर से गुजरने के बाद सही नामांकन पाये जाने पर उन्हे टोकन दिया जाता है ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा नही हो।

कांग्रेस एवं भाजपा की सूची का इंतजार: भाजपा एवं कांग्रेस ने अभी तक पंचायत समिति सदस्यो की अधिकृत सूची जारी नही की है, अधिकांश प्रत्याशियो को सूची जारी होने का इंतजार है।

टोरडी के ग्रामीणों ने पंचायत चुनाव के बहिष्कार की घोषणा की

टोरडी को ग्राम पंचायत रामनगर धतूरी में जोड़ने का विरोध, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

निवाई (निसं)। गांव टोरडी को ग्राम पंचायत रामनगर धतूरी में जोडऩे से आक्रोशित ग्रामीणों ने पंचायतराज चुनाव का बहिष्कार करने को लेकर एसडीएम गंभीर सिंह को ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत परिसीमन के दौरान गांव टोरडी को ग्राम पंचायत रामनगर धतूरी में जोड़ दिया गया है। जबकि ग्रामीणों ने परिसीमन के दौरान इसका विरोध किया था।

- ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत परिसीमन के दौरान गांव टोरडी को ग्राम पंचायत रामनगर धतूरी में जोड़ दिया गया है

उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए टोरड़ी के ग्रामीण।

सभी ग्रामीणों ने गांव को बड़ा गांव ग्राम पंचायत में ही यथावत रखने की मांग की थी। इसको लेकर एसडीम, तहसीलदार व जिला कलेक्टर को भी ज्ञापन सौंपा गया था। लेकिन प्रशासन ने ग्रामीणों की मांग को स्वीकार नहीं किया जिससे ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए ग्राम पंचायत चुनाव के बहिष्कार की घोषणा करते हुए एसडीएम को ज्ञापन सौंपा है।

सांभर में रावण, मेघनाद व कुंभकरण के पुतलों का दहन

सांभरझील, (निसं)। नीम रोड स्थित खेल स्टेडियम में दशहरा पर्व पर रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलों का दहन किया गया। सांभर सहित आसपास के गांवों से भी भारी तादाद में लोग देखने पहुंचे। इससे पहले बाहर के कलाकारों की ओर से राम की लीलाओं का जीवंत मंचन किया गया।

आवागमन के मद्देनजर दोनों और सड़क के किनारे पर खड़े होकर चाट पकौड़ी, खेल खिलौने बेचने वालों को दूसरी साइड खड़ा किया गया। रामलीला अभिनय समिति में राम, लक्ष्मण, सीता, खरदूषण, सुपर्णखा, जटायु, हनुमान आदि की भूमिकाओं को जीवंत स्वरूप में प्रदर्शित करने वाले सभी कलाकारों का मंच से अभिवादन कर उनका शुक्रिया अदा किया गया। रामलीला अभिनय समिति में पर्दे के पीछे से भूमिका अदा करने व योगदान वाले बृजेश गट्टानी, पंडित रतनलाल शर्मा, सुनील टेलर के अलावा बाल कलाकारों की ओर से भी अपनी प्रभावी भूमिका निभाई गई। रावण दहन के दौरान आकर्षक आतिशबाजी ने लोगों का दिल खुश कर दिया।

लोगों का कहना था कि हमने इतनी शानदार आतीशबाजी हमारी जिंदगी में पहली बार देखी है। बहुत से लोगों का तो यह भी कहना था कि हमने तो सांभर में ऐसा शानदार मेला इससे पहले कभी नहीं देखा। सब लोगों ने मेला व्यवस्था कमेटी की ओर से बेहतर प्रबंधन के लिए प्रशासन, पालिका प्रशासन व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस का भी साधुवाद प्रकट किया गया।

प्रथम चरण के लिए 651 मतदान दल रवाना, 5.58 लाख मतदाता करेंगे मतदान

प्रथम चरण में कठूमर, रैणी, गोविंदगढ़, खेड़ली-सौंखर, रामगढ़ और मुबारिकपुर पंचायत समितियों में आज सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान होगा

अलवर,(निसं)। पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के प्रथम चरण के मतदान के लिए मंगलवार को जिला मुख्यालय स्थित बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय परिसर से 651 मतदान दलों को मतदान सामग्री, ईवीएम और मतपेटियों के साथ निर्धारित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आर्तिका शुक्ला ने मतदान कार्मिकों का हौसला बढ़ाते हुए स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त चुनाव संपन्न कराने के निर्देश दिए। इस दौरान चुनाव पर्यवेक्षक राकेश राजोरिया मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान कार्मिकों का हौसला बढ़ाते हुए स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त चुनाव संपन्न कराने के निर्देश दिए।

प्रथम चरण में कठूमर, रैणी, गोविंदगढ़, खेड़ली-सौंखर, रामगढ़ और मुबारिकपुर पंचायत समितियों में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के लिए 22 अक्टूबर को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। वहीं, संबंधित 205 ग्राम पंचायतों में सरपंच और पंच पदों के लिए 24 अक्टूबर को मतदान कराया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की सख्ती से पालना की जाए। चुनाव को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए प्रशासन, पुलिस, जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट की व्यवस्था की गई है। चुनाव को प्रभावित करने वाली किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई के लिए अवगत कराने के निर्देश दिए गए।

5.58 लाख से अधिक मतदाता करेंगे मतदान: प्रथम चरण में कुल 5,58,434 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 2,95,421 पुरुष, 2,63,010 महिलाएं और तीन ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। जिला परिषद के 19 वार्डों और छह पंचायत समितियों के 112 वार्डों में सदस्य पदों के लिए कुल 497 अभ्यर्थी चुनाव मैदान में हैं। मतदान दलों में रामगढ़ के 93, कठूमर के 135, खेड़ली-सौंखर के 74, गोविंदगढ़ के 93, मुबारिकपुर के 82 और रैणी के 174 दल शामिल हैं। चुनाव पर्यवेक्षक ने रवानगी स्थल की व्यवस्थाओं और ईवीएम स्ट्रांग रूम का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

जेल में बंदियों को निःशुल्क सहायता और सुनवाई के अधिकार बताए

शिविर में बंदियों को उनके विधिक अधिकारों की जानकारी दी गई।

किशनगढ़ बास(निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में बुधवार को किशनगढ़ बास उपकारागृह में विचाराधीन बंदियों के लिए विशेष विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश शैलेंद्र व्यास के आदेशानुसार तथा सचिव अजीत कूड़ी के निर्देशानुसार लगाया जाकर जेल लीगल एड क्लीनिक के तहत 194 बंदियों को उनके विधिक अधिकारों की जानकारी दी गई। शिविर में पैरालीगल वॉलंटियर (पीएलवी) सूरजभान कछवाहा ने बंदियों को जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक व्यक्ति को कानून के तहत अपने अधिकारों की जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने ने बताया आर्थिक स्थिति कमजोर होने पर भी कोई व्यक्ति न्याय से वंचित न रहे, इसके लिए पात्र व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सहायता का प्रावधान है। बंदी अपने प्रकरणों में पैरवी के लिए निःशुल्क अधिवक्ता की सहायता प्राप्त कर सकते हैं। शिविर में बंदियों को गिरफ्तारी के दौरान कानूनी प्रक्रिया, पुलिस हिरासत की समय-सीमा, जमानत संबंधी प्रावधान तथा न्यायालय में चालान पेश करने की निर्धारित समय-सीमा के बारे में भी बताया गया। इसके साथ उन्हें बताया गया कि निर्धारित अवधि में आरोप पत्र दाखिल नहीं होने पर वैधानिक जमानत का अधिकार बनता है। साथ उन्हें जमानतीय अपराधों में जमानत और नियमित जमानत की प्रक्रिया भी समझाई गई। पीएलवी ने बंदियों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, चिकित्सा सुविधा, मुकदमे की शीघ्र सुनवाई, अधिवक्ता से परामर्श, निःशुल्क विधिक सहायता तथा नियमानुसार पारिश्रमिक जैसे अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पंचायती राज चुनाव में कमल खिलाना है

डबल इंजन की सरकार का सुशासन
34 माह में किए काम

VS

कमजोर कांग्रेस का कुशासन
5 साल में किए काम

विषय	भाजपा सरकार	कांग्रेस सरकार
नहरी तंत्र से सृजित सिंचाई सुविधा	1,42,000 हेक्टेयर	52,182 हेक्टेयर
स्कूली विद्यार्थियों को साइकिल वितरण	13,85,000 साइकिल वितरित	10,36,000 साइकिल वितरित
छात्राओं को स्कूटी वितरण	45,986 स्कूटी	21,136 स्कूटी
सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी	12,552 सीसीटीवी	2,813 सीसीटीवी
नवीन सड़कों के निर्माण पर व्यय	9,704 करोड़ रुपये	6,910 करोड़ रुपये
सौर ऊर्जा से उत्पादन क्षमता में कुल वृद्धि	28,303 मेगावाट	15,000 मेगावाट
खेतों पर तारबंदी	445 लाख मीटर	113 लाख मीटर
स्वामित्व कार्ड वितरण	16.77 लाख	1.75 लाख
राजकीय महाविद्यालयों के भवन निर्माण	229	57

पंचायती राज चुनाव - 2026

ग्राम विकास संकल्प पत्र

गांव केवल लाभार्थी नहीं, विकास का केंद्र बनें - हर गांव के लिए प्रमुख गारंटियाँ

हर ग्राम पंचायत में
₹5 करोड़
के विकास कार्य औसतन, आगामी 5 वर्षों में

ATUL

किसान सम्मान
₹12,000
हर साल किसान सम्मान निधि

दिन में बिजली
सिंचाई के लिए, सभी जिलों में

पशुपालन व डेयरी
20,000
नई डेयरी सहकारी समितियाँ

₹8,000
मातृ वंदना सहायता (₹5,000 से बढ़कर)

₹1,500/माह
विधवा व परित्यक्ता पेंशन

1.5%
वार्षिक ब्याज पर ₹ 1.5 लाख तक ऋण लखपति दीदियों को

₹ 10,000 करोड़
स्वयं सहायता समूहों को बैंक ऋण

25,000
सोलर दीदी का नया कैडर

25 लाख
महिलाओं को लखपति दीदी बनाने की प्राथमिकता

हर घर नल से जल
100%
हर ग्रामीण परिवार तक नल से जल

₹91,000 करोड़
राम जल सेतु - 17 जिलों को पेयजल

₹34,102 करोड़
यमुना जल-शेखावाटी को पानी

रोडवेज़ बस
पंचायत से जिला मुख्यालय तक

50,000+ गांव
सर्व-ऋतु सड़क से जोड़ने का लक्ष्य

स्वास्थ्य केंद्र
हर पंचायत में डॉक्टर व दवाइयाँ

तीर्थ यात्रा
बुजुर्गों के लिए मुफ्त

10 लाख
रोज़गार-सरकारी व निजी क्षेत्र में

1.93 लाख
सरकारी नियुक्तियाँ दी
410 भर्ती परीक्षाएं बिना पेपरलीक

सीनियर सेकेंडरी
स्कूल हर ग्राम पंचायत में

अटल ज्ञान केंद्र
इंटरनेट व डिजिटल लाइब्रेरी, हर पंचायत में

कमल का बटन दबाएं भाजपा को जिताएं

भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान कुछ रिकॉर्ड अपने नाम करने का मौका है। मैं एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन सकता हूं।
– ईशान किशन

भारतीय खिलाड़ी, टी-20 इंटरनेशनल में रन बनाने को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▸ अमित मिश्रा

दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के 2027 सत्र से पहले भारतीय टीम के पूर्व स्पिन गेंदबाज अमित मिश्रा को स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। आईपीएल में शानदार खिलाड़ी के रूप में पहचान बनाने वाले मिश्रा पहली बार कोच की भूमिका में नजर आएंगे। अमित मिश्रा ने पिछले साल सितंबर में पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लिया था। उन्होंने आईपीएल में 162 मुकाबले खेले और 174 विकेट हासिल किए। वह इस टूर्नामेंट के इतिहास में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में शामिल हैं। उनके नाम आईपीएल में सबसे अधिक तीन हैट्रिक लेने का रिकॉर्ड भी दर्ज है।

क्या आप जानते हैं ?... एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा बार 200 रनों का स्कोर बनाने का रिकॉर्ड भारत के नाम दर्ज है।

जयपुर ने आरपीसी को 11-4.5 से हराया

जयपुर, 21 अक्टूबर। जयपुर पोलो सीजन 2026 के तहत बीएम बिड़ला कप (04 गोल्स) टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में टीम जयपुर ने आरपीसी को 11-4.5 गोल से हराकर शानदार शुरुआत की। राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर खेले गए इस मुकाबले में डीनो धनखड़ ने पांच गोल दागे। महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने तीन, विश्वराज सिंह राठौड़ ने दो और अनय शाह ने एक गोल किया। आरपीसी की ओर से शुभम गुप्ता ने दो और योगेश्वर सिंह ने एक गोल किया। आरपीसी को मुकाबले में 1.5 गोल का शुरुआती एडवांटेज मिला था।

आज आरपीसी और मेफेयर पोलो के बीच मुकाबला – टूर्नामेंट का अगला मैच गुरुवार को टीम आरपीसी और टीम मेफेयर पोलो के बीच शाम 4:30 बजे राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर खेला जाएगा।

सी.के. नायडू ट्रॉफी : राजस्थान ने बंगाल के खिलाफ बनाई बढ़त

जयपुर, 21 अक्टूबर। जयपुरिया ग्राउंड पर राजस्थान और बंगाल के बीच खेली जा रही अंडर-23 सीके नायडू ट्रॉफी के मुकाबले के तीसरे दिन राजस्थान ने दूसरी पारी में सात विकेट पर 250 रन बना लिए। पहली पारी में पिछड़ने के बाद राजस्थान ने दूसरी पारी में संघर्षपूर्ण प्रदर्शन किया। राजस्थान की टीम पहली पारी में 152 रन पर ऑलआउट हो गई थी। इसके जवाब में बंगाल ने पहली पारी में 358 रन बनाए और 206 रन की बढ़त हासिल की। राजस्थान की दूसरी पारी में मिनाफ शेख ने 63 रन बनाए। पार्थ यादव ने 37 और करण सिंह ने 24 रन का योगदान दिया। हिमांशु नेहरा ने 17 रन बनाए। अंकित कुमार 50 और आयुष अमेरिया 46 रन बनाकर नाबाद रहे। बंगाल की ओर से युधाजित गुहा और इमरान ने दो-दो विकेट हासिल किए। इससे पहले राजस्थान की पहली पारी में गेंदबाजी करते हुए हिमांशु नेहरा ने 55 रन देकर तीन और दीपेंद्र सिंह ने 117 रन देकर तीन विकेट लिए। अंकित कुमार, आयुष अमेरिया, राहुल चौधरी और करण सिंह ने एक-एक विकेट हासिल किया। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक राजस्थान के सात विकेट शेष नहीं, बल्कि तीन विकेट शेष थे। टीम बंगाल की पहली पारी की बढ़त को पार करने की कोशिश में जुटी हुई थी।

सीकर में राज्य सब-जूनियर बैडमिंटन चैम्पियनशिप का आगाज

सीकर, 21 अक्टूबर। राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वावधान में राज्य सब-जूनियर अंडर-11 एवं अंडर-13 बैडमिंटन चैंपियनशिप 2026 का आयोजन सीकर के लोसल स्थित शेखावाटी पब्लिक स्कूल में 21 से 26 अक्टूबर तक किया जा रहा है। प्रतियोगिता के पहले दिन बालक-बालिका एकल और युगल वर्ग के क्वालिफाइंग मुकाबले खेले गए। युवा खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की।

अंडर-13 बालक एकल में निखिल, सिद्धार्थ और हर्षित जीते – अंडर-13 बालक एकल वर्ग में निखिल ने हेत्विक जांगिड़ को 15-7, 15-11 से, सिद्धार्थ धादिच ने मनवित को 15-2, 15-4 से और हर्षित चौधरी ने कनिष्क अग्रवाल को 15-8, 15-7 से हराया। जतिन गुप्ता ने युवेन प्रताप को तीन गेम तक चले मुकाबले में 13-15, 15-6, 15-10 से पराजित किया। लक्ष्य जैन ने माधव को 15-1, 15-2 से, नितिन सिंह तरागी ने नैतिक खोलवाड़ को 15-5, 15-8 से और कोविद चौधरी ने अक्षत भैपलावत को 15-11, 15-13 से हराया। एकांश सिंह ने निशांत खोलवाड़ को 15-11, 15-12 से तथा समव्रित गुप्ता ने उत्कर्ष सांखला को 15-10, 16-14 से शिकस्त दी। दूसरे क्वालिफाइंग राउंड में दक्ष ने कनिष्क को 15-7, 15-5 से, वेदांश ओड ने हियान पुरोहित को 15-10, 15-13 से और शालिन चौधरी ने अर्शबीर सिंह अरोड़ा को 6-15, 15-13, 15-11 से हराया।

अंडर-13 बालिका एकल में गीत, यशिता और परुल ने दर्ज की जीत – बालिका एकल वर्ग में गीत शर्मा ने गर्गी चौधरी को 15-8, 15-7 से और यशिता स्वामी ने सिया कंवर को 15-5, 15-5 से हराया। परुल चौधरी ने अंजलि को 16-18, 15-7, 15-9 से तथा प्रतिष्ठा अठावाल ने प्रियंशी सोनी को 7-15, 15-7, 15-10 से पराजित किया। अविका मीणा ने हर्षिता को 15-5, 15-8 से, भव्या अग्रवाल ने शैलजा वर्मा को 15-8, 15-13 से और कनन यादव ने यशिका जैन को 15-6, 15-8 से हराया। आध्या चौधरी ने दक्षिता शर्मा को 15-12, 15-7 से शिकस्त दी।

2027 वनडे वर्ल्ड कप में उम्र नहीं, प्रदर्शन से तय होगा रोहित-विराट का चयन : मनहास

शुभमन गिल की कप्तानी में सीनियर खिलाड़ियों का अनुभव आएगा काम, लगातार अच्छे प्रदर्शन पर दिया जोर

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मनहास ने कहा है कि 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के लिए विराट कोहली और रोहित शर्मा के चयन का आधार उनकी उम्र नहीं, बल्कि फिटनेस और प्रदर्शन होगा। दोनों सीनियर बल्लेबाजों को टीम में जगह बनाने के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में अक्टूबर-नवंबर 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप को लेकर दोनों दिग्गज खिलाड़ियों की भूमिका पर चर्चा तेज है। अप्रैल 2027 में रोहित शर्मा 40 वर्ष के हो जाएंगे, जबकि विराट कोहली वर्ल्ड कप के दौरान 38 वर्ष के होंगे। ऐसे में टीम में उनकी जगह को लेकर फिटनेस और फॉर्म अहम माने जा रहे हैं।

रोहित शर्मा के खराब वनडे फॉर्म के बीच उनके संन्यास को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि, लॉर्ड्स में लगाए गए शतक ने इन चर्चाओं पर विराम लगाने में मदद की। वहीं, विराट कोहली ने भी वनडे प्रारूप में लगातार रन बनाकर अपनी उपयोगिता साबित की है। दोनों बल्लेबाज वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत के शीर्ष तीन स्कोररों में शामिल हैं।

लगातार रन बनाना जरूरी

मिथुन मनहास ने कहा कि वर्ल्ड कप टीम में चयन के लिए दोनों सीनियर बल्लेबाजों का लगातार अच्छा प्रदर्शन करना जरूरी होगा। उन्होंने कहा, अगर कोई खिलाड़ी फिट है, अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और देश को जिता रहा है, तो उसका चयन होना चाहिए। मनहास के मुताबिक, रोहित और विराट का अनुभव टीम के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। दोनों खिलाड़ियों को अपनी फिटनेस बनाए रखने के साथ लगातार रन बनाने होंगे, ताकि वर्ल्ड कप टीम में अपनी दावेदारी मजबूत कर सकें।

गिल की कप्तानी में सीनियर्स का अनुभव आएगा काम

मनहास ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल का जिक्र करते हुए कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी से उन्हें कप्तानी में मदद मिल सकती है। गिल पिछले दो-तीन वर्षों से गुजरात टाइटंस की कप्तानी कर रहे हैं और भारतीय टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। मनहास ने कहा कि गिल को विराट कोहली के साथ महेंद्र सिंह धोनी के मार्गदर्शन से सीखने का अवसर मिला है। उन्होंने सौरव गांगुली और धोनी के अनुभव का उदाहरण देते हुए कहा कि सीनियर खिलाड़ियों का मार्गदर्शन युवा कप्तान के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। ऐसे में 2027 वर्ल्ड कप अभियान में रोहित और विराट का अनुभव भारतीय टीम के काम आ सकता है।

अभिषेक-सैमसन पर भरोसा, वैभव को अभी मौका नहीं : श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। भारतीय टी-20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा है कि युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को टीम में जगह बनाने के लिए अभी इंतजार करना होगा। उन्होंने नियमित ओपनर अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन के लगातार अच्छे प्रदर्शन का हवाला देते हुए कहा कि दोनों ने वर्ल्ड कप जीता है और फिलहाल अच्छा खेल रहे हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज से पहले अय्यर ने कहा कि वैभव को आगे मौके मिलेंगे। विदेशी परिस्थितियों में खेलने का अनुभव उनके भविष्य के लिए फायदेमंद साबित होगा। अय्यर ने फोटोशूट के बाद पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही।

सूर्यवंशी को ड्रेसिंग रूम में खुश रहना चाहिए

अय्यर ने कहा कि वैभव सूर्यवंशी अभी बहुत युवा हैं और उनके पास मौके पाने के लिए कई साल हैं। इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे के लिए चुने जाने के बाद से वैभव आठ टी-20 मैच खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने दो अर्धशतकों की मदद से 186.36 के स्ट्राइक रेट से 246 रन बनाए। वहीं, नियमित ओपनर अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन भी लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया की टीम 99 रन पर हुई ढेर

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। दक्षिण अफ्रीका ने सेंट जॉर्ज पार्क में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। कप्तान तेम्बा बावुमा के दमदार शतक की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 9 विकेट पर 425 रन बनाकर घोषित की। अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 99 रन पर आउट करके उसे फॉलोऑन के लिए मजबूर किया। टीम के लिए स्टीव स्मिथ ने सर्वाधिक 28 रन बनाए। 6 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं पार सके। ऑस्ट्रेलिया का अफ्रीका के खिलाफ चौथा न्यूनतम पारी का स्कोर है। तेज गेंदबाज मार्को यानसेन ने 5 विकेट लिए। इससे पहले उन्होंने बल्ले से भी कमाल का प्रदर्शन किया था और तेम्बा के साथ मिलकर शतकीय साझेदारी की थी। इसके साथ ही अफ्रीका को 326 रनों की बढ़त मिली।

नेपाल और बांग्लादेश में होगा 2027 का अंडर-19 महिला ट्वंटी-20 विश्व कप, आईसीसी ने जारी किया शेड्यूल

काठमांडू, 21 अक्टूबर। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने आज आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप 2027 का कार्यक्रम जारी कर दिया है। यह टूर्नामेंट 21 जनवरी से 6 फरवरी तक नेपाल और बांग्लादेश में आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता में 16 टीमें हिस्सा लेंगी और कुल 41 मैच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट के तीसरे संस्करण में चार-चार टीमों के चार ग्रुप बनाए गए हैं। मैच काठमांडू के टीयू अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और मूलपानी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैदान के अलावा बांग्लादेश के चट्टोग्राम स्थित वीर श्रेष्ठ शहीद फ्लाइट लेफ्टिनेंट मतिउर रहमान क्रिकेट स्टेडियम और सिलहट स्थित सिलहट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे।

ग्रुप इस प्रकार हैं:-

ग्रुप ए : भारत, आयरलैंड, वेस्टइंडीज और नेपाल

ग्रुप बी : दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, पाक और समोआ

ग्रुप सी : ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, नाइजीरिया और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई)

ग्रुप डी: इंग्लैंड, श्रीलंका, अमेरिका और स्कॉटलैंड

टूर्नामेंट की शुरुआत 21 जनवरी को चार मुकाबलों के साथ होगी। पहले दिन सुबह बांग्लादेश का सामना यूएई से होगा, जबकि दोपहर में पिछले संस्करण की उपविजेता ऑस्ट्रेलिया एसआईसीएस ग्राउंड-1 पर नाइजीरिया से भिड़ेगी। काठमांडू में श्रीलंका और स्कॉटलैंड के बीच ऊपरी मूलपानी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैदान पर मुकाबला होगा। इसके बाद इंग्लैंड की टीम अमेरिका से भिड़ेगी। दो बार की मौजूदा चैंपियन भारत 22 जनवरी को काठमांडू के टीयू अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले से अपने खिताब की रक्षा के अभियान की शुरुआत करेगी। मेजबान नेपाल भी इसी दिन आयरलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा। न्यूजीलैंड का सामना समोआ से होगा, जबकि दक्षिण अफ्रीका चट्टोग्राम में पाकिस्तान के खिलाफ उतरेगा। ग्रुप चरण के मुकाबले 26 जनवरी तक खेले जाएंगे। इसके बाद क्वालीफाई करने वाली टीमें सुपर सिक्स चरण में प्रवेश करेंगी।

// एशियाई पैरा खेल //

एशियाई पैरा खेलों में भारत पांचवें स्थान पर पहुंचा, 62 पदकों में 14 स्वर्ण शामिल

पैरा एथलेटिक्स में भारत ने आज 5 स्वर्ण सहित जीते 22 पदक

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। एशियाई पैरा खेल-2026 के तीसरे दिन भारत ने 27 पदक जीतकर तालिका में छठे से पांचवें स्थान पर छलांग लगाई। भारतीय खिलाड़ियों ने अब तक 14 स्वर्ण, 22 रजत और 26 कांस्य सहित कुल 62 पदक अपने नाम किए हैं। तीसरे दिन भारतीय खिलाड़ियों ने खेलों के नए रिकॉर्ड बनाए, व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और गोला फेंक की एक स्पर्धा में तीनों पदक जीतकर अपना दबदबा कायम किया।

आयुष का प्रदर्शन

आयुष ने 53 कैटेगरी में 8.16 मीटर थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल कर इस एडिशन में अपना दूसरा मेडल (गोल्ड) जीता। इस स्पर्धा में ईरान के अलीरेज़ा हेमामी ने 8.09 मीटर थ्रो के साथ सिल्वर और कजाकिस्तान के मखाम्बेट सेरिक्कलीयवेब ने 6.81 मीटर के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

सिमरन ने 100 मीटर में जीता स्वर्ण, भारत को पैरा एथलेटिक्स में तीन कांस्य पदक मिले

भारत की सिमरन शर्मा ने आइची-नागोया एशियाई पैरा खेल-2026 में महिलाओं की 100 मीटर टी-12 दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर अपना दूसरा स्वर्ण पदक हासिल किया। इसके अलावा भारत के सुखचैन और करमज्योति ने भाला फेंक और चक्का फेंक में कांस्य पदक जीते, जबकि प्रणव देसाई ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में कांस्य पदक अपने नाम किया। सिमरन ने महिलाओं की 100 मीटर टी-12 स्पर्धा में 12.02 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले उन्होंने मंगलवार को महिलाओं की 200 मीटर दौड़ में भी स्वर्ण पदक हासिल किया था। हांगझोऊ एशियाई पैरा खेलों में सिमरन ने 100 और 200 मीटर दौड़ में रजत पदक जीते थे। इस बार उन्होंने दोनों स्पर्धाओं में अपने पदकों का रंग बदलकर स्वर्ण में तब्दील कर दिया। वह पेरिस पैरालंपिक में कांस्य पदक जीत चुकी हैं और 2024 तथा 2025 की विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक भी हासिल कर चुकी हैं।

प्रवीण कुमार का प्रदर्शन

पुरुषों की हाई जंप 64 स्पर्धा में प्रवीण कुमार ने 2.05 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 2.02 मीटर के अपने पिछले गेम्स रिकॉर्ड को तोड़ते हुए यह नया रिकॉर्ड बनाया है। इसके अलावा, बंटी ने 1.92 मीटर की व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर रजत पदक अपने नाम किया।

हनी (डिस्कस थ्रो)

20 साल के हनी ने पुरुषों की डिस्कस थ्रो 37 फाइनल में कांस्य पदक जीता। वे आखिरी प्रयास से पहले चौथे स्थान पर थे, लेकिन छठे प्रयास में 57.04 मीटर का अपना पर्सनल बेस्ट थ्रो कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। इस स्पर्धा में उज्बेकिस्तान के कुदरतिल्लोखोन मारुफखुजाएव ने स्वर्ण और पाकिस्तान के अली ने रजत पदक जीता।

शैलेश कुमार (लॉन्ग जंप)

शैलेश कुमार ने पुरुषों की लॉन्ग जंप 42/61/63 फाइनल में कांस्य पदक हासिल किया। उन्होंने 5.57 मीटर की छलांग लगाकर 42 कैटेगरी में गेम्स रिकॉर्ड बनाया। भारत के ही महेंद्र गुर्जर 5.56 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे।

शरथ मक्नहल्ली (1500 मीटर)

शरथ मक्नहल्ली ने पुरुषों की 1500 मीटर 12/13 फाइनल में 4 मिनट 11.01 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। वे आखिरी लैप में बढ़त पर थे, लेकिन अंतिम मोड़ पर पीछे रह गए।

सचिन खिलाड़ी (शॉटपुट)

सचिन खिलाड़ी ने एशियाई पैरा गेम्स में पुरुषों की शॉटपुट 46 स्पर्धा में अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखा है। उन्होंने लगातार दूसरे एशियन गेम्स में यह गोल्ड जीता है। इसी स्पर्धा में मोहम्मद यासेर ने रजत (सिल्वर) और परवीन ने कांस्य (ब्रॉन्ज) मेडल जीतकर भारत को इस इवेंट में तीनों पदक दिलाए।

आकाश शर्मा ने तीसरी बार रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण

13 वर्षीय आकाशा शर्मा ने तीसरी बार हिमाचल प्रदेश राज्य रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में बेहतरीन प्रदर्शन करके एक बार फिर प्रदेश का मान बढ़ाया है। उन्होंने 500 मीटर और 1,000 मीटर की रिंक रेस में स्वर्ण पदक जीते और लड़कों तथा लड़कियों के बीच प्रतिस्पर्धा करते हुए अंडर-15 वर्ग में चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की।

दिलीप और बासिल ने 100 मीटर दौड़ में जीते स्वर्ण और रजत

भारत के दिलीप महादू गावित और मोहम्मद बासिल ने आइची-नागोया एशियाई पैरा खेल-2026 में पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण और रजत पदक जीतकर भारत को दोहरी सफलता दिलाई। दिलीप ने 10.69 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि मोहम्मद बासिल 10.72 सेकंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे। बासिल ने इस प्रदर्शन के साथ टी-47 वर्ग में एशियाई पैरा खेलों का नया रिकॉर्ड बनाया।

रवि बुडिगिना (तैराकी)

रवि ने पुरुषों की 100 मीटर बैकस्ट्रोक 13 फाइनल में 1 मिनट 10.10 सेकंड का समय निकालकर रजत पदक जीता। इन खेलों में यह उनका दूसरा रजत पदक है।

अकिरा बनोथु (400 मीटर)

अकिरा ने पुरुषों की 400 मीटर 35/38 फाइनल में 51.25 सेकंड में रेस पूरी कर सिल्वर मेडल जीता। वे अलग-अलग डिसेबिलिटी कैटेगरी के खिलाड़ियों की पॉइंट्स के आधार पर रैंकिंग में दूसरे स्थान पर रहे।

रोहित कुमार (तैराकी)

रोहित ने पुरुषों की 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक 4 फाइनल में 1 मिनट 57.25 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। रोहित 50 मीटर के बाद चौथे स्थान पर थे, लेकिन आखिरी हिस्से में शानदार वापसी कर तीसरे स्थान पर पहुंचे।

आईसीसी रैंकिंग : होप की शीर्ष 10 में वापसी

दुबई, 21 अक्टूबर। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की ताजा खिलाड़ी रैंकिंग में वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष-10 में जगह बना ली है। अफगानिस्तान के सेदिकुल्लाह अटल और राशिद खान ने वनडे रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज तस्किन अहमद भी वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला 2-2 से बराबर रहने के दौरान शाई होप ने शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने चार पारियों में 261 रन बनाए और 190 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की।

राजस्थान-रेलवे रणजी मैच ड्रॉ, पहली पारी की बढ़त से राजस्थान को मिले अंक

करण लांबा बने मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, रेलवे ने दूसरी पारी में दो विकेट पर बनाए 174 रन

जयपुर, 21 अक्टूबर। सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में खेला गया राजस्थान और रेलवे के बीच रणजी ट्रॉफी मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। राजस्थान ने पहली पारी में बढ़त हासिल की। करण लांबा को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। राजस्थान ने पहली पारी में 497 रन बनाकर पारी घोषित की। जवाब में रेलवे की टीम 338 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह राजस्थान को पहली पारी में 159 रन की बढ़त मिली और रेलवे को फॉलोऑन खेलना पड़ा। रेलवे ने दूसरी पारी में मैच समाप्ति तक दो विकेट पर 174 रन बना लिए थे। टीम की ओर से मोहम्मद सैफ ने नाबाद 103 और ईशान गोयल ने नाबाद 57 रन बनाए। राजस्थान की ओर से पहली पारी में अजय सिंह कुकना ने 106 रन देकर चार विकेट लिए। दानिश भांभू ने 53 रन देकर दो, चेतन शर्मा ने 48 रन देकर दो, आकाश सिंह ने 53 रन देकर एक और मोहित छांगरा ने 45 रन देकर एक विकेट हासिल किया। रेलवे की दूसरी पारी में राजस्थान के लिए चेतन शर्मा और दानिश भांभू ने एक-एक विकेट लिया।

रणजी ट्रॉफी : उत्तराखंड के खिलाफ राजस्थान की टीम घोषित

जयपुर, 21 अक्टूबर। उत्तराखंड के खिलाफ 26 से 29 अक्टूबर तक देहरादून में खेले जाने वाले रणजी ट्रॉफी के तीसरे मैच के लिए राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) ने सीनियर टीम की घोषणा कर दी है। कार्तिक शर्मा को टीम का कप्तान और कुणाल सिंह राठौड़ को उपकप्तान बनाया गया है ।

राजस्थान की टीम इस प्रकार है :-

कार्तिक शर्मा (कप्तान), कुणाल सिंह राठौड़ (उपकप्तान), रोहन राजभर, सचिन यादव, राज शर्मा, महिपाल लोमरोर, करण लांबा, अंशुल गढ़वाल, मुकुल चौधरी (विकेटकीपर), अजय कूकना, मोहित चांगड़ा, अनिकेत चौधरी, चेतन शर्मा, दानिश भांबू, साहिल दीवान।

पाक ने भारत में टीम भेजने से किया इनकार, टूर्नामेंट से नाम लिया वापस, नकवी ने नहीं दी अनुमति

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अगले साल जनवरी में भारत में होने वाले इंटरनेशनल मास्टर्स क्रिकेट विश्व कप में खेलने के लिये अपनी 50 प्लस उम्र की टीम को अनुमति देने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान ने श्रीलंका में पिछले साल हुआ टूर्नामेंट जीता था लेकिन इस बार बोर्ड ने पाकिस्तान वेटरंस क्रिकेट संघ को बता दिया है कि उन्हें भारत में खेलने की अनुमति नहीं है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री और पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी ने भारत में पाकिस्तान की टीम को भेजना से मना कर दिया है।

मेजबान देश ने दिया था आश्वासन

पीवीसीए के प्रमुख फवाद एजाज ने कहा , हमने आयोजकों को बता दिया है कि हम टूर्नामेंट से नाम वापिस ले रहे हैं । वे विकल्प की व्यवस्था कर सकते हैं । उन्होंने कहा कि आयोजकों और मेजबान देश ने उन्हें टीम वीजा और उच्च स्तरीय सुरक्षा मुहैया कराने का आश्वासन दिया था जिसके बाद पीसीबी और विदेश तथा गृह मंत्रालय से अनुमति मांगी गई।

फवाद ने कहा कि पाकिस्तान के गृह मंत्री और पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी ने उन्हें बताया कि भारत में खेलने की अनुमति नहीं दी जा रही है। पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने भी हाल ही में एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के लिये भारत टीम भेजने से इनकार कर दिया था जिसके बाद बांग्लादेश को शामिल किया गया। दोनों देशों के बीच खराब रिश्तों की वजह से भारत और पाकिस्तान सिर्फ आईसीसी या एशिया कप जैसे बड़े टूर्नामेंटों में खेलते हैं, वो भी ज्यादातर न्यूट्रल वेन्यू पर इनके मुकाबले होते हैं।

पहली बार कप्तानी करना शानदार अनुभव रहा, जीत की लय बरकरार रखने का प्रयास करूंगा : कार्तिक

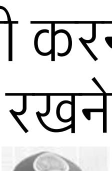

जयपुर, 21 अक्टूबर। पहली बार टीम की कप्तानी करने वाले खिलाड़ी ने अपने अनुभव को शानदार बताया। उन्होंने कहा कि पहले मैच को लेकर वह काफी उत्साहित थे। टीम ने पहला मुकाबला जीता, जिससे उनका अनुभव और भी अच्छा रहा। अगले मैच में टीम के साथ उपलब्ध रहने के सवाल पर उन्होंने कहा कि फिलहाल उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। उनका पूरा ध्यान अपने खेल पर है।

उन्होंने कहा कि वह पहले मैच के अनुभव को आगे भी जारी रखने और बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगे। रेलवे के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मुकाबले में राजस्थान के प्रदर्शन से टीम प्रबंधन संतुष्ट है। मैच के बाद बातचीत में टीम के कोच ने कहा कि खिलाड़ियों ने अपना 100 प्रतिशत दिया और टीम ने एलीट ग्रुप में तीन अंक हासिल किए। अगले मुकाबलों में भी टीम इसी प्रदर्शन को जारी रखने का प्रयास करेगी।

कप्तान ने बताया कि पहली पारी में 450 से अधिक रन बनाने के बाद रेलवे को दो बार आउट करने की उम्मीद थी, लेकिन दूसरी पारी में राजस्थान को अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी। शुरुआत में दो विकेट हासिल करने के बाद टीम को विकेट नहीं मिले। उन्होंने इसका एक कारण गेंदबाजों की चोट को भी बताया। उन्होंने कहा कि आकाश और कुकना की उंगलियों में गेंद लगने से उन्हें परेशानी हुई। ऐसे में अगले मैच तक कुकना के फिट होने की उम्मीद है, जबकि आकाश की स्थिति का आकलन किया जाएगा।

गेंदबाजी आक्रमण को लेकर पूछे गए सवाल पर कप्तान ने कहा कि नए खिलाड़ियों को मौका देकर अनुभव दिलाना जरूरी है। आगामी दौर के लिए नए गेंदबाजों को तैयार करने पर काम किया जाएगा।

सब-जूनियर और जूनियर नेशनल स्क्वैश चैम्पियनशिप कल से जयपुर में

22 राज्यों के करीब 900 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा, 3 स्थानों पर होंगे मुकाबले

जयपुर, 21 अक्टूबर। सब-जूनियर और जूनियर नेशनल स्क्वैश चैंपियनशिप का आयोजन 23 से 29 अक्टूबर तक जयपुर में किया जाएगा। प्रतियोगिता में देशभर के 22 राज्यों से करीब 900 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। मुकाबले सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर क्लब और मानसरोवर स्थित मॉडर्न स्कूल के स्क्वैश कोर्ट्स पर खेले जाएंगे। प्रतियोगिता की आयोजन सचिव और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सुरभि मिश्रा ने बताया कि जयपुर को आठ साल बाद इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता की मेजबानी मिली है। इससे पहले वर्ष 2018 में इसका आयोजन एसएमएस स्टेडियम में किया गया था। इस बार खिलाड़ियों की अधिक संख्या को देखते हुए तीन स्थानों पर मुकाबले आयोजित किए जाएंगे।

23 अक्टूबर को होगा उद्घाटन

जयपुर क्लब के अध्यक्ष अजित सक्सेना और सचिव हिमांशु सहगल ने बताया कि 23 से 25 अक्टूबर तक क्वालीफाइंग राउंड के मुकाबले होंगे, जबकि 26 अक्टूबर से मुख्य ड्रॉ शुरू होगा। मुख्य ड्रॉ में 16 खिलाड़ी शामिल होंगे, जिनमें आठ खिलाड़ी क्वालीफाइंग राउंड से जगह बनाएंगे। प्रतियोगिता का उद्घाटन 23 अक्टूबर को एसएमएस स्टेडियम में खेल एवं युवा मामलों के मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ करेंगे।

पदक विजेता खिलाड़ी भी दिखाएंगे दम

सुरभि मिश्रा के अनुसार, प्रतियोगिता में कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इनमें वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता यूशा नफीस और पूरव रांबिया प्रमुख हैं। इनके अलावा एशियन चैंपियनशिप में अपने-अपने आयु वर्ग में पदक जीत चुके अनिका दुबे, शिवेन अग्रवाल, लोकेश सुब्रमणि, दिव्यांशी जैन, शनाया परसरामपुरिया, अभ्युदय अरोड़ा और अमार्य बजाज भी प्रतियोगिता में अपनी चुनौती पेश करेंगे। चैंपियनशिप में अंडर-11, अंडर-13, अंडर-15, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग में बालक एवं बालिका वर्ग के मुकाबले खेले जाएंगे।

विश्व बैंक राजस्थान के चार शहरों के लिए 3500 करोड़ रूपए देगा

इस परियोजना में जयपुर, जोधपुर, कोटा, भरतपुर व उनसे जुड़े 28 सैटेलाइट टाउन शामिल होंगे

जयपुर, 21 अक्टूबर। राजस्थान के प्रमुख शहरों में सुविधाओं के विस्तार, आधारभूत ढांचे के विकास, पर्यटन को बढ़ावा देने और नगर निकायों की वित्तीय एवं प्रशासनिक क्षमता मजबूत करने के उद्देश्य से विश्व बैंक ने सस्टेनेबल अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन इन राजस्थान एक्सीलरेटेड (एसयूटीआरए-सूत्रा) परियोजना का प्रस्ताव तैयार किया है। इस प्रस्तावित परियोजना की कुल लागत 38 करोड़ 57 लाख अमेरिकी डॉलर, यानी लगभग 3 हजार 500 करोड़ रुपये से अधिक है।

विश्व बैंक की ओर से जारी नवीनतम दस्तावेज के अनुसार, परियोजना में कुल 32 शहरी स्थानीय निकायों को शामिल किया जाएगा। इनमें जयपुर, जोधपुर, कोटा और भरतपुर के चार प्रमुख शहरी क्लस्टर तथा उनसे जुड़े 28 सैटेलाइट टाउन शामिल किए जाने का प्रस्ताव है। इन क्षेत्रों में वर्ष 2026 में अनुमानित आबादी 78 लाख से अधिक है। इसके माध्यम से शहरी विकास को अधिक व्यवस्थित बनाने और नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने पर ध्यान दिया जाएगा।

परियोजना के अंतर्गत चारों शहरी क्लस्टर में ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक

> ■ विश्व बैंक परियोजना के तहत चारों शहरी क्लस्टर में ऐतिहासिक विरासत का संरक्षण और पुनर्जीवन, शहरी परिवहन एवं कनेक्टिविटी में सुधार, ठोस कचरा प्रबंधन तथा नागरिक सुविधाओं के विकास से जुड़े कार्य कराये जाएंगे।

विरासत का संरक्षण और पुनर्जीवन, शहरी परिवहन एवं कनेक्टिविटी में सुधार, ठोस कचरा प्रबंधन और नागरिक सुविधाओं के विकास से जुड़े कार्य करवाए जाएंगे। इन प्रयासों का उद्देश्य शहरों को अधिक सुविधाजनक और रहने योग्य बनाना, आवागमन बेहतर करना तथा पर्यटन की संभावनाओं को बढ़ाना है। राजस्थान की ऐतिहासिक धरोहरों और पर्यटन स्थलों को ध्यान में रखते हुए विरासत क्षेत्रों के विकास को भी परियोजना में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। इन शहरों में बढ़ती गर्मी में जल संकट और बारिश के दौरान जलभराव जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए भी काम करवाए जाएंगे।

विश्व बैंक के दस्तावेज के अनुसार, परियोजना के तहत नगर निकायों के राजस्व प्रशासन में सुधार और ऋण प्रबंधन को बेहतर बनाने जैसे उपाय किए जाएंगे। साथ ही, शहरी स्थानीय निकायों की ऋण लेने की क्षमता मजबूत करने तथा शहरी आधारभूत ढांचे के लिए निजी एवं वाणिज्यिक पूंजी जुटाने की व्यवस्था विकसित करने पर भी जोर रहेगा।

परियोजना की कार्यान्वयन एजेंसी राजस्थान अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (आरयूआईडीपी) को बनाया जायेगा। विश्व बैंक में परियोजना की तकनीकी डिजाइन की समीक्षा आगामी 10 दिसम्बर और बोर्ड का अनुमोदन 2 जुलाई 2027 तक होना संभावित है। इसमें विश्व बैंक के अंतरराष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक से 27 करोड़ डॉलर का ऋण तथा राज्य सरकार की ओर से 11 करोड़ 57 लाख डॉलर का वित्तपोषण प्रस्तावित है।

जब 29 जुलाई को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनाव आयोग ने 26 सितंबर को जारी प्रेस विज्ञप्ति में अपना पक्ष रखा।

विज्ञप्ति में कहा गया, कैबिनेट सचिव को लिखा गया पत्र आयोग की किसी नीतिगत विषय-वस्तु या आईटी विभाग से संबंधित नहीं था, बल्कि चुनाव आयोग में प्रतिनियुक्ति पर तैनात एक अधिकारी के कामकाज से जुड़ा था। संबंधित अधिकारी द्वारा जारी कार्य-आवंटन आदेशों को दोनों चुनाव आयुक्तों के निर्देश के बाद वास्तव में लागू नहीं किया गया था। आईटी विभाग पर उप चुनाव आयुक्त की निगरानी कभी हटाई ही नहीं गई थी।"

आरटीआई से क्या पुष्टि होती है?

आरटीआई के जवाब से इस सवाल का सीधा उत्तर नहीं मिलता, क्योंकि इसमें पत्रों की विषय-वस्तु का खुलासा नहीं किया गया है। लेकिन ऐसे विवाद में, जिसमें अब तक ज्यादातर जानकारी लीक और प्रेस विज्ञप्तियों के जरिए सामने आई है, यह पहला आधिकारिक दस्तावेजी प्रमाण है।

इससे पुष्टि होती है कि दोनों पत्र मौजूद हैं, वे कब प्राप्त हुए और कैबिनेट सचिव का जवाब आगे कहां भेजा गया।

छत्तीसगढ़ का सिरपुर विश्व धरोहर सूची में शामिल

महासमुंद 21 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के महासमुंद अंतर्गत पुण्य सलिला महानदी के तट पर स्थित सिरपुर अब विश्व के मानचित्र में चमकेगा। यूनेस्को के विश्व धरोहर की संभावित सूची में सिरपुर को शामिल किया गया है।

सिरपुर प्राचीन काल में श्रीपुर के नाम से विख्यात रहा है तथा पाण्डुवंशी

> ■ प्राचीन काल में यह श्रीपुर के नाम से जाना जाता था तथा पाण्डुवंशी शासकों के काल में यह दक्षिण कोसल की राजधानी था।

शासकों के काल में इसे दक्षिण कोसल की राजधानी होने का गौरव प्राप्त रहा है। सिरपुर की प्राचीनता का सर्वप्रथम परिचय शरभपुरीय शासक प्रवरराज तथा महासुदेवराज के ताम्रपत्र से उपलब्ध होता है।

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने बुधवार को बताया कि जिले के ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक धरोहर सिरपुर को यूनेस्को के विश्व धरोहर की संभावित सूची में शामिल किया गया है। यूनेस्को के आधिकारिक वेबसाइट पर तीसरे क्रम पर सिरपुर को सूचीबद्ध किया गया है। महाशिवगुप्त बालार्जुन के 57 वर्षीय, सुदीर्घ शासनकाल में यहां अनेक मंदिर, बौद्ध विहार सरोवर तथा उद्यानों का निर्माण करवाया गया।

'मेरे परिवार को ही कब तक होल्ड पर रखा जाएगा?'

राजेन्द्र राठौड़ की नाराज़गी को मुख्यमंत्री भजनलाल ने हस्तक्षेप कर शांत किया

जयपुर, 21अक्टूबर। राजस्थान में पंचायत चुनाव 2026 को लेकर भाजपा में टिकट वितरण की कवायद के बीच सियासी खींचतान तेज हो गई है। जिला परिषद के टिकटों पर रायशुमारी के दौरान वरिष्ठ नेता राजेन्द्र राठौड़ की नाराजगी सामने आने से पार्टी की अंदरूनी राजनीति गरमा गई। चूरू में बेटे पराक्रम सिंह राठौड़ और बहू कनिका सिंह के लिए टिकट की पैरवी कर रहे राठौड़ उस समय नाराज हो गए, जब बहू का टिकट फाइनल करने और बेटे का नाम फिलहाल होल्ड पर रखने का प्रस्ताव सामने आया। मामला बढ़ने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को हस्तक्षेप करना पड़ा।

बुधवार को भाजपा मुख्यालय में हुई बैठक में राठौड़ ने बेटे का टिकट रोकने के प्रस्ताव पर आपत्ति जताते हुए सवाल किया कि आखिर उनके परिवार के मामले में ही ऐसी स्थिति क्यों बन रही है। उन्होंने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) से जुडे मामले का जिक्र करते हुए कहा कि बेटे का नाम वहां भी होल्ड पर रखा गया था। आखिर कब तक ऐसा किया जाएगा?

राठौड़ ने संगठन के सामने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि उन्हें अपने क्षेत्र की चुनावी परिस्थितियों और जीत की रणनीति की जानकारी है। उन्होंने अन्य

> ■ यह मामला तब उठा जब वरिष्ठ नेता राजेन्द्र राठौड़ की पुत्रवधु का नाम चूरू जिला परिषद के लिए फाइनल हो गया, पर उनके पुत्र पराक्रम सिंह का नाम होल्ड पर रख दिया गया।

जगहों पर एक ही परिवार के सदस्यों को कई टिकट दिए जाने का हवाला देते हुए, अपने परिवार के मामले में अलग रवैया अपनाने पर सवाल उठाए। नाराजगी के दौरान वे बैठक छोड़कर जाने लगे, लेकिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हस्तक्षेप कर उन्हें शांत कराया और उनकी राय को महत्व देने का भरोसा दिलाया।

टिकटों को लेकर जारी खींचतान के बीच, चूरू में राजेन्द्र राठौड़ के बेटे पराक्रम सिंह राठौड़ ने जिला परिषद के वार्ड 39 और बहू कनिका सिंह ने वार्ड 23 से नामांकन दाखिल किया। दोनों के नामांकन के बाद पार्टी के आधिकारिक टिकट को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

पंचायत चुनाव के तीसरे चरण के प्रत्याशियों के चयन को लेकर भाजपा मुख्यालय में गुरुवार सुबह 11 बजे से बैठकों का दौर शुरू होगा। बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ मौजूद रहेंगे, जबकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के भी शामिल होने की संभावना है। बैठक में 13 जिलों के प्रत्याशियों के नामों पर रायशुमारी की जाएगी।

इनमें ब्यावर, डीडवाना-कुचामन, टोंक, प्रतापगढ़ , चित्तौड़गढ़ , सलूम्बर, चूरू, हनुमानगढ़ , श्रीगंगानगर, खैरथल-तिजारा, बालोतरा, बारां और बूंदी जिले शामिल हैं।

भरतपुर, डीग, धौलपुर और सवाई माधोपुर जिलों के प्रत्याशियों के चयन के लिए 22 अक्टूबर को रायशुमारी होगी।

ब्यावर जिला परिषद के वार्ड 13 में भी टिकट को लेकर सहमति नहीं बन पाई। यहां दो सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों ने अपने परिजनों के लिए टिकट की दावेदारी की थी। इनमें से एक अधिकारी के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले की एफआईआर सामने आने के बाद संगठन ने फिलहाल इस सीट पर निर्णय टाल दिया।

ऐसे में, तीसरे चरण के टिकट वितरण को लेकर भाजपा मुख्यालय में होने वाली बैठकों पर सबकी नजरें रहेंगी।

एप्सटीन फाइल्स के फोटो मीडिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डिजिटल विषयों पर चर्चा से संबंधित थीं। उन्होंने कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं था और एपस्टीन के अपराधों या उसके द्वीप से उनका कोई संबंध नहीं था।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने सवाल किया, "क्या हरदीप पुरी ने यह नहीं कहा था कि उन्होंने एपस्टीन से कभी भी अकेले (वन टू वन) मुलाकात नहीं की?" तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने तंज कसते हुए कहा, "लगता है कि इन दोनों तस्वीरों में बाकी प्रतिनिधि मेज के नीचे छिपे हुए थे।" उन्होंने पुरी से कैबिनेट की बैठकों में शामिल होना बंद करने की मांग भी की।

एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के प्रवक्ता अनीश गावंडे ने तस्वीरों को बेहद गंभीर आरोपों की पुष्टि करने वाला बताते हुए, मुलाकातों में हुई बातचीत का ब्योरा सार्वजनिक करने की मांग की। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने सवाल किया कि पुरी किसका संदेश लेकर जा रहे थे, क्या वह संदेश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संदेश था? उन्होंने कहा, यह तो "शुरुआत" है।

कांग्रेस नेताओं के.सी. वेणुगोपाल और पवन खेड़ा सहित, अन्य नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की चुप्पी की आलोचना करते हुए इसे "आपराधिक उदासीनता" बताया और एक बार फिर उनके इस्तीफे की मांग दोहराई। कुछ नेताओं ने इस विवाद को एपस्टीन के साथ कथित तौर पर हुए अधिक व्यापक ईमेल आदान-प्रदान के दावों से भी जोड़ा।

पुरी के कार्यालय ने जवाब दिया कि मंत्री ने कभी यह दावा नहीं किया था कि वे एपस्टीन से अकेले कभी नहीं मिले। कार्यालय के अनुसार, फरवरी में दिए गए बयान में केवल यह बताया गया था कि परिचय कैसे हुआ (रोड-लार्सन के जरिए) और पहली मुलाकात एक प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रुप में हुई थी। कार्यालय ने कहा कि तस्वीरों में मेज के आस-पास काम से जुड़ी बैठक दिखाई दे रही है, जिस पर कुछ नोट्स और दस्तावेज मौजूद हैं। मंत्री को इस खास मुलाकात का स्पष्ट स्मरण नहीं है और वे यह भी निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि तस्वीरें लिए जाने से पहले या बाद में वहां कोई अन्य व्यक्ति मौजूद था या नहीं।

पुरी के कार्यालय ने फिर दोहराया कि मंत्री कभी एपस्टीन के द्वीप पर नहीं गए थे और एपस्टीन के साथ उनका कोई सार्थक व्यक्तिगत संबंध या उसके अपराधों से कोई जुड़ाव नहीं था।

तमाम आरोपों के बावजूद, पुरी पेट्रोलियम मंत्री के पद पर बने हुए हैं। हालांकि, उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनावों के लिए भाजपा द्वारा उन्हें दोबारा उम्मीदवार नहीं बनाए जाने के फैसले ने इन अटकलों को हवा दी है कि मंत्रिमंडल के अगले फेरबदल में उन्हें हटाया जा सकता है।

फ्रांस से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पेरिस गए थे और ये सब उन्होंने केन्द्र सरकार के एनओसी न दिए जाने की चुनौती के बाद किया था।

सूत्रों के मुताबिक, भगवंत मान और उनके स्टाफ पर 50 हजार की कस्टम ड्यूटी लगाई गई है। मुख्यमंत्री मान के साथ उनका स्टाफ था, उनके भी सामान की चेकिंग की गई थी। लेकिन चेकिंग के दौरान कुछ चीजें डिक्लेयर नहीं की गई थीं, लिहाजा उस पर ड्यूटी लगी है। भगवंत मान और उनका स्टाफ सामान को डिक्लेयर किए बिना ग्रीन चैनल से जा रहे थे, इसलिए उन्हें रोका गया था।

लिखित माफीनामे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जा सकता है। सही जमानती पेश नहीं करने पर तीसरी बार भी इन्हें जेल भेजा जा सकता है।

राहुल गांधी ने आईएएस कोचिंग संस्थान के विद्यार्थियों से मुलाकात की

इसके पहले भाजपा ने एक वीडियो साझा कर राहुल गांधी के वियतनाम जाने पर सवाल उठाये थे

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को यहां विजन आईएएस कोचिंग संस्थान के विद्यार्थियों से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब राजनीतिक गलियारों में राहुल गांधी के वियतनाम दौरे पर होने की चर्चा है। इस मुलाकात के दौरान राहुल के साथ कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी मौजूद रहीं।

कांग्रेस के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए बताया गया कि विद्यार्थियों ने संस्थान में पढ़ाई,

> ■ राजनीतिक क्षेत्रों में राहुल गांधी के वियतनाम जाने की आलोचनात्मक चर्चा के बीच उनका कोचिंग विद्यार्थियों से बातचीत का वीडियो कांग्रेस की ओर से अधिकारिक रुप से शेयर किया गया।

मार्गदर्शन और अध्ययन सामग्री की गुणवत्ता में गिरावट तथा फीस वापसी की मांग पर प्रबंधन की ओर से जवाब नहीं मिलने की शिकायत की।

कांग्रेस ने अपने पोस्ट में कहा कि विद्यार्थियों ने शिक्षण की गुणवत्ता, मार्गदर्शन और अध्ययन सामग्री के स्तर में तेज गिरावट को लेकर गंभीर चिंता जताई। कांग्रेस के मुताबिक, विद्यार्थियों ने बताया कि फीस वापस करने की उनकी मांग पर संस्थान का प्रबंधन जवाब नहीं दे रहा है।

इससे पहले, भाजपा ने सोमवार को एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए दावा किया था कि राहुल गांधी वियतनाम जा रहे हैं। भाजपा ने इस वीडियो के साथ तंज कसते हुए लिखा था कि झूठ फैलाते-फैलाते थकने के बाद वे कुछ दिन घूमने जा रहे हैं। इस वीडियो में राहुल एक हवाई जहाज में बैठे दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद मंगलवार को शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत का एक वीडियो साझा किया था। इसमें राउत कह रहे हैं कि राहुल वियतनाम गए हैं, उनके आने के बाद अन्य मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इस वीडियो को साझा कर सवाल किया गया था कि राहुल वियतनाम में किससे मिलने वाले हैं? देश की सीमाओं के बाहर ऐसी कौन-सी प्लानिंग हो रही है? उनके भारत लौटने के बाद ऐसा क्या बदल जाएगा? पोस्ट में कहा गया था कि आखिर संजय राउत ऐसे बयान क्यों दे रहे हैं?

पाकिस्तान के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से पंजाब के सिख श्रद्धालुओं के 1,828 पासपोर्ट, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से 557, उत्तराखंड की सिख संगतों के 254 और उत्तर प्रदेश के श्रद्धालुओं के 150 पासपोर्ट जमा करवाए गए हैं। झारखंड से 12 और गुजरात से दो श्रद्धालुओं के पासपोर्ट जमा करवाए गए हैं। अब पाकिस्तान जाने के लिए वीजा मिलने के बाद, जत्था निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 22 नवंबर को दस दिवसीय धार्मिक यात्रा के लिए रवाना होगा। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर गुरुद्वारा श्री ननकाना साहिब में माथा टेकना और धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होना है।

अभी अधरझूल में है, अमेरिका व ईरान के बीच शांति समझौता

वाशिंगटन (अमेरिका)/तेहरान, 21 अक्टूबर। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क रुबियो ने कहा कि ईरान के साथ शांति समझौता करना बेहद मुश्किल है। उन्होंने कहा कि जब तक तेहरान होर्मुज़ जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़) में कमर्शियल जहाजों को निशाना बनाना बंद नहीं करता, तब तक उस पर आर्थिक दबाव बना रहेगा। इस पर ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि जब तक वाशिंगटन, तेहरान की शर्तें नहीं मान लेता, तब तक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ बंद रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान और कतर के जरिए अप्रत्यक्ष बातचीत जारी है।

> ■ दोनों देश अधिकारिक रूप से समझौता अटकने की बात करते हैं, पर अप्रत्यक्ष वार्ता जारी है।

अल जजीरा और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, रुबियो और अराघची ने अपने-अपने देश के मीडिया से बातचीत में यह टिप्पणी की। इस बीच अमेरिकी रक्षामंत्री पीट हेगसेथ का अहम बयान सामने आया है। उनका कहना है कि वाशिंगटन, ईरान के खिलाफ और सैन्य कार्रवाई करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, "हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार न आएं।" ईरान का यह भी कहना है कि उसका संवर्धित यूरेनियम देश के भीतर ही रहेगा। उसने लगभग 400 किलोग्राम परमाणु सामग्री को रूस की कस्टडी में सौंपने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। यह घोषणा ऐसे समय पर हुई है, जब पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए तेहरान के दौरे पर हैं।

सर्दी आने से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक, दोनों तरह के उपाय अपनाए हैं। हमारे प्रयासों में जनता की भागीदारी की अहम भूमिका रही है।"

सिरसा ने कहा कि "प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए 11 सूत्री कार्ययोजना लागू की जा रही है, जिसमें केन्द्र और दिल्ली सरकार मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा जोर धूल से होने वाले प्रदूषण को कम करने, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने, वाहनों से निकलने वाले धुएं पर नियंत्रण करने और प्रदूषण के स्थानीय स्त्रोतों की पहचान करने पर है।"

शिल्पकार एथिराज का निधन

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऐतिहासिक सेंगोल के निर्माण में योगदान देने वाले वुम्मिडी एथिराज के निधन पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने कहा कि एथिराज को, पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को भेंट किए गए ऐतिहासिक सेंगोल (स्वर्ण रचित राजदंड) के निर्माण में उनके योगदान के लिए हमेशा याद किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक संदेश में कहा कि तमिलनाडु के प्रतिष्ठित

> ■ प्रधानमंत्री ने एथिराज को पूर्व प्रधानमंत्री नेहरु को दिये गये ऐतिहासिक सेंगोल के निर्माण के लिये याद किया।

परिवार से आने वाले एथिराज का जीवन और शिल्पकला भारत की गौरवशाली परंपराओं तथा देश की यात्रा के बीच एक उल्लेखनीय संबंध को दर्शाते हैं। उन्होंने एथिराज के परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

मोदी ने कहा कि वर्ष 2023 में नए संसद भवन में सेंगोल को प्रमुख स्थान देने के दौरान उन्हें एथिराज से मिलने और देश तथा संस्कृति के लिए उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर मिला था। नए संसद भवन के उद्घाटन के अवसर पर इस ऐतिहासिक सेंगोल को लोकसभा अध्यक्ष के आसन के पास स्थापित किया गया था।

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि एथिराज के निधन से उन्हें गहरा दुख हुआ है।

वेनेजुएला के तेल की रिफाइनिंग के लिए अंबानी से वार्ता करेंगे रुबियो

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्क रुबियो जामनगर में रिलायंस की रिफाइनरी का दौरा करने आए हैं

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क रुबियो बुधवार को गुजरात के जामनगर पहुंचे, जहां मुकेश अंबानी और उनके परिवार ने उनका स्वागत किया। रुबियो ने यहां रिलायंस की तेल रिफाइनरी का दौरा किया। इसके अलावा उन्होंने वंतारा और कंपनी के ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट का भी जायजा लिया। यह दौरा ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका भारत के साथ ऊर्जा कारोबार बढ़ाना चाहता है और वहां डीजल की बढ़ती कीमतें चिंता का विषय बनी हुई हैं।

दौरे से जुड़े लोगों के मुताबिक, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी, उनकी पत्नी नीता अंबानी और बेटी ईशा व बेटे अनंत ने रुबियो का स्वागत किया।

जामनगर पहुंचने से एक दिन पहले रुबियो ने भारत को कच्चे तेल की रिफाइनिंग के मामले में महाशक्ति

> ■ रुबियो का प्रस्ताव है कि अंबानी को वेनेजुएला से तेल खरीद बढ़ाना चाहिए और रुसी तेल की खरीद कम कर देनी चाहिए।

बताया था। उन्होंने भारत से वेनेजुएला के कच्चे तेल की प्रोसेसिंग बढ़ाने की अपील की। जानकारों के मुताबिक, अमेरिका रिलायंस की विशाल रिफाइनिंग क्षमता का इस्तेमाल करके ऊर्जा कारोबार को मजबूत करना चाहता है। रुबियो ने नेटवर्क18 से बातचीत में कहा कि अमेरिका पश्चिमी गोलार्ध से आने वाले कच्चे तेल की रिफाइनिंग के लिए रिलायंस के साथ मिलकर काम करना चाहता है। इससे दोनों देशों को फायदा हो सकता है।

असल में अमेरिका वेनेजुएला के कच्चे तेल (क्रूड) के लिए नए बाजार तलाश रहा है। अमेरिका भारत पर वेनेजुएला से तेल खरीदने के लिए जोर दे रहा है।

एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, रुबियो ने कहा कि वह रिलायंस के साथ वेनेजुएला के तेल की प्रोसेसिंग बढ़ाने पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे वेनेजुएला में कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ेगा, भारत ग्लोबल तेल सप्लाई को बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकता है।

मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए रुबियो ने कहा, उनके पास भारी कच्चे तेल (हेवी क्रूड) को रिफाइन करने की क्षमता है। उन्होंने पहले भी ऐसा किया है और मुझे लगता है कि जैसे-जैसे वेनेजुएला से और अधिक तेल आएगा, वे ऐसा बिल्कुल कर सकते हैं। रुबियो ने भारत को रिफाइनिंग सुपरपावर करार दिया।

'आतंकवाद विरोधी मिशन का लाइव कवरेज बंद करें'

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (हि.स.)। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने निजी सैटेलाइट टीवी चैनलों के लिए बुधवार को एक सख्त एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि वे आतंकवाद-रोधी अभियानों की लाइव कवरेज से बचें, भड़काऊ बहस और राष्ट्रविरोधी सामग्री न दिखाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के इस्तेमाल में सावधानी बरतें।

मंत्रालय ने एडवाइज़री में सभी सैटेलाइट टीवी चैनलों को कार्यक्रम संहिता का सख्ती से पालन करने के आदेश दिए हैं।

मंत्रालय ने कहा है कि उनकी अंतर-विभागीय समिति ने पाया है कि चैनलों पर प्रसारित खबरें और दृश्य संहिता के अनुरूप नहीं हैं और एक ही तरह के दृश्य बार-बार दिखाए जा रहे हैं।

एक्सप्रेसवे पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

योजना बनाकर संबंधित विभागों को कार्यवाही के निर्देश दिए। जिसके तहत एजुकेशन, इंजीनियरिंग, एनफोर्समेंट, इमरजेंसी केयर, इवेल्यूएशन, एन्गेजमेंट आधारित रणनीति पर निरंतर काम किया जा रहा है।

सीतारमण परिवार भी राजनैतिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभी पुष्टि नहीं हुई है। सरकार को लेकर प्रभाकर की आलोचना कोई नई नहीं है। वे मौजूदा आंदोलन से पहले से ही सरकार की आलोचना करते रहे हैं। अपनी किताब "द क्रुक्ड टिम्बर ऑफ न्यू इंडिया" में उन्होंने नोटबंदी सहित, सरकार के बड़े आर्थिक फैसलों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बेरोज़गारी को लेकर चिंता जताई है और लोकतांत्रिक संस्थाओं के कमज़ोर होने की आशंका भी व्यक्त की है।

उन्होंने 8 अक्टूबर को बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन में भी हिस्सा लिया था। इस प्रदर्शन में प्रकाश राज और यूट्यूबर ध्रुव राठी भी शामिल हुए थे। प्रदर्शन में ज्ञानेश कुमार को निशाना बनाया गया और उनके इस्तीफे की मांग की गई।

सरकार के बारे में प्रभाकर के सार्वजनिक विचार हमेशा उन विचारों से अलग रहे हैं, जिनसे सीतारमण जुड़ी हुई हैं। तथापि, दोनों के राजनीतिक मतभेद नए नहीं हैं। दोनों की मुलाकात दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान हुई थी। राजनीतिक विचार अलग होने के बावजूद, उन्होंने1986 में शादी की थी।

प्रभाकर खुद भी राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं। वे 2009 में अभिनेता चिरंजीवी की प्रजा राज्यम पार्टी से जुड़े थे। इसके बाद 2014 से 2018 तक उन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की सरकार में संचार सलाहकार के रूप में काम किया। अप्रैल 2018 में, जब तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) ने आंध्र प्रदेश के लिए "विशेष श्रेणी का दर्जा" न मिलने के कारण, नैशनल डैमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) से अपना समर्थन वापस ले लिया था, तब प्रभाकर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

प्रभाकर का राजनीतिक सफर, उनकी पत्नी के उस सफर से बिल्कुल अलग रहा है, जिसमें निर्मला सीतारमण ने भाजपा के अंदर तरक्की की और अंततः वित्त मंत्री बनीं।

प्रभाकर की भागीदारी एसआईआर विरोधी आंदोलन के राजनीतिक संदेश को और जटिल बना सकती है। वित्त मंत्री से उनके जुड़ाव के कारण, वे इस अभियान में एक प्रमुख आवाज बन सकते हैं। यह अभियान सरकार और चुनाव आयोग को जवाबदेह ठहराने की मांग कर रहा है।

आम विपक्षी नेताओं से अलग, प्रभाकर का उस सरकार से व्यक्तिगत संबंध है, जिसकी वे आलोचना करते हैं। इस संबंध की वजह से मीडिया का ध्यान उनकी ओर आकर्षित हो सकता है और लोग उनके तर्कों को सामान्य राजनीतिक पक्षपात से अलग हटकर देखने के लिए प्रेरित हो सकते हैं। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि उनके विचार भारतीय जनता पार्टी या सरकार के भीतर किसी तरह के मतभेद को दर्शाते हैं। यह मामला सार्वजनिक पद और निजी राजनीतिक विचारों के बीच के रिश्ते को लेकर भी एक बड़ा सवाल खड़ा करता है। किसी मंत्री के जीवनसाथी के लिए यह जरुरी नहीं है कि वह सरकार का समर्थन करे। उसी तरह जीवनसाथी द्वारा की जाने वाली राजनीतिक आलोचना के लिए उस मंत्री को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

सीतारमण के लिए इसका तात्कालिक राजनीतिक महत्व सरकार में उनके पद पड़ने वाले किसी स्पष्ट असर के बजाय, लोगों के सामने दिखने वाले विरोधाभास में है। जब तक कोई सबूत न मिल जाए, तब तक यह मान लेने का कोई आधार नहीं है कि प्रभाकर की भागीदारी से उनके वैवाहिक संबंधों में दरार आई है या इससे भारतीय जनता पार्टी में वित्त मंत्री की स्थिति पर कोई असर पड़ा है।

"द इंडियन एक्सप्रेस" की एक रिपोर्ट के बाद यह विवाद और तेज हो गया है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि ज्ञानेश कुमार ने अपने साथी चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों को दरकिनार कर दिया या उन पर ध्यान नहीं दिया। राहुल गांधी सहित, विपक्षी नेताओं ने इस विवाद को कांग्रेस के व्यापक वोट चोरी अभियान से जोड़ने की कोशिश की है।

यह देखना अभी बाकी है कि प्रभाकर के शामिल होने से इस आंदोलन को व्यापक जनसमर्थन मिलता है या नहीं। लेकिन उनकी मौजूदगी ऐसे विरोध प्रदर्शन को एक नया राजनीतिक आयाम देती है, जो पहले से ही चुनावी निष्पक्षता और संस्थागत जवाबदेही को राष्ट्रीय बहस के केन्द्र में लाने की कोशिश कर रहा है।

भारतीय जनता पार्टी के लिए यह घटना एक दिलचस्प विरोधाभास पेश करती है। उसकी वित्त मंत्री के पति उस विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं, जो चुनावी लोकतंत्र से जुड़े एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर सरकार के रुख को चुनौती दे रहा है। वहीं, प्रभाकर की सार्वजनिक पहचान, एक ऐसे आलोचक के रूप में और मजबूत होती है, जिनके राजनीतिक विचार उनकी पत्नी से अलग हैं।

अंततः, उनके इस कदम का महत्व पारिवारिक संबंधों से कहीं ज्यादा इस बात पर निर्भर करेगा कि प्रदर्शनकारी क्या सबूत पेश करते हैं, चुनाव आयोग क्या जवाब देता है और यह अभियान अपने मौजूदा राजनीतिक दायरे से बाहर कितना जनसमर्थन जुटा पाता है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908